राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा कहा- संसद के बजाय वाशिंगटन से क्यों मिल रही है जानकारी - 12

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद - 12

ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब, भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया - 13

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा भारत - 14

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.52
सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया 12:09 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 4 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 165, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से झूमा बाजार, रुपया मजबूत, सोना-चांदी ऊपर चढ़े

चौतरफा दिखी हरियाली, सेंसेक्स 2073 और निफ्टी 639 अंक चढ़े, अडाणी के शेयर 11% तक चढ़े

मुंबई, एजेंसी

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने की घोषणा से उत्साहित भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को जबर्दस्त उछाल आया। मानक सूचकांक सेंसेक्स 2,073 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 639 अंक की छलांग लगाई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद 4,205.27 अंक यानी 5.14 प्रतिशत उछलकर 85,871.73 अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली होने से यह 2,072.67 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,739.13 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 639.15 अंक यानी 2.55 प्रतिशत चढ़कर 25,727.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,252.80 अंक यानी 4.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,341.20 अंक तक पहुंच गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत के बाद कहा था कि भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। हालांकि, अभी समझौते का विवरण सामने नहीं आया है। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 9.12 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। वहीं अडाणी के शेयरों में 11% तक उछाल दर्ज किया गया।

निवेशकों की संपत्ति एक ही दिन में 12.10 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को बड़ी छलांग लगाई जिससे निवेशकों की पूंजी एक ही कारोबारी सत्र में 12.10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। दिग्गज कंपनियों में बढ़त के बीच मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी खासी तेजी दर्ज की गई। इस चौतरफा तेजी के बीच बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 12,10,877.45 करोड़ रुपये बढ़कर 4,67,14,754.77 करोड़ रुपये (5.16 लाख करोड़ डॉलर) हो गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,304 कंपनियों के शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 981 शेयरों में गिरावट रही और 137 अन्य अपरिवर्तित रहे।

मजबूत वैश्विक संकेतों व कमजोर डॉलर के बीच चांदी 24,000 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच चांदी और सोने की कीमतों में तीन दिन की तेज गिरावट का माहौल मंगलवार को खत्म हो गया और राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में इनमें मजबूत उछाल आया। इस दौरान चांदी 24,000 रुपये बढ़कर 2.84 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई तथा सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर जा पहुंचा।

रुपया 122 पैसे की छलांग के साथ 90.27 प्रति डॉलर पर

मुंबई। व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद भारतीय रुपया मंगलवार को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा के रूप में उभरा, जिसने एक कारोबारी सत्र में 122 पैसे या 1.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि समझौते होने के बाद भारतीय रुपया ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसमें लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में भी लगभग 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सोमवार को रुपया 44 पैसे बढ़कर 91.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

ब्रीफ न्यूज

18 से 12 मार्च के बीच होगी यूपी बोर्ड परीक्षाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च के बीच आयोजित होंगी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि प्रदेश के 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया गया है। 20 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान और इंटरमीडिएट नागरिक शास्त्र, 23 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल अंग्रेजी, 25 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल विज्ञान, 26 फरवरी को प्रथम पाली में हाईस्कूल गणित व इंटरमीडिएट भूगोल तथा 27 फरवरी की दूसरी पाली में संबंधित विषयों की होगी। 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया गया है। ये जिले आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़, बलिया, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया व गोंडा हैं।

भारत ने अहम प्रौद्योगिकी एसएफडीआर का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली। डीआरडीओ ने मंगलवार को ठोस ईंधन डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रौद्योगिकी का सफल परीक्षण किया। इस उपलब्धि के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिनके पास यह अत्याधुनिक तकनीक है। यह प्रौद्योगिकी लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के विकास में सहायक होगी।

मेटा-वॉट्सएप कानून मानें या भारत छोड़ें, डेटा शेयर की इजाजत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने गोपनीयता नीति पर लगाई फटकार, कहा- देश की निजता सबसे ऊपर

- नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने गोपनीयता नीति को लेकर 213.14 करोड़ का जुर्माना लगाने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सएप को मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां डेटा साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वह नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को याचिकाओं में पक्षकार बनाया जाए। पीठ मेटा और व्हाट्सएप की उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जो एनसीएलएटी के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई हैं, जिसने विज्ञापन से जुड़े डेटा साझा करने के मामले में सीमित राहत देते हुए प्रभुत्व के दुरुपयोग संबंधी सीसीआई के निष्कर्षों को बरकरार रखा था। सीजेआई ने कहा, आप डेटा साझा करने के नाम पर इस देश के निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकते। हम आपको डेटा का एक शब्द भी साझा करने की अनुमति नहीं देंगे, या तो आप लिखित वचन (अंडरटेकिंग) दें, आप नागरिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं कर सकते।

गोपनीयता की शर्तें चालाकी से तैयार की गई, आम आदमी समझ ही नहीं सकता

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि इस देश में निजता के अधिकार की सख्ती से रक्षा की जाती है। कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की गई हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक सभ्य तरीका है, हम आपको ऐसा नहीं करने देंगे... आपको लिखित वचन देना होगा, अन्यथा हमें आदेश पारित करना होगा।

हाईकोर्ट द्वारा महीनों तक फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा एक चिह्नित बीमारी, इसे खत्म किया जाना चाहिए

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने समय पर न्याय सुनिश्चित करने की आवश्यकता रेखांकित करते हुए मंगलवार को कहा कि हाईकोर्ट द्वारा महीनों तक फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा 'एक चिह्नित बीमारी' है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल चार दिसंबर को एक याचिका खारिज करते हुए मौखिक रूप से फैसला सुनाया था और वह फैसला अब तक अपलोड नहीं किया गया है। पीठ ने कहा कि अगले सप्ताह के आखिर तक वकील को पूरा फैसला उपलब्ध कराया जाए। देरी का जिक्र करते हुए, याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा, ऐसा लगता है कि सिर्फ जुबानी जमा खर्च किया जा रहा है, कोई संदेश जाना चाहिए। यह कानून की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मोटे तौर पर दो तरह के न्यायाधीश होते हैं। उन्होंने कहा, एक मेहनती न्यायाधीश होते हैं, जो सबकी बात सुनते हैं और 10-15 मामलों में भी फैसला सुरक्षित रख लेते हैं। कुछ न्यायाधीश ऐसे होते हैं, जो इसके बाद फैसले नहीं सुनाते। हम किसी एक व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं। यह कोर्ट के सामने एक चुनौती है और यह पहचानी हुई बीमारी है। इसका इलाज होना चाहिए।

संसद में टूटी मर्यादा, विपक्षी सांसदों ने कागज उछाले, आठ निलंबित

- सत्तापक्ष-विपक्ष में टकराव बढ़ा, हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अगले दिन को स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय को लेकर जारी गतिरोध के बीच मंगलवार को उस वक्त सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मोर्चा खुल गया जब आसन के समीप कागज उछालने के मामले में आठ विपक्षी सांसदों को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस के सात सदस्यों और माकपा के एक सांसद को सदन से निलंबित किया गया है।

सदन में गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार की तरह मंगलवार को भी पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित लेख का हवाला देकर चीन का विषय उठाने का प्रयास किया, लेकिन आसन से इसकी अनुमति नहीं मिली। हालांकि उन्होंने इस लेख को सत्यापित किया और सदन के पटल पर रखा। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए।

सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी पर उछाले गए कागज के टुकड़े।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल के बीच हुई बहस।

आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे

इससे पहले, राहुल गांधी के चीन का विषय उठाने का प्रयास करने, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते तथा कुछ अन्य विषयों को लेकर सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी थी। विपक्षी सदस्यों ने सदन में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे। उस समय आसन पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी बैठे थे।

भारत-अमेरिका समझौता बड़ा फैसला : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली में संसदीय दलों की बैठक में शिरकत करने जाते प्रधानमंत्री मोदी।

- मोदी ने राजग की संसदीय दल की बैठक में कहा- हर देशवासी के लिए व्यापार समझौता लाभदायक

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक में कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा फैसला है जो हर देशवासी के लिए लाभदायक होगा। बैठक में शामिल सांसदों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने राजग के संसदीय दल की बैठक में सदस्यों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि उनकी सरकार हमेशा राष्ट्र के हित में काम करती है।

राजग के घटक दलों के सदस्यों ने यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के लिए प्रधानमंत्री को बधाई भी दी और कहा कि इससे भारतीय विनिर्माताओं, निर्यातकों और उद्यमियों को मजबूती मिलेगी। बैठक में शामिल सांसदों के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा फैसला है और देश में सभी को इससे लाभ मिलेगा। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए है जिसके तहत वाशिंगटन भारतीय उत्पादों पर शुल्क को कुल 50 प्रतिशत से कम करके 18 प्रतिशत करेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि पूरे देश में इस समझौते को लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा, सांसदों में इस बात को लेकर उत्साह है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नौ व्यापार समझौते पूरे हुए हैं। कुल 39 देशों के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह ऐतिहासिक है। ये सभी 39 देश विकसित देश हैं जो ऐतिहासिक है। देश में बहुत अच्छा माहौल है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राजग संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया, जहां हमने अनेक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सदस्यों ने भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी।

60 हजार करोड़ के घोटाले का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी

शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े बहुचर्चित 60 हजार करोड़ के निवेश घोटाले में कंपनी के निदेशक अतुल सिंह को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) टीम ने गुडंबा इलाके से मंगलवार को दबोचा।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के अनुसार, शाइन सिटी कंपनी ने प्रदेश के कई जनपदों में सस्ते भूखंड और अन्य प्रलोभनकारी योजनाओं के नाम पर निवेशकों से 60 हजार करोड़ रुपये निवेश कराए। रुपये लेने के बाद न तो भूखंड दिए गए और न ही निवेश की गई धनराशि वापस की। कंपनी के निदेशक और अधिकारी कार्यालय बंद कर फरार हो गए थे। अतुल सिंह लखनऊ स्थित शाइन सिटी के आर स्क्वायर, विपुल खंड कार्यालय में प्रॉपर्टी सेल्स का काम संभालता था। निवेशकों को लुभावनी योजनाओं में फंसाकर निवेश कराने में सक्रिय भूमिका निभाता था। उसके खिलाफ थाना गोमतीनगर में वर्ष 2021 में दो एफआईआर दर्ज किए गए थे। जिसकी जांच ईओडब्ल्यू कर रही है। ईओडब्ल्यू अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी था। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। बाराबंकी के मोहम्मदपुर खाला का मल निवासी अतुल गुडंबा के स्मिथ अपार्टमेंट में रहता था, जहां से ईओडब्ल्यू की क्रैक टीम ने उसे दबोच लिया।

- शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लि. में बतौर निदेशक तैनात था आरोपी अतुल

सिपाही भर्ती परीक्षा 8 से 10 जून तक

- 32,679 पदों के लिए तीन दिन, दो पालियों में परीक्षा, आयु सीमा में तीन वर्ष की बड़ी राहत

लखनऊ। यूपी पुलिस में सिपाही बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत होने वाली लिखित परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी सूचना के अनुसार सिपाही भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा आठ जून (सोमवार), नौ जून (मंगलवार) और 10 जून (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। परीक्षा तीनों दिनों में दो-दो पालियों में कराई जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश में कुल 32,679 पदों को भरा जाएगा। परीक्षा केंद्र, एडमिट कार्ड, शिफ्ट टाइमिंग और अन्य दिशा-निर्देश बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर समय से जारी किए जाएंगे। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट पर अपडेट चेक करते रहें। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सिपाही भर्ती-2025 में अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण दिया गया है। गौर है कि वर्ष 2024 में उप्र पुलिस में 60,244 सिपाही पदों पर भर्ती की गई थी, जो अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती थी।

उपलब्धि — देश-विदेश की फार्मा कंपनियों के साथ 5525 करोड़ रुपये के हुए 11 समझौते, हजारों लोगों के रोजगार की उम्मीद, फार्मा इकोसिस्टम को नई मजबूती

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' के दौरान प्रदेश के फार्मास्यूटिकल सेक्टर को बड़ी निवेश सौगात मिली। कुल 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी, जबकि मंच से औषधि, मेडिकल डिवाइस और संबद्ध क्षेत्रों में 5,525 करोड़ रुपये के 11 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का औपचारिक आदान-प्रदान किया गया। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश के फार्मा इकोसिस्टम को नई मजबूती मिलने के साथ ही हजारों नए रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है।

प्रमुख निवेशकों में अर्ना फार्मा और बायोजेंटा लाइफ साइंसेज ने 1,250-1,250 करोड़, शुक्रा फार्मास्यूटिकल्स ने 737 करोड़, वाल्टर बुशनेल एंटरप्राइज ने 590 करोड़ रुपये, झानविका लैब्स ने 553 करोड़ रुपये और कोरो हेल्थ ने 418 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा मार्क लेबोरेटरीज (300 करोड़), हाई ग्लांस लैबोरेटरीज (120 करोड़), रासपा फार्मा (107 करोड़), रोमसंस मेडवर्ल्ड (100 करोड़) और कोटक हेल्थकेयर (100 करोड़) ने भी यूपी में निवेश के लिए एमओयू किए। इन निवेशों से फार्मा मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च, मेडिकल डिवाइस और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कॉन्क्लेव 1.0' में रामकी ग्रुप के चेयरमैन अयोध्या रामी रेड्डी, टोरंट ग्रुप के वाइस चेयरमैन जीनल मेहता, मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी, जाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पद्मभूषण पंकज रमनभाई पटेल व सन फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन पद्मश्री दिलीप सांघवी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

फार्मा कॉन्क्लेव में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी। साथ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व अन्य।

भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा : योगी

योगी ने कहा कि भारत अपनी नीतियों पर अडिग रहकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को आज एक विश्वसनीय वैश्विक साझेदार के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। भारत किसी दबाव में झुकने वाला देश नहीं है और 'सत्यमेव जयते' के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। यह आत्मविश्वासी भारत की पहचान है।

24 घंटे में खाली हुई 65 हजार एकड़ जमीन

मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद किए गए भूमि सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद भू-माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। भू-माफिया टास्क फोर्स के गठन के बाद 24 घंटे के भीतर 65 हजार एकड़ सरकारी जमीन कब्जामुक्त कराई गई, जो आज प्रदेश का मजबूत लैंड बैंक बनी है। इसी के माध्यम से उद्योगों और निवेश को जमीन उपलब्ध कराई जा रही है।

पुलिस गोली न मारे तो क्या खाए

कॉन्क्लेव के दौरान योगी ने एनकाउंटर पर सवाल उठाने वालों को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कानून से खिलवाड़ करने वालों पर सख्ती जरूरी है। कहा कि अगर अपना व्यक्ति भी गलत करेगा तो उसके लिए भी वही कानून लागू होगा, जो माफिया और अपराधी के लिए है। बहुत बार लोग टिप्पणी करते हैं कि पुलिस ने गोली क्यों मार दी। अगर पुलिस गोली न मारे तो क्या खाए?

न्यूज ब्रीफ

डॉ. नारायण दास बने कार्यवाहक निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ : प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार डॉ. नारायण दास, अपर निदेशक, आयुर्वेद सेवायें, उत्तर प्रदेश को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक कार्यवाहक निदेशक, आयुर्वेद सेवायें, उत्तर प्रदेश का प्रभार सौंपा गया है। शासनादेश के तहत डॉ. नारायण दास को कार्यवाहक निदेशक पद के साथ-साथ आहरण-वितरण एवं प्रशासकीय अधिकार भी प्रदान किए गए हैं। हालांकि, इस अतिरिक्त दायित्व के निर्वहन के लिए उन्हें किसी प्रकार का अतिरिक्त वेतन, भत्ता अथवा अन्य सेवा लाभ देय नहीं होगा।

विधानसभा के सामने प्रदर्शन करेंगे अधिवक्ता

अमृत विचार, लखनऊ : सोनभद्र जनपद के लोढ़ी तथा बाराबंकी के हैदरगढ़ टोल प्लाजा पर अधिवक्ताओं के साथ मारपीट की घटनाओं से अधिवक्ता संगठनों में आक्रोश व्याप्त है। आल इंडिया स्थल बार एसोसिएशन ने मामले की उच्चस्तरीय समिति से जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल और राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि सरकार ने कठोर कार्रवाई नहीं की तो रूरल बार एसोसिएशन सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेगा। बजट सत्र के दौरान विधानसभा के सामने विरोध दर्ज कराया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार से यह भी मांग की कि बजट सत्र में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लेकर संसद में संकल्प प्रस्ताव भेजा जाए। इस संबंध में मंगलवार को कचहरी परिसर में हुई बैठक में आंदोलन पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला इकाई अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी ने की, संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता डीपी सिंह ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

समयबद्ध तैयारी से होगा बाढ़ प्रबंधन : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में संभावित बाढ़ और अतिवृष्टि की चुनौती को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाढ़/अतिवृष्टि पूर्व-प्रबंधन की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जितनी बेहतर तैयारी होगी, उतने ही प्रभावी ढंग से चुनौती का समाधान किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने सतर्कता, विभागीय समन्वय और समयबद्ध कार्यों को सफल बाढ़ प्रबंधन की मूल कुंजी बताया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी तटबंधों, ड्रेनों और संवेदनशील स्थानों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और सफाई कार्य तय समयसीमा में अनिवार्य रूप से पूरे किए जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अखबार बेचने वाला बन गया इंटरनेशनल यूथ आइकॉन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कांवड़ यात्रा ऐप से चुनावी जागरूकता तक, प्रशासन के साथ किए जनहित के समाधान
- योगी सरकार का डिजिटल नवाचार, 84 लाख युवाओं तक पहुंची कॅरियर-सूचना वेबसाइट

अमृत विचार: कभी साइकिल पर अख़बार बेचकर घर का खर्च चलाने वाला उत्तर प्रदेश के बागपत के गांव ट्यौढी का अमन कुमार आज राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रहा है। बाल मजदूरी और गरीबी की कठिन परिस्थितियों से निकलकर अमन ने संघर्ष, संकल्प और नवाचार के बल पर खुद को इंटरनेशनल यूथ आइकॉन के रूप में स्थापित किया है। वह कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की युवा-केंद्रित नीतियों और डिजिटल पहलों ने उन्हें आगे बढ़ने का भरोसा दिया।

अमन कुमार आज यूपी सरकार के युवा कल्याण विभाग से संबद्ध उड़ान यूथ क्लब के अध्यक्ष हैं। अवसरों के अभाव में पले-बढ़े अमन ने तय किया कि कोई भी होनहार युवा केवल जानकारी न होने की वजह से पीछे न रहे। इसी सोच के साथ 12वीं के बाद उन्होंने एक व्हाट्सऐप ग्रुप शुरू किया, जो आगे चलकर वेबसाइट प्रोजेक्ट 'कॉन्टेस्ट 360' बना। एक क्लिक पर शिक्षा, स्कॉलरशिप, करियर और सरकारी अवसरों की जानकारी देने वाली इस वेबसाइट का अब तक 84 लाख से अधिक युवा उपयोग कर चुके हैं।

डिजिटल समाधान के क्षेत्र में अमन की पहल यहीं नहीं रुकी। वर्ष 2022 में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उन्होंने प्रशासन के साथ मिलकर कांवड़ यात्रा ऐप विकसित किया। यात्रा मार्ग, चिकित्सा सहायता, शिविर, आपात संपर्क और प्रशासनिक सहयोग जैसी सुविधाओं से युक्त इस ऐप को साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इस्तेमाल किया। इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने स्वीप बागपत ऐप बनाकर भारत निर्वाचन आयोग से जुड़ी जानकारियां सवा लाख मतदाताओं तक पहुंचाईं।

डीएम के मार्गदर्शन में बनाया सूचना एप

- बागपत की जिलाधिकारी अस्मिता लाल के मार्गदर्शन में अमन ने सूचना विभाग के सहयोग से सूचना सेतु ऐप तैयार किया, जिससे आम नागरिक एक क्लिक पर अधिकारियों और सरकारी योजनाओं से जुड़ सके। इसके अलावा बागपत फॉर एनिमल्स ऐप और ग्राम पंचायत फैजपुर निनाना की वेबसाइट बनाकर डिजिटल पंचायत की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की। अब वह प्रदेशभर के युवाओं को नवाचार और तकनीक से जोड़ने की तैयारी में हैं। अमन के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब उन्हें स्वामी विवेकानंद यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वह यूनेस्को की विभिन्न वैश्विक युवा पहलों, यूनिसेफ नेशनल यूथ एंबेसडर कार्यक्रम और कई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हैं। वर्ष 2026 के विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में अमन ने नरेंद्र मोदी के समक्ष टीम यूपी के ग्रुप कैप्टन के रूप में युवाओं का प्रतिनिधित्व किया।

यूथ आइकॉन अमन कुमार को सम्मानित करतीं बागपत की डीएम अस्मिता लाल।

कैलाश सत्यार्थी के साथ भी किया काम

- अमन ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ भी काम किया है। वर्ष 2025 में उन्हें आई वॉलंटियर अवॉर्ड, इंडियाज मोस्ट वैल्यूएबल यू रिपोर्टर और यंग ट्रांसफॉर्मर्स अवॉर्ड सहित कई सम्मान मिले। अमन कुमार की कहानी बताती है कि सही नेतृत्व, अवसर और संकल्प मिल जाए तो साधारण परिस्थितियों से निकला युवा भी असाधारण मुकाम हासिल कर सकता है।

हर निवेशक को सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूरी गारंटी: योगी

निवेशकों को जीरो पॉलिटिकल इंटरफेयर, मजबूत कानून व्यवस्था का दिया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के महासंगम 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' की शुरूआत करते हुए कहा कि प्रदेश आज केवल एक राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भरोसे की गारंटी बन चुका है। प्रदेश सरकार हर निवेशक को ट्रिपल-एस यानी सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूर्ण गारंटी दे रही है और ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी का रोल मॉडल बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ लॉ पूरी मजबूती से लागू है। कानून से खिलवाड़ करने की किसी को छूट नहीं है। यदि कोई कानून को चुनौती देता है, तो कानून अपने दायरे में रहकर उसे उसी की भाषा में जवाब देता है। यही कारण है कि आज प्रदेश में भयमुक्त वातावरण है और निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में प्रदेश असुरक्षा, अराजकता और अविश्वास का पर्याय बन चुका था। 2012 से 2017 के बीच 900 से अधिक दंगे हुए, शायद ही कोई शहर रहा हो जहां कर्फ्यू न लगा हो। उद्योग और व्यापार से जुड़े लोगों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था और निवेशक प्रदेश छोड़ने को मजबूर थे। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। पर्व-त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहे हैं और प्रदेश में स्थिर, सुरक्षित माहौल है।

देश-विदेश के फार्मा उद्योगपतियों से बातचीत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

डी-रेगुलेशन में नंबर वन, ईज ऑफ डूइंग में टॉप अचीवर

- योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज डी-रेगुलेशन रैंकिंग में देश में नंबर वन है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर बन चुका है। 13 राज्य अधिनियमों में आपराधिक प्रावधानों को समाप्त किया गया है। एमएसएमई सेक्टर में निवेश करने वाले उद्यमियों को 1000 दिनों तक निरीक्षण से छूट दी गई है। सरकार का उद्देश्य उद्योगों को डराना नहीं, बल्कि सुविधा देना है।

फार्मा सेक्टर को बनाया जा रहा ग्लोबल हब

- मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का अग्रणी केंद्र बनाया जा रहा है। ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। गौतम बुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क और यूएस-एफडीए टेस्टिंग लैब के जरिए ग्लोबल स्टैंडर्ड स्थापित किए जा रहे हैं। फैक्ट्री से फार्मेसी तक निर्बाध सप्लाई चेन विकसित की जा रही है, जिससे यूपी एआई, मेड-टेक, हेल्थ-टेक और क्लिनिकल रिसर्च का बड़ा केंद्र बनेगा।

यूपी फार्मा सेक्टर में बनेगा वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब : नड्डा

- कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने वीडियो संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने वाला प्रमुख राज्य बनकर उभर रहा है। ललितपुर का बल्क ड्रग फार्मा पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और राज्य की फार्मास्यूटिकल नीति उत्तर प्रदेश को विश्वसनीय मैन्युफैक्चरिंग हब बना रही है। बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेशक-अनुकूल वातावरण के कारण यूपी तेजी से फार्मा निवेश का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है।

असुरक्षा के कारण मुझे यूपी छोड़ना पड़ा था: जुनेजा

- पुराना दौर याद कर भावुक हो गए उद्यमी

अमृत विचार, लखनऊ : फार्मा कॉन्क्लेव में मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा ने भावुक अंदाज में कहा कि एक समय ऐसा भी था जब असुरक्षा के कारण उन्हें उत्तर प्रदेश छोड़ना पड़ा था। 2001 की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तब माहौल निवेश और उद्योग के अनुकूल नहीं था। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में वह "अच्छी सुबह" आई है, जब लोग देर रात भी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। यही वजह है कि आज निवेशक पूरे विश्वास के साथ यूपी लौट रहे हैं और उनकी कंपनी भी यहां निवेश के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी ने कहा कि कोविड काल में भारत ने वैश्विक स्तर पर फार्मा सेक्टर में अपनी ताकत साबित की। उत्तर प्रदेश की नीतियां प्रभावी हैं और राज्य वैश्विक फार्मा लीडर्स के लिए आकर्षक गंतव्य बन चुका है।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राकेश सचान, जसवंत सैनी, राज्यसभा सदस्य एवं रामकी ग्रुप के फाउंडर अयोध्या रामी रेड्डी, नीति आयोग के सदस्य डॉ विनोद कुमार पॉल, संदीप जैन, वी कृष्ण मोहन, आदित्य वर्मा, अमिताभ दुबे समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निवेशकों ने यूपी को माना उभरता फार्मा पावरहाउस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' में देश और दुनिया की दिग्गज फार्मा कंपनियों के चेयरमैन और शीर्ष नेतृत्व ने एक स्वर में उत्तर प्रदेश को भारत का उभरता हुआ फार्मा पावरहाउस बताया। उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने शासन, कानून-व्यवस्था और नीतिगत स्थिरता के मोर्चे पर ऐतिहासिक बदलाव किए हैं, जिसने उत्तर प्रदेश को निवेशकों की पहली पसंद बना दिया है।

राज्यसभा सदस्य एवं रामकी ग्रुप के चेयरमैन अयोध्या रामी रेड्डी ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व को "उत्कृष्ट कमिटमेंट" करार देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का वर्तमान और भविष्य—दोनों का रोडमैप स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि पिछले 40 वर्षों में उन्होंने यूपी में ऐसा सकारात्मक और भरोसेमंद माहौल पहले कभी नहीं देखा। मजबूत कानून-व्यवस्था, जवाबदेही और ईमानदारी प्रदेश के दीर्घकालिक विकास की आधारशिला बन चुकी है। एक मजबूत नेतृत्व किस तरह पूरे सिस्टम को बदल सकता है, उत्तर प्रदेश इसका जीवंत उदाहरण है।

टोरेंट ग्रुप के वाइस चेयरमैन जीनल मेहता ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और लॉ एंड ऑर्डर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यूपी के करीब 20 जिलों में काम किया, लेकिन कहीं भी रेड टेप या कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं आई। यूपी अब निवेशकों को रेड टेप नहीं, बल्कि रेड कार्पेट ट्रीटमेंट दे रहा है।

सन फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन पद्मश्री दिलीप सांघवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर में जो सुधार हुआ है, उसने इसे देश का सबसे सुरक्षित स्थान बना दिया है। आने वाले वर्षों में यूपी फार्मा मैन्युफैक्चरिंग के वैश्विक मानचित्र पर और मजबूती से उभरेगा। कॉन्क्लेव में उद्योग जगत की इस एकजुट राय ने साफ कर दिया कि उत्तर प्रदेश अब केवल संभावनाओं का राज्य नहीं, बल्कि भरोसेमंद निवेश गंतव्य और भारत की फार्मा ग्रोथ का नया इंजन बन चुका है।

उद्यमी बोले

- योगी के नेतृत्व में बदली कानून-व्यवस्था, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस ने बढ़ाया भरोसा

इंडस्ट्री के लिए जरूरी सभी संसाधन यहां मौजूद : रमनभाई

- जाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पद्मभूषण पंकज रमनभाई पटेल ने कहा कि किसी भी इंडस्ट्री के लिए भूमि, बिजली, पानी और प्रशिक्षित मानव संसाधन जरूरी होते हैं, और ये सभी सुविधाएं उत्तर प्रदेश में पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। यही कारण है कि फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के लिए यूपी आदर्श राज्य बनकर उभर रहा है।

मतदाता सूची सुधारने के लिए बूथ पर रोज दो घंटे रहेंगे बीएलओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 27 फरवरी तक फॉर्म 6, 7, 8 के साथ उपलब्ध रहेंगे बीएलओ

अमृत विचार : प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को प्रभावी बनाने के लिए निर्वाचन आयोग ने अहम निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत आगामी 27 फरवरी तक प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) प्रतिदिन दो घंटे मौजूद रहेंगे। यह व्यवस्था सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगी, ताकि मतदाताओं को फॉर्म भरने और सूची से जुड़ी समस्याओं के समाधान में सहूलियत मिल सके।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को बताया कि इस अवधि में सभी बूथों पर बीएलओ के पास फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने), फॉर्म-7 (नाम हटाने) और फॉर्म-8 (संशोधन) के साथ ड्राफ्ट मतदाता सूची, मतदाता सूची से हटाए गए नामों की सूची और वर्ष 2003 की मतदाता सूची भी उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा प्रत्येक बूथ पर वोटर असिस्टेंट बूथ भी स्थापित किए जाएंगे, जहां मतदाता अपनी मैपिंग भी करा सकेंगे। उन्होंने बताया कि 6 फरवरी तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। जिन मतदाताओं की मैपिंग अब तक नहीं हो पाई है, उन्हें नोटिस भेजकर अभिलेखीय साक्ष्य मांगे जा रहे हैं। 6 से 27 फरवरी तक नोटिस चरण में सुनवाई, सत्यापन और दावों-आपत्तियों का निस्तारण, 6 मार्च को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

जाति-धर्म के आधार विभाजन की राजनीति करने वाले दलों पर रोक का प्रावधान नहीं

विधि संवाददता,लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजनीतिक दलों द्वारा जातीय रैली के के विरुद्ध दाखिल एक जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान कानून के तहत किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को केवल इस आधार पर चुनाव लड़ने से पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता कि वह जाति या धर्म के आधार पर मतदाताओं को प्रभावित कर रहा है। कोर्ट ने कहा है कि यह विषय विधायिका का है कि वह इस संबंध में कानून बनाए। चुनाव आयोग भी किसी भी राजनीतिक दल का पंजीकरण इस आधार पर समाप्त नहीं कर सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की ओर से वर्ष 2013 में दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। कोर्ट ने याचिका पर विस्तृत निर्णय पारित करते हुए कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8-ए ही एकमात्र प्रावधान है। जिसके तहत चुनावी कदाचार के मामलों में अयोग्य ठहराया जा सकता, वह भी तब जब संबंधित व्यक्ति को दोषसिद्ध करार दिया जा चुका हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति पर पूर्व-प्रतिबंध लगाने का अधिकार वर्तमान में कानून में उपलब्ध नहीं है। यह विषय पूर्णतः विधायिका के क्षेत्राधिकार में आता है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग को भी किसी राजनीतिक दल का पंजीकरण समाप्त करने का अधिकार प्राप्त नहीं है। सिवाय उन सीमित परिस्थितियों के जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित की गई हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल की मान्यता को चुनाव चिन्ह (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के पैरा 16-ए के तहत निलंबित या वापस लिया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में भी नए या अतिरिक्त प्रावधान जोड़ने का अधिकार सिर्फ विधायिका को है, न कि न्यायालय को। कोर्ट ने अपने निर्णय में एक व्यापक सामाजिक दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि जाति और धर्म आधारित संकीर्ण सोच का स्थायी समाधान सिर्फ कानूनों के माध्यम से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार और शिक्षा प्रणाली में सही मूल्यों का संचार आवश्यक है, ताकि भावी नागरिक संविधान की भावना, विशेषकर अनुच्छेद 51-ए(ई) में निहित भ्रातृत्व और सामाजिक समरसता के आदर्शों को आत्मसात कर सकें।

जातीय रैलियों पर प्रदेश में है प्रतिबंध

- कोर्ट ने पाया कि 21 सितंबर 2025 को एक शासनादेश जारी करते हुए, राज्य सरकार ने प्रदेश में जातीय रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। उक्त शासनादेश में कहा गया है कि राजनीतिक उद्देश्यों से आयोजित जातीय रैलियां समाज में जातीय संघर्ष को बढ़ावा देती हैं जो लोक व्यवस्था और राष्ट्रीय एकता के विपरीत है लिहाजा इन पर उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कोर्ट ने कहा कि यदि उक्त शासनादेश का अनुपालन नहीं हो रहा तो याची पर्याप्त आंकड़े एकत्रित कर, जनहित याचिका दाखिल कर सकता है।

पत्रकार वार्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने बजट को विकसित भारत की दिशा में मजबूत नींव बताया

टैक्स और केंद्रीय सहायता से यूपी को मिलेंगे 4 .18 लाख करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा-इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाई-स्पीड रेल, रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग में ऐतिहासिक निवेश

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि आम बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-2047' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दूरदर्शी विजन डॉक्यूमेंट है। उन्होंने कहा कि टैक्स डिवोल्यूशन और केंद्रीय सहायता के माध्यम से उत्तर प्रदेश को लगभग 4.18 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय समर्थन मिलेगा। यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना को साकार करते हुए देश और प्रदेश को तेज़ी से विकास की राह पर आगे ले जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मंगलवार को लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। पंकज चौधरी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आमजन की सुविधाओं, नवाचार, आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी है। इसी सोच का स्पष्ट प्रतिबिंब बजट में दिखाई देता है, जिसे किसान, युवा, महिला, उद्यमी और मध्यम वर्ग सभी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि आधारभूत संरचना को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए सरकार ने इसमें निरंतर और मजबूत निवेश किया है। वर्ष 2014-15 में जहां इन्फ्रा बजट 2 लाख करोड़ रुपये था, वहीं अब इसे बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, साथ में अन्य पदाधिकारी। अमृत विचार

हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से यूपी को विशेष लाभ

- वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि बजट में सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है। इनमें दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर उत्तर प्रदेश के लिए विशेष रूप से लाभकारी होंगे। इससे नोएडा, आगरा, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, यात्रा समय घटेगा और पर्यटन व व्यापार को गति मिलेगी। इसके साथ ही डांकुनी से सूरत तक प्रस्तावित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का एक बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजरेगा। अगले पांच वर्षों में 20 नए जलमार्ग शुरू किए जाएंगे तथा वाराणसी में गंगा जलमार्ग पर शिप-रिपेयर और मरम्मत केंद्र विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा। चौधरी ने बताया कि पांच लाख से अधिक आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों में सिटी इकोनॉमिक रीजन विकसित किए जाएंगे, जिन पर प्रति शहर 5000 करोड़ रुपये तक का निवेश प्रस्तावित है। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए पांच प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में सारनाथ और हस्तिनापुर को अनुभवात्मक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

पारंपरिक उद्योगों को विशेष समर्थन

- रक्षा क्षेत्र पर उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला बजट है, जिसमें रक्षा बजट को 15 प्रतिशत बढ़ाकर 7 .85 लाख करोड़ रुपये किया गया है। मैन्युफैक्चरिंग को रोजगार का मुख्य आधार बताते हुए उन्होंने मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं के तहत बायोफार्मा शक्ति परियोजना, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2 .0 और इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में बड़े प्रावधानों की जानकारी दी। एमएसएमई के लिए 10,000 करोड़ रुपये का ग्रोथ फंड और पारंपरिक उद्योगों को विशेष समर्थन दिया गया है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र के लिए 1.62 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, ये किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आयुष व स्किल डेवलपमेंट में भी बड़े प्रावधान किए गए हैं।

पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई के बीच : राजभर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 28 को आएगी मतदाता सूची, मंत्री बोले- बैलेट पेपर से चुनी जाएगी 'गांव की सरकार'

अमृत विचार: यूपी सरकार ने पंचायत चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को वाराणसी में इस संबंध में बड़ा बयान देते हुए कहा कि पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच संपन्न कर लिए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया दो चरणों में होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंचायत चुनाव ईवीएम नहीं बल्कि मतपत्रों के माध्यम से होंगे।

ओमप्रकाश राजभर ने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी 2026 को होगा। उन्होंने संभावित उम्मीदवारों को सलाह दी कि वे अंतिम सूची आने से पहले अपने समर्थकों के नाम जुड़वाना सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि यूपी के हर जिले में चुनाव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और बैलेट पेपर सभी जिलों में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच संपन्न कर लिए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) और जिला पंचायत सदस्यों के लिए वोट डाले जाएंगे। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के अप्रत्यक्ष चुनाव होंगे। इस दौरान ओपी राजभर ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश संविधान के अनुसार चलता है और किसी शंकराचार्य के बयान से संविधान नहीं बदलेगा। सरकार संविधान के अनुसार ही चल रही है और किसी के कहने से नया कानून नहीं बनेगा। पंचायती राज मंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनाव तय समय पर होंगे और यूपी सरकार इसकी पूरी तैयारी कर चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

छप्पर हटाने के विवाद में मारपीट

शिवराजपुर। क्षेत्र के सुक्खा नेवादा गांव में सोमवार को घर के बाहर रखा छप्पर हटाने के विवाद में दो भाइयों के परिवार में जमकर मारपीट हो गई थी। जिसमें दोनों पक्षों के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया था। दोनों पक्षों की तहरीर पर ज्ञानसिंह, लवकुश, रामू, श्यामू, सोनू, कुलदीप, हरमोहन, धीरज, रामसिंह व आशीष पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है ।

युवक को पीटने पर मामला दर्ज

शिवराजपुर। राजेपुर गांव से ड्यूटी करने जा रहे युवक को चार लोगों ने जमकर पीटा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। राजेपुर गांव निवासी राजेश पुत्र जानकी प्रसाद ने थाने में दी तहरीर में बताया कि वह दो फ़रवरी को मजदूरी करने जा रहा था। तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बेहटा गांव निवासी सोनू, सूरज, दीपक, किशन आदि ने मुझे घेर कर गाली गलौज करने लगे, ज़ब मैंने इसका विरोध किया तो सभी ने एक राय होकर मुझे लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया, जिसमे मुझे चोटें आई हैं। वहीं इस मामले में थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया तहरीर के बाद जांच पड़ताल करके मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रहीं है।

छात्रा से छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज

हमीरपुर। ललपुरा थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी छात्रा को लिफ्ट देने के बहाने बाइक सवार युवक ने बीच रास्ते छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थानाक्षेत्र के एक गांव की छात्रा सोमवार की दोपहर करीब दो बजे अपने घर जाने के लिए निकली थी। ललपुरा बस स्टैंड में गांव निवासी राजकुमार शर्मा ने छात्रा को लिफ्ट देकर बाइक में बैठा लिया। बाद में छेड़खानी करने लगा। छात्रा के विरोध करने व शोर मचाने पर खेतों में काम कर रहीं महिलाएं दौड़ पड़ीं। जिस पर आरोपी छात्रा को जान-माल की धमकी देते हुए उसे छोड़कर भाग गया। ललपुरा थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज ने बताया तहरीर मिली है। आरोपी के विरुद्ध छेड़खानी, एससी/एसटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की।

अनियंत्रित होकर बाइक फिसली चालक गंभीर घायल

कुरारा (हमीरपुर)। कालपी हमीरपुर हाईवे पर झलोखर गांव के सैयद बाबा मजार के पास अनियंत्रित होकर बाइक गिरने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे राहगीरों की मदद से स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। सुमेरपुर थानाक्षेत्र के चंदौखी गांव निवासी नन्द किशोर (25) पुत्र रामऔतार किसी काम से बाइक से कस्बा आ रहा था। जहां कालपी हमीरपुर हाईवे में झलोखर गांव के सैयद बाबा मजार के पास बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। जिसमें सवार नन्द किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक चालक हेलमेट नहीं लगाए था। राहगीरों की मदद से उसे एंबुलेंस से स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। मामले की जांच की जा रही है।

बिना अनुमति के कस्बे में छह लोगों ने पाल रखे है रॉट विलर डॉग

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे में छह लोगों ने प्रतिबंधित रॉट विलर डॉग पाल रखे हैं। परंतु प्रशासन से किसी ने अनुमति नहीं ली है। वहीं किशोर को लहूलुहान करने वाले रॉटविलर के स्वामी के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई है। इससे लोगों में दहशत व्याप्त है। कस्बे के बसपा के नगर अध्यक्ष सागर सम्राट ने प्रतिबंधित रॉट विलर का जोड़ा पाल रखा है। रविवार शाम को कुत्ते ने पड़ोस के बच्चे अंश गौतम (13) को काटकर लहूलुहान कर दिया था। इस घटना से लोगों में दहशत व्याप्त हो गई। घायल किशोर का उपचार चल रहा है। इधर मंगलवार पड़ताल की गई तो सामने आया कि कस्बे में छह लोगों ने इस प्रतिबंधित कुत्ते को पाल रखा है। इस घटना के बाद प्रशासन ने इन प्रतिबंधित कुत्तों को पालने वाले पर अभी तक किसी तरह के कार्रवाई नहीं की है।

प्रशासन ने सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटवाये

क्षेत्र के तकीपुर गांव में राजस्व टीम ने पुलिस की मौजूदगी में की कार्रवाई

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जों को हटाने की कड़ी में सोमवार को क्षेत्र के तकीपुर गांव में अभियान चलाकर कब्जेदारों से बंजर भूमि खाली कराई गई। नायब तहसीलदार की मौजूदगी में चले अभियान में ग्रामीणों को दोबारा अतिक्रमण न करने की कड़ी हिदायत दी गई। इस दौरान भारी पुलिस बल व प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। इसके चलते ग्रामीण विरोध नहीं कर सके।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जों को हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम बिल्हौर संजीव कुमार दीक्षित के आदेश पर सोमवार को क्षेत्र के तकीपुर गांव में राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटवाकर यहां की बंजर भूमि कब्जेदारों से मुक्त कराई। इस दौरान नायब तहसीलदार दिव्या भारती ने अतिक्रमणकारियों को कड़ी हिदायत देकर कहा कि दोबारा कब्जा करने पर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी दी कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक श्री प्रकाश, लेखपाल प्रदीप पांडे, अजय त्रिपाठी व पुलिस प्रशासन के लोग मौजूद रहे।

- **अधिकारियों ने कहा दोबारा कब्जा करने पर होगी कार्रवाई**
- **नायब तहसीलदार की मौजूदगी में चला अभियान**

नेवादा वंशी में राजस्व टीम ने ध्वस्त किया कब्जा

शिवराजपुर। उप जिलाधिकारी बिल्हौर के आदेश पर आज राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। तहसील बिल्हौर के अंतर्गत ग्राम नेवादा वंशी में स्थित सरकारी ऊसर भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को राजस्व टीम ने पूरी तरह ध्वस्त कर भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया। राजस्व निरीक्षक राजेश दुबे की अध्यक्षता में अभियान चलाया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से निर्मित ढांचों को गिरा दिया। प्रशासन की इस सक्रियता से भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारकों में हड़कंप मच गया है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक राजेश दुबे के साथ क्षेत्रीय लेखपाल स्मिता और थाना शिवराजपुर की पुलिस टीम मुस्तैद रही उप जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सरकारी संपत्तियों पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि राजकीय भूमि को सुरक्षित रखा जा सके। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को चेतावनी दी की दोबारा सरकारी भूमि पर कब्जा न करें।

जनता दरबार में दिव्यांग को तत्काल मिली ट्राई साइकिल

हमीरपुर। मंगलवार को जनसुनवाई में लगभग 92 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें से अधिकांश का जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए उन्होंने समस्त एसडीएम, खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल व जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

जनसुनवाई के दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति के घसीटकर जनता दरबार में आने की सूचना मिलते ही डीएम ने अर्दली को व्हीलचेयर लेकर भेजा। सरीला तहसील के गोहांड कस्बा निवासी दिव्यांग मंगल सिंह पुत्र ब्रह्मा ने जनता दरबार में बताया कि वह बीते सोमवार की रात हमीरपुर बस स्टैंड में रुका रहा है। मंगलवार की सुबह वह ट्राई साइकिल की मांग को लेकर जनता दरबार में आ रहा था। डीएम ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए दिव्यांग की मांग का अवलोकन कर तत्काल उसे ट्राई साइकिल उपलब्ध करा दी।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

दुर्घटना के बाद खड़ा डंपर और मौके पर मौजूद पुलिस बल। अमृत विचार

चौबेपुर। क्षेत्र के तातियागंज गांव के निकट हाईवे की सर्विस रोड पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार डंपर ने विपरीत दिशा से आ रही बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई।

शिवराजपुर क्षेत्र के बिलहन गांव निवासी रणजीत (32) पुत्र रघुराज पेशे से ट्रैक्टर चालक था। बताया गया है कि मंगलवार सुबह वह कार्यवश घर से बाइक द्वारा कानपुर जा रहा था। तभी करीब 10:30 बजे क्षेत्र के तातियागंज गांव स्थित आर सी एल फैक्ट्री के समीप हाईवे की सर्विस रोड पर विपरीत दिशा से जाने के दौरान सामने से आ रहे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मार्ग पर गिरा बाइक सवार डंपर के पहिया के नीचे आ गया। हादसा देख डंपर चालक गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और खून से लथपथ पड़े बाइक सवार को उपचार के लिए आनन फानन सी एच सी भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस पूछताछ में लोगों ने बताया कि बाइक सवार गलत दिशा से जा रहा था। थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना करने वाले डंपर को पकड़ लिया गया है।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के पुत्र की दुर्घटना में मौत

बिल्हौर। बिल्हौर क्षेत्र के बिर्रा खानपुर गांव के रहने वाले पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सूरज प्रसाद कटियार के पुत्र विपिन कटियार उर्फ गुड्डू की एक मार्ग दुर्घटना में मौत हो गई।

विपिन कटियार।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सूरज प्रसाद कटियार के पुत्र विपिन कटियार का मार्ग दुर्घटना में निधन हो गया। विपिन का परिवार कैबिनेट मंत्री का रिश्तेदार होने के साथ-साथ उनके पिता सूरज प्रसाद कटियार का भी राजनीतिक रसूख है। वे कानपुर नगर जिला पंचायत अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके निधन के बाद क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर, रवि प्रकाश बाजपेई, जयप्रकाश कटियार, अपना दल एस के बबलू कटियार, अमित श्रीवास्तव, नानामऊ गगन सिंह ठाकुर, अरुण कटियार समेत तमाम लोगों ने विपिन के घर पहुंचकर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और परिजनों को ढांढस बंधाया।

अन्ना सांड़ के हमले से वृद्ध की चली गई जान

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। शुक्रवार शाम वृद्ध पर अन्ना सांड ने हमला कर दिया। जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में वृद्ध को स्थानीय लोगों ने कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई।

कस्बे के थाना चौराहा के पास के निवासी गणेश (78) पुत्र बैजनाथ शुक्रवार की शाम सब्जी मंडी सब्जी खरीदने गये थे। जहां पर अचानक आवारा सांड ने वृद्ध पर पीछे से हमला कर दिया। सांड के हमले से गणेश गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गंभीर हालत में वृद्ध को कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। इससे पहले भी सब्जी मंडी में सांड ने कस्बे के मराठीपुरा निवासी राजकुमार तिवारी पर हमला कर दिया था। जिससे राजकुमार गंभीर घायल हुआ था। जिसका इलाज कानपुर के अस्पताल में चला था। लेकिन इतनी सब घटना होने के बाद भी कस्बे में आवारा सांडों का आतंक बना हुआ हैं। जिससे बीते शुक्रवार की शाम एक आवारा सांड ने वृद्ध की जान ले ली।

बताते चलें कि सरकार अन्ना पशुओं को बंद करने के लिए गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है लेकिन जिम्मेदार अपने गैर जिम्मेदाराना रवैया दिखाते हुए सरकारी धन का बंदरबांट कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि उन्हें मौत की जानकारी अभी हुई है और संबंधित उपनिरीक्षक को भेजा जा रहा है।

अगर परिजन चाहेंगे तो पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बांकि नगर पालिका को भी लिखा जाएगा कि इन्हें बंद करें। नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने परिवार में दो बेटे और तीन बेटियों को रोता बिलखता छोड़ गया है घर में हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

लायर्स एसो. चुनाव : अध्यक्ष समेत 17 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार । बिल्हौर लायर्स एसोसिएशन के वर्ष 2026 के वार्षिक चुनाव की तस्वीर अब पूरी तरह साफ हो गई है। सोमवार को नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद कार्यकारिणी के लगभग सभी पदों पर सहमति बन गई है। एसोसिएशन के कुल 18 पदों में से अध्यक्ष समेत 17 पदों पर एकल नामांकन होने के कारण इन प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना जाना तय है। अब सारा रोमांच केवल महामंत्री पद पर टिक गया है, जहां दो दिग्गजों के बीच सीधी जंग देखने को मिलेगी।

अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित जर्नादन यादव का स्वागत करते समर्थक।

चुनाव प्रक्रिया में इस बार आपसी सामंजस्य का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता जनार्दन सिंह यादव ने एकमात्र नामांकन दाखिल किया था, जिसके चलते उनके नाम पर निर्विरोध मुहर लग गई है।

> लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए केवल महामंत्री पद के लिए मतदान कराया जाएगा। बाकी 17 पदों पर एकल नामांकन होने से परिणाम स्पष्ट हैं, जिनकी आधिकारिक घोषणा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने पर की जाएगी। **-आनंद शर्मा (एल्डर्स कमेटी)**

उनके अलावा कार्यकारिणी के 16 अन्य पदों पर भी कोई दूसरा प्रतिद्वंद्वी सामने नहीं आया, जिससे पूरी टीम का निर्विरोध चुना जाना सुनिश्चित हो गया है।

महामंत्री पद पर फंसा पेच : एसोसिएशन में केवल महामंत्री का पद ऐसा रहा जहां सहमति नहीं बन सकी। इस पद के लिए एडवोकेट कुशल पांडेय और एडवोकेट विशाल सैनी ने अपनी दावेदारी मजबूती से पेश की है। एल्डर्स कमेटी के प्रयासों के बावजूद दोनों प्रत्याशियों के बीच समझौते की स्थिति नहीं बनी। अब महामंत्री के भाग्य का फैसला मतदान के जरिए होगा।

चुनाव कार्यक्रम और घोषणा: एल्डर्स कमेटी के सदस्य आनंद शर्मा और प्रशांत त्रिवेदी ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि चुनाव की शुचिता बनाए रखने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। 17 फरवरी सुबह से दोपहर तक निर्धारित समय तक मतदान होगा। उसके बाद उसी दिन मतगणना होगी और बाद में परिणाम घोषित किया जायेगा।

मधुमक्खियों के हमले से वृद्ध की थमीं सांसें

कुरारा (हमीरपुर)। मंगलपुर गांव निवासी घसीटा (90) पुत्र छोटा गोकुल का डेरा गांव से भंडारा खाकर अपने गांव वापस लौट रहा था। तभी शाम करीब 5:30 बजे मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। सीएचसी लेकर गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पौने सात किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

कानपुर देहात। थाना राजपुर की पुलिस ने गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 6 किलो 700 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक इसकी अनुमानित कीमत लगभग दो लाख 75,000 है। पकड़े गए युवक ने अपना नाम विपिन उर्फ साजन उर्फ चंद्रशेखर पुत्र दुलीचंद निवासी ग्राम कर्रही, गुलाबी बिल्डिंग के सामने, थाना बर्रा जनपद कानपुर नगर बताया। तलाशी में विपिन के पास से एक प्लास्टिक की बोरी में अवैध गांजा मिला।

आज जिले के भ्रमण पर रहेंगे प्रभारी मंत्री

कानपुर देहात। प्रदेश सरकार में मत्स्य विभाग के मंत्री और जिले के प्रभारी डॉ. संजय कुमार निषाद बुधवार को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। सुबह 10 :30 बजे निरीक्षण भवन माती कानपुर देहात में आगमन होगा। इसके पश्चात 11 बजे भारत के केंद्रीय बजट के संबंध में प्रेस वार्ता करेंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री द्वारा जनपद के किसी भी तहसील एवं दो पुलिस थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा।

पति के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट

शिवली। मंगलवार की दोपहर कोतवाली क्षेत्र के नाला प्रतापपुर औगी गांव में शराबी पति ने गाली गलौज कर पत्नी की पिटाई की। घायल पत्नी ने पति के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस में घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवली कोतवाली क्षेत्र के नाला प्रतापपुर औगी गांव निवासिनी पूनम पत्नी अभय प्रताप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मंगलवार की दोपहर उसके पति ने शराब के नशे में गाली गलौज करते हुए उसकी पिटाई कर दी है। मैथा चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर की गई है।

आधा दर्जन ट्रकों का किया गया चालान

रसूलाबाद। सीओ ने आजाद चौक के निकट गलत ढंग से खड़े ऑटो, बस, ई रिक्शा के चालकों को हिदायत देते हुए अवैध पार्किंग की धाराओं में चालान किया। इसके साथ ही त्रुटिपूर्ण नंबर प्लेट के चलते करीब 6 ट्रकों का ई-चालान किया गया। रसूलाबाद सीओ आलोक कुमार चौधरी ने कस्बा इंचार्ज प्रमोद दीक्षित व पुलिस टीम के साथ आजाद चौक में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया और बीच सड़क में अवैध ढंग से खड़े ई रिक्शा चालकों को खदेड़ा व करीब छह वाहनों को अवैध पार्किंग के अपराध के संबंध में ई-चालान किए गए। डिप्टी एसपी आलोक कुमार चौधरी ने बताया कि अवैध पार्किंग व ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

लापता छात्र का नहीं लगा सुराग

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के पुलंदर गांव निवासी रामदेव का 16 वर्षीय पुत्र नागेंद्र 27 नवंबर 2025 को घर से निकल गया था। काफी समय तक वापस ना आने पर परेशान परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कर्म योगी इंटर कॉलेज चांदपुर में वह कक्षा 11 का छात्र है। उसके बारे में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी न मिलने से परिजनों में आशंकाओं ने घर करना शुरू कर दिया है।

जिले में शुरू होगा जनगणना का पहल चरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- डीएम ने कहा, जनगणना कार्य में न हो कोई लापरवाही

जनगणना समन्वय समिति के साथ बैठक करते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचारः जनपद में जनगणना की उल्टी गिनती प्रारंभ हुई है। मंगलवार को जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की पहली बैठक हुई। इसमें डीएम कपिल सिंह ने जनगणना कार्यों को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से संपादित किए जाने के निर्देश जारी किए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसके आधार पर शासन की विभिन्न योजनाओं, संसाधनों के आवंटन एवं विकास कार्यों की रूपरेखा तय की जाती है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, फील्ड स्तर पर कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय से आयोजित कर सभी गणनाकर्मियों को नवीन दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं से भली-भांति अवगत कराया जाए। बैठक में डाटा संग्रहण की पारदर्शिता, सटीकता एवं गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना से संबंधित किसी भी प्रकार की त्रुटि या गलत प्रविष्टि से बचने हेतु सतत निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही, जनसहभागिता बढ़ाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आमजन को जनगणना के महत्व से अवगत कराने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि जनगणना दो चरणों में संपादित की जाएगी। प्रथम चरण में हाउस होल्ड (गृह-आधारित) गणना की जाएगी, जिसमें आवासीय संरचनाओं, परिवारों तथा मूलभूत सुविधाओं से संबंधित विवरण संकलित किया जाएगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विवरण निर्धारित प्रारूप पर दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों चरणों के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है तथा कार्मिकों की तैनाती, प्रशिक्षण एवं लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं पर कार्य प्रगति पर है। बैठक में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि क्षेत्रवार माइक्रो-प्लान तैयार कार्य विभाजन सुनिश्चित करें तथा शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य संपादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कई अधिकारी मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया में एक लाख 33 हजार को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार। वोटर लिस्टों के संबन्ध में नोटिस निर्गत किए जाने एवं उनकी सुनवाई से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान करने हेतु मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम ने बैठक की। इसमें जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत नवीन दिशा-निर्देशों से राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखते हुए आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किए जाने पर विशेष बल दिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आपत्ति 6 फरवरी तक

कानपुर देहात। एडीएम अमित कुमार ने बताया कि समस्त विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के अंतर्गत 6 फरवरी तक पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने, स्थानांतरण अथवा विलोपन हेतु दावे एवं आपत्तियां ली जाएंगी।

इस अवसर पर दावे एवं आपत्तियों की सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सहभागी बनाया जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि बीते दिवस तक कुल 22,324 फार्म-6, 519 फार्म-7 एवं 3,587 फार्म-8 प्राप्त हुए हैं।

मासूम से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

अक्टूबर 2024 की घटना, एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः अरौल क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली मासूम को रुपए देने का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले की सुनवाई करते हुए पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी युवक को दोष सिद्ध करते हुए उसे पूर्ण जीवनकाल के कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उसपर एक लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने बताया कि अरौल क्षेत्र के गांव निवासी दंपत्ति 13 अक्टूबर 2024 को अपने बच्चों के साथ गांव में लगा मेला देखने गए थे। मेला घूमते हुए देर शाम होने पर उनकी आठ वर्षीय पुत्री को नींद आने लगी तो वह घर सोने चली गई। पति-पत्नी मेला देखकर घर पहुंचे तो पुत्री को घर पर न पाकर उसकी तलाश शुरू कर दी इसी बीच मासूम पुत्री रोते हुए घर पहुंची और बताया कि गांव का ही युवक उसे बीस रुपए देने का लालच देकर अपने घर ले गया और उसके कपड़े उतारकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके साथ ही उसके खिलाफ आरोपपत्र अदालत में दाखिल कर दिए। मामले की सुनवाई अपर जिला जज 13 /पॉक्सो एक्ट शरद कुमार त्रिपाठी की अदालत में चल रही थी। मंगलवार को अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे पूर्ण जीवनकाल के कैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही उसपर एक लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

एक साल 29 दिन में आया फैसला

विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने बताया कि मामले में घटना की रिपोर्ट 13 अक्टूबर 2024 को दर्ज होने के बाद मामले में पुलिस ने विवेचना करते हुए 30 नवंबर 2024 को आरोपपत्र अदालत में पेश किए थे। इसके बाद कोर्ट ने 3 जनवरी 2025 को आरोपी पर आरोप तय कर विचारण शुरू कर दिया था। अभियोजन की लगातार पैरवी पर बारह गवाहों को अदालत में पेश कर उनके बयान दर्ज कराए गए। मामले में अभियोजन की मजबूत पैरवी से एक वर्ष 29 दिन में अदालत का फैसला आया।

डीएम ने की जनसुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जुड़े अधिकारी

कानपुर देहात। मंगलवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। प्रकरणों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर प्राप्त किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए।

ई-आरपी आधारित कॉमन साफ्टवेयर से जोड़कर बनाया जाएगा ई-पैक्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- कलेक्ट्रेट सभागार में हुई डीएलआईएमआईसी की बैठक

अमृत विचारः सहकारिता विभाग द्वारा मंगलवार को मां मुक्तेश्वरी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय कार्यान्वयन एवं निगरानी समिति (डीएलआईएमआईसी) की बैठक हुई। इसमें प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटरीकरण से संबंधित परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कम्प्यूटरीकरण भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित एक केंद्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य सभी कार्यशील पैक्स को ईआरपी आधारित कॉमन सॉफ्टवेयर से जोड़कर उन्हें पूर्णतः डिजिटल (ई पैक्स) बनाना तथा नाबार्ड के माध्यम से जिला सहकारी बैंक एवं राज्य सहकारी बैंक से लिंक करना है।

डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि इससे समितियों के कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी, साथ ही किसानों को ऑनलाइन सेवाएं एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। बैठक के दौरान प्रथम एवं द्वितीय चरण के अंतर्गत डायनेमिक डे एंड की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान दैनिक लेन-देन, खातों की क्लोजिंग तथा रिपोर्टिंग प्रक्रिया के संचालन की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष समाप्ति से संबंधित ईयर एंड प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई, जिसमें लेखांकन, बैलेंस शीट तैयार करने, ऑडिट एवं रिपोर्टिंग की प्रगति तथा सामने आ रही चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। ई पैक्स परियोजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रथम चरण में चयनित 11 समितियों में से 6 समितियों को सफलतापूर्वक ई पैक्स के रूप में विकसित किया जा चुका है, जहां समितियों का संचालन पूर्णतः कंप्यूटरीकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जा रहा है तथा उन्हें नाबार्ड से भी लिंक किया जा चुका है।

तृतीय चरण के ग्राउंड सर्वे रिपोर्ट की समीक्षा की

इसी प्रकार द्वितीय चरण में चयनित 22 समितियों में से 16 समितियों को ई पैक्स के रूप में विकसित किया जा चुका है। शेष समितियों में कार्य प्रगति पर है। बैठक में तृतीय चरण के अंतर्गत प्रस्तावित समितियों के ग्राउंड सर्वे रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। इसमें फील्ड सर्वे, आवश्यकता मूल्यांकन, हार्डवेयर, इंटरनेट कनेक्टिविटी, विद्युत व्यवस्था सहित आवश्यक आधारभूत संरचनाओं की उपलब्धता तथा कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बीएसएनएल के प्रतिनिधि, सहकारिता विभाग के अधिकारी, जिला सहकारी बैंक के अधिकारी व प्रतिनिधि शामिल रहे, ने परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही शेष समितियों को शीघ्र कम्प्यूटरीकृत करने, तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ बनाने, कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा कनेक्टिविटी, डेटा माइग्रेशन जैसी संभावित बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने पर बल दिया गया।

गौशाला की अव्यवस्थाओं को लेकर लगाया जाम

कानपुर देहात। धर्मपुर गौशाला में अव्यवस्थाओं का आरोप लगाकर मंगलवार को बंजरगदल व विहिप के कार्यकर्ता सचिव के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। कार्रवाई न किए जाने से नाराज कार्यकर्ताओं ने ब्लाक परिसर से उठकर सिंकदरा झींझक मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर थानाध्यक्ष मंगलपुर ने पहुंच कर कार्यकर्ताओं को मार्ग से हटा दिया। आरोप है कि गौशाला में साढ़े तीन सौ गोवंश संरक्षित है लेकिन गौवंशों को हरा चारा व चूनी, चोकर नही दिया जा रहा है। कार्यकर्ता सचिव के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे थे। बीडीओ ने जांच कर कार्रवाई की बात कही तो कार्यकर्ताओं ने तीन बजे सिंकदरा झींझक मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पाते ही थानाध्यक्ष मंगलपुर महेश दुबे ने पहुंच कर कुछ देर बाद जाम खुलवा दिया।

मुआयने में चौकस मिलीं गौशाला की व्यवस्थाएं

कानपुर देहात। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुबोध कुमार द्वारा बीते दिवस रसूलाबाद क्षेत्र की अस्थायी गौशाला, असालतगंज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय मौके पर 325 गोवंश संरक्षित पाए गए। गौशाला में लगभग 400 क्विंटल भूसा एवं आठ क्विंटल पशु आहार उपलब्ध पाया गया। निरीक्षण के समय चारही में हरे चारे के डंठल पाए गए। उपस्थित केयर-टेकर को हरा चारा काट कर भूसे के साथ मिलाकर खिलाए जाने के निर्देश दिए।

मंगलपुर-संदलपुर मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त, परेशान हो रहे वाहन चालक

संवाददाता, मंगलपुर

अभी इस हाल में है सड़क। अमृत विचार

अमृत विचारः मंगलपुर संदलपुर मुख्य मार्ग कई जगह उखड़ गई है। इससे राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इलाकाई लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सरकार सड़कों को दुरुस्त करने के लिए अधीनस्थों को दिशा निर्देश दे रही है लेकिन उसके बाद में मुख्य सड़के भी दुर्दशा का शिकार है। ऐसे ही सिकंदरा बिल्हौर मार्ग पर मंगलपुर से संदलपुर के बीच मुख्य मार्ग है जो कई जगह उखड़ गया है। डबल लेन की मुख्य सड़क होने से इस मार्ग पर पूरे दिन छोटे बड़े वाहन फर्राटा भरते हैं जिसमें जगह-जगह सड़क उखड़ जाने से छोटे और बड़े वाहन के चालकों को परेशानिया हो रही है।

यह मुख्य मार्ग है इसके बावजूद भी कई जगह सड़क उखड़ी पड़ी है जबकि डबल लेन की सड़क है इसमें पूरे दिन वाहन फर्राटा भर रहे हैं। सड़क खराब होने से हादसा होने का भी खतरा बना हुआ है। इलाकाई लोगों ने बताया कि यह मुख्य मार्ग है यह सड़क कई जगह उखड़ गई है जिससे सभी को परेशानियां होती है। उन्होंने शीघ्र ही सड़क की मरम्मत करवाए जाने की मांग की है।

लखनऊ से आई एग्जामिनर ने आरपीएस कॉलेज में ली परीक्षा

संवाददाता, रसूलाबाद

प्रयोगात्मक परीक्षा देतीं छात्राएं।

अमृत विचारः इंटरमीडिएट की हो रही प्रयोगात्मक परीक्षाओं के तहत मंगलवार को कस्बे के आरपीएस इंटर कॉलेज में रसायन विज्ञान की परीक्षाएं हुई। इसमें लखनऊ के क्वींस कॉलेज की आईं परीक्षिका ज्योति गुप्ता ने परीक्षार्थियों की परीक्षाएं ली। परीक्षाएं दो-तीन दिन तक चलेगी। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाचार्य डीपी शुक्ला ने बताया कि विद्यालय में इंटरमीडिएट के कुल 213 छात्र छात्राएं हैं जिन्हें रसायन विज्ञान की परीक्षा देनी है। क्वींस कॉलेज लखनऊ से आई रसायन विज्ञान की परिक्षिका ज्योति गुप्ता ने छात्र-छात्राओं से मंगलवार से परीक्षा लेना प्रारंभ किया है।

इसमें मौखिक लिखित व प्रयोगात्मक परीक्षाएं ली जा रही हैं। प्रति छात्र मौखिक प्रश्न पूछ कर उसका भी अंकन किया जा रहा है। छात्र छात्राओं की संख्या को देखते हुए परीक्षाएं दो-तीन दिन तक चलेंगी। इस अवसर पर शिक्षक रसायन विज्ञान शिक्षक अमित कुमार व अजय तिवारी, जेसी वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

सत्य की राह पर अडिग रहने वालों का ही होता गुणगान

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः सत्य का पथ अत्यंत दुरुह है जिस पर कोई बिरले ही खरे उतरते हैं और जो सत्य पथ पर अडिग रहते हैं उनका नाम युगों युगों तक राजा हरिश्चंद्र की तरह सदैव याद किया जाता है। सत्य की प्रतिष्ठा के लिए आज भी लोग उनके नाम का उदाहरण देते हैं।

यह बात बारापुर स्थित जखई बाबा देव स्थान परिसर में नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा कहते आचार्य सोनू शास्त्री ने हरिश्चंद्र कथा प्रसंग के दौरान श्रोताओं को बताई। कथावाचक ने बताया की हरिश्चंद्र के सत्य निष्ठ रहने की बढ़ती यश कीर्ति को लेकर इंद्र ने भयभीत होकर विश्वामित्र ऋषि को उनकी परीक्षा लेने हेतु भेजा। विश्वामित्र ने उनके यहां जाकर उनका आतिथ्य स्वीकार किया और दक्षिण के समय राजा के द्वारा दक्षिणा मांग लेने की बात कहने पर उन्होंने उनका सारा राज पाट मांग लिया । फिर उन्हें राज्य से निकाल दिया। तब वह अपनी पत्नी तारा और पुत्र रोहिताश्व के साथ इधर-उधर भटकने लगे। संयोग से विपन्न अवस्था के दौरान उनकी पत्नी को दासी के रूप में बिकना पड़ा और वह स्वयं एक चांडाल के यहां मरघट पर कर वसूलने वाले पहरेदार के रूप में नौकरी करने लगे। परीक्षा के दौरान ही विश्वामित्र ने उनके पुत्र को सर्प से डसवा दिया। जिसे लेकर उनकी पत्नी तारा जब काशी के श्मशान घाट पर गई तो शव दाह के पूर्व लिए जाने वाला कर हरिश्चंद्र ने उनसे मांगा किंतु कर देने में असमर्थ तारा ने अपनी फटी धोती का ही आधा भाग कर के रूप में देने के लिए फाड़ने लगी । इतनी कठोर परीक्षा में भी सत्य से न डिगने पर विश्वामित्र प्रकट हुए और उन्होंने हरिश्चंद्र को उनका राजपाट लौटा दिया एवं उनके सत्य निष्ठा की प्रशंसा की।

संवाद

नियमित चेकअप से रुक सकता कैंसर, महिलाएं 40 वर्ष की आयु के बाद स्तन कैंसर के लिए वार्षिक मैमोग्राफी, तीन साल में पैप स्मीयर परीक्षण कराएं

लाइफ स्टाइल में बदलाव और एक्सरसाइज ही कैंसर से बचाव : डॉ अर्जुन

विश्व कैंसर दिवस आज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बातचीत करते कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन अग्रवाल। अमृत विचार

अमृत विचार : लाइफ स्टाइल में बदलाव और रेगुलर एक्सरसाइज करने से कैंसर से बचाव किया जा सकता है। खानपान बेहतर रखने के साथ रेगुलर एक्सरसाइज करने से शरीर में अच्छे हार्मोंस पैदा होते हैं, जो कैंसर सेल को शरीर में एक्टिव होने से रोकने का कार्य करते हैं। 40 वर्ष की आयु के बाद सभी महिलाओं को स्तन कैंसर के लिए वार्षिक मैमोग्राफी और हर तीन साल में पैप स्मीयर परीक्षण कराना चाहिए। प्रत्येक पुरुष को प्रोस्टेट कैंसर के लिए हर तीन साल में सीरम पीएसए परीक्षण कराना चाहिए, ताकि यह मालूम हो सके कि शरीर के किसी हिस्से में कैंसर के सेल तो एक्टिव नहीं हो रहे हैं। यह कहना है कि रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक एवं एमसीएच (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. अर्जुन अग्रवाल का। अमृत विचार से हुई बातचीत में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि 70 प्रतिशत कैंसर का इलाज लाइफ स्टाइल में बदलाव और बेहतर डॉक्टर की सलाह से ली जा रही दवाइयों से संभव है। वह कहते हैं कि कैंसर सेल कहीं बाहर से शरीर में प्रवेश नहीं करते हैं। ये हमारे शरीर के अंदर ही होते हैं, जो हमारे बिगड़े खानपान, तंबाकू और बीड़ी-सिगरेट और कई अन्य कारणों से शरीर में एक्टिव हो जाते हैं। कैंसर का एक सेल दो, चार फिर 16 होते ही तेज गति से शरीर में फैलने लगते हैं।

डॉ. अर्जुन का कहना है कि शरीर में कैंसर के जो एक्टिव सेल हैं उन्हें खत्म करने के लिए समय पर इलाज जरूरी है। प्रथम और सेकेंड स्टेज में कैंसर को 90 या 100 प्रतिशत तक ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि थर्ड और फोर्थ स्टेज में कैंसर पहुंच गया तो रोगी को ठीक होने में काफी समय लग सकता है। कैंसर विशेषज्ञ का कहना है कि 90 प्रतिशत कैंसर का लाइफ स्टाइल से संबंध है। हैबिट्स, तंबाकू व बीड़ी से कैंसर का खतरा ज्यादा रहता है। मुंह का कैंसर कॉमन है। ज्यादातर लोगों में तंबाकू ही कैंसर की वजह बनता है। यूपी में इसका प्रभाव सबसे ज्यादा है।

दूसरी वजह स्मोकिंग में बीड़ी व सिगरेट है। आजकल इसका प्रचलन ज्यादा है, इससे मुंह का कैंसर, गले का कैंसर, बड़ी आंत का कैंसर, बच्चेदानी में कैंसर, खाने की नली का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना ज्यादा रहती है। तीसरा कारण डाइट है, हम लोगों को शुद्ध खाना खाने को नहीं मिल पाता है, पेस्टीसाइड, रसायन युक्त चीजें ज्यादा हैं। बोतल बंद पानी के दौरान माइक्रो प्लास्टिक हमारे अंदर चले जाते हैं, पर्यावरण प्रदूषण भी कैंसर का कारण बनता है। चौथा मोटापा है लेकिन एक्सरसाइज से कुछ अच्छे हार्मोंस जन्म लेते हैं, जो कैंसर सेल को पनपने से रोकते हैं।

कैंसर के इलाज में 100 साल में काफी कुछ हुआ बदलाव

कैंसर के इलाज पर फोकस करते हुए डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि अब कैंसर को आधुनिक इलाज से मात दी जा रही है। कैंसर के इलाज में 100 साल में काफी कुछ बदलाव हुआ है। पहले के समय में एक मेजर सर्जरी होती थी, अब रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी आने के बाद कैंसर को हराना और आसान हो गया है। इम्यूनोथेरेपी भी इसमें शामिल है। यह ऐसा ट्रीटमेंट है, शरीर के जिस हिस्से में कैंसर पनपता है, उसी हिस्से की निगरानी कर वहीं पर कैंसर के सेल्स को खत्म करने का प्रयास किया जाता है। इम्यूनोथेरेपी आधुनिक कैंसर उपचार है, जो शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्मून सिस्टम) को कैंसर कोशिकाओं की पहचान करने और उन्हें नष्ट करने के लिए सशक्त बनाता है।

ये हैं कैंसर के लक्षण

डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि कैंसर होने के कई लक्षण हैं। पहला लक्षण वेट लॉस है। किसी पुरुष या महिला में छह से 12 महीने में पांच प्रतिशत या उससे अधिक वेट लॉस होता है तो यह कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। दूसरा लक्षण लगातार थकान होना है। तीसरा लक्षण मुंह, नाक, थूक, बच्चेदानी, लैट्रिंग के रास्ते खून आना है। चौथा लक्षण पीलिया और पांचवां लक्षण शरीर में किसी भी जगह पानी एकत्र होना है।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

अधिवक्ता के कार्यालय में घुसकर धमकाया

कल्याणपुर। पनकी के इस्पात नगर पार्ट दो निवासी विजय प्रताप सिंह पेशे से अधिवक्ता है। विजय के मुताबिक गत 31 जनवरी की रात जमुई गांव निवासी अंकित तिवारी उनके कार्यालय पहुंचा, जहां उसने कर्मचारियों के साथ गाली गलौज करते हए मारपीट की। घटना के समय वह कार्यालय में मौजूद नहीं थे। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांगजन ऋण के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

कानपुर। दिव्यांगजनों को आत्म निर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा ऋण व अनुदान देने की योजना बनाई गई है, ऐसी योजना का लाभ लेने के लिए दिव्यांगजन ऑनलाइन आवेदन शुरू किया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने बताया कि दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन आवेदन कर सकते हैं, जिनके नाम से कम से कम 110 वर्ग फीट की स्वयं की भूमि उपलब्ध हो और जहां दुकान का निर्माण संभव हो। योजना के तहत कुल 20 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी, जिसमें 15 हजार रुपये चार प्रतिशत साधारण ब्याज पर ऋण और 5 हजार रुपये अनुदान के रूप में शामिल हैं। यह धनराशि दो किश्तों में दी जाएगी। इच्छुक दिव्यांगजन विभाग की वेबसाइट divyangjandukan.upsdc.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

जमानत सत्यापन के नाम पर रुपये मांगने का आरोप

कल्याणपुर। पनकी में तैनात दरोगा पर एक युवक ने जमानत सत्यापन के नाम पर रुपये मांगने का आरोप लगा एडीसीपी वेस्ट से शिकायत की है। सुंदरनगर निवासी निशांत सिंह के अनुसार कुछ समय पहले उनके विरुद्ध एक मुकदमा दर्ज हुआ था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने न्यायालय में अपील की थी। बीती आठ जनवरी को न्यायालय ने जमानतगीर पवन कुमार शर्मा व सौरभ सिंह राठौड़ के अभिलेख जमा कराकर उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। न्यायालय से अभिलेख सत्यापन के लिए थाना पनकी भेजे गए। आरोप है कि पनकी मंदिर चौकी में तैनात एक दारोगा ने पहले जमानती के घर जाकर सत्यापन के बाद अवैध धनराशि की मांग की। इसके बाद दूसरे जमानती को चौकी बुलाया। वह भी जमानती के साथ में चौकी पहुंचे, जहां सत्यापन के नाम पर उनसे भी धनराशि मांगी गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष का नाम ही मतदाता सूची से नदारद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने किया बीएलओ से संपर्क
- उनकी माता जी का नाम भी मतदाता सूची में नहीं है

अमृत विचार। कानपुर नगर ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला का नाम भी एसआईआर के बाद मतदाता सूची से नदारद हो गया है। जिलाध्यक्ष को जब इसकी जानकारी हुई तो मंगलवार को उन्होंने बीएलओ से संपर्क साधा। जिलाध्यक्ष अपना और अपनी माता जी का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए परेशान रहे।

हरजेंद्र नगर मकान नंबर 342 निवासी जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को जब उन्होंने इस संबंध में जानकारी ली तो पता चला कि उनका और उनके माता का नाम की मैपिंग नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि उन्हें हरजिंदर नगर कालेज में बूथ पर आने के लिए कहा गया। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल की मार्कशीट व फोटो आदि अन्य प्रमाण दे आए हैं।

कानपुर नगर ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने बताया कि सैकड़ों लोग अपना नाम जुड़वाने के लिए हरजेंदर नगर कालेज में परेशान घूम रहे हैं। किसी का नाम जुड़ने में कुछ कमी है तो किसी के नाम में कुछ दिक्कत है। उनका आरोप है कि इस प्रकार हजारों लोगों के नाम में कुछ अड़ंगा लगाया है जो अपना नाम मतदाता सूची में अंकित कराने के लिए परेशान हैं।

सुबह छाया अंधेरा, घुमड़कर बरसे काले बदरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में मंगलवार सुबह हल्के कोहरे के बाद आसमान पर छाए बादलों के बीच अचानक मौसम बदल गया। तेज हवाओं के साथ उमड़ते-घुमड़ते आए घने बादलों के कारण नौ बजे के आसपास अंधेरा छा गया और बारिश शुरू हो गई। जिससे सड़कों पर वाहन सवारों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। मौसम के इस बदले रुख ने ठंड और गलन का एहसास बढ़ा दिया। करीब आधा घंटा से ज्यादा समय हुई बारिश ने पूरे शहर को सराबोर कर दिया। इसके चलते सड़कों पर सन्नाटा पसर गया और जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कल्याणपुर से लेकर जाजमऊ तक तेज हवाओं के साथ बारिश दर्ज की गई। मौसम के इस अचानक बदलाव के कारण दफ्तर जाने के लिए निकले लोगों और स्कूली बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुबह 9 बजे वाहनों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। अमृत विचार

- तेज हवाओं के साथ आधे घंटे की बारिश ने किया पूरे शहर को सराबोर
- वाहन सवारों को हेडलाइट जलानी पड़ी, सड़कों पर छा गया सन्नाटा

टूटी सड़कों पर चलना दुश्वार खोदाई से नारकीय हालात: सुबह हुई बारिश से ब्रह्म नगर, ईदगाह, काकादेव, बाबूपुरवा कालोनी, रावतपुर समेत करीब एक दर्जन इलाकों में सड़क किनारे फुटपाथ पर जलभराव और कीचड़ हो गया। टूटी सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया। सड़कें खुदी होने के कारण कई दो पहिया सवार रपटकर गिर गए।

गेहूं, सरसों और मटर की फसल को पहुंचा नुकसान

- मौसम के बदले रुख ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दीं। इस समय खेतों में गेहूं की फसल तैयार हो रही है और सरसों की कटाई का समय है। ऐसे में तेज आंधी के साथ हुई बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान पहुंचाया। मटर की फसल खराब हो गई। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम को देखते हुए सिंचाई करना रोक दें और कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

टैरिफ की बेड़ियां टूटीं, 1500 करोड़ रुपये के निर्यात को मिली संजीवनी

लेदर, टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट में लौटी रौनक, चमकेगा 'मेड इन इंडिया' सितारा

गुड न्यूज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिकी टैरिफ जो बीते वर्ष 2025 में बढ़कर 50 फीसदी तक हो गया था, के घटकर 18 फीसदी होने से शहर के चमड़ा, टेक्सटाइल और हैंडीक्राफ्ट उद्योग को बड़ी राहत मिली है। इससे शहर से अमेरिका को होने वाले लगभग 1,500 करोड़ के रुके हुए निर्यात में तेजी, कारोबारियों के प्राफिट मार्जिन में सुधार और रुके हुए ऑर्डर जल्दी ही फिर से शुरू होने की उम्मीद बलवती हो गई है। इस बीच बदली परिस्थितियों में यूरोपीय यूनियन समेत कुछ अन्य देशों के साथ हुए ट्रेड करार के चलते पिछले साल के मुकाबले इस साल शहर से निर्यात में 60 फीसदी से ज्यादा वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ से शहर के उद्योग जगत को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। निर्यातकों का तैयार माल गोदामों में फंस गया था। तमाम बड़े ऑर्डर रद्द कर दिए गए थे। सप्लाई चेन टूट गई थी, उत्पादन पाइप लाइन में फंस गया था। लेकिन अब टैरिफ घटकर 18 फीसदी होने से चमड़ा और वस्त्र उद्योग के साथ हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र में मांग फिर तेजी से बढ़ेगी। न केवल पुराने ऑर्डर वापस आएंगे, बल्कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील फाइनल होने पर ऑर्डरों की संख्या भी तेजी से बढ़ेगी। अमेरिकी बाजार में मेड इन इंडिया उत्पादों की धमक और प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी।

- कारोबार में मंदी के बादल छंटे, अब अमेरिका के साथ यूरोपीय देशों से ऑर्डर में भारी उछाल की उम्मीद

10 हजार करोड़ का शहर से है कुल निर्यात

65 सौ करोड़ का लेदर सेक्टर से होता निर्यात

25 सौ करोड़ से ज्यादा का अमेरिका को निर्यात

1,500 करोड़ रुपये के अटके ऑर्डर पटरी पर आएंगे।

80% लेदर का कारोबार हुआ था प्रभावित

60% इस साल निर्यात में आ सकती उछाल

"अमेरिका द्वारा टैरिफ घटाने का निर्णय बहुत ही सराहनीय है। इससे निर्यातकों को लाभ होगा। अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है। हमारे यहां से बड़े पैमाने पर चर्म उत्पाद और अन्य उत्पादों का निर्यात होता है। एफटीए भी जल्द हो जाए तो अच्छा रहेगा।

– सुनील वैश्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आईआईए"

"यूरोपियन यूनियन से हुए एफटीए के बाद अमेरिका को लगा कि अब उसकी मनमानी नहीं चलने वाली है। इसलिए तत्काल 50 फीसद टैरिफ को घटाकर 18 फीसद कर दिया गया। यह फैसला बहुत ही अच्छा है। भारतीय निर्यातकों को अब इसका लाभ मिलने लगेगा।

– अतुल सेठ, वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष पीआईए"

"अमेरिका की ओर से मिली टैरिफ छूट निर्यातकों के लिए संजीवनी साबित होगी। फिलहाल यह खबर आते ही सबसे पहले रुके हुए ऑर्डर पर दोबारा काम शुरू हो गया है। उम्मीद की जा रही है की बीते छह माह से टूटी अमेरिका की मार्केट को शहर के निर्यातक जल्द कवर कर लेंगे।

– आलोक श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन।"

बंदी जैसी हालत से जूझ रही टेनरियों और फैक्ट्रियों में जल्द लौटेगी बहार : साल 2025 में टैरिफ के कारण टेनरियों और लेदर उत्पाद बनाने वाली इकाईयों में उत्पादन काफी कम हो गया था। कहीं मजदूरों और कारीगरों की छंटनी करनी पड़ी थी, तो कही हफ्ते में सिर्फ चार-पांच दिन ही काम लिया जा रहा था। अब आर्डर रिलीज होने, नए आर्डर फाइनल होने से हालात सुधरने से रोजगार के अवसर फिर से बढ़ेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि अमेरिकी खरीदार जल्दी ही नए ऑर्डर देंगे, जिससे बंदी की हालत में पड़ी या आधी क्षमता पर चल रही टेनरियां और लेदर प्रोडक्ट फैक्ट्रियां फिर से पूरी क्षमता से काम कर सकेंगी। करीब दो लाख कारीगरों और श्रमिकों की नौकरियों पर जो खतरा मंडरा रहा था, वह टल जाएगा।

आज और कल सोटे बाबा मंदिर से रूट डायवर्जन

कानपुर। शहर में चल रहे सीएम ग्रिड योजना के तहत सोटे बाबा मंदिर से दीप तिराहा तक सड़क चौड़ीकरण के लिए ट्रैफिक पुलिस ने 4 और 5 फरवरी को रूट डायवर्जन किया है।

नगर निगम के जोन तीन में किदवई नगर स्थित संजय वन के पास सोटे बाबा मंदिर से दीप तिराहा तक वाहनों के आवागमन पर रोक रहेगी। वाहनों की रोकथाम के लिए डायवर्जन पिकेट पर ट्रैफिक पुलिस की पिकेट मौजूद रहेगी।

- दीप तिराहा से गौशाला चौराहा की ओर जाने वाले वाहन किदवई थाना चौराहा से दाहिने या वायें मुड़कर अपने गंतव्य को जाएंगे।
- सोटे बाबा मंदिर की ओर से आने वाले वाहन दीप तिराहा की ओर नहीं जाएंगे बल्कि गौशाला से ही दाहिने मुड़कर बारादेवी या फिर गौशाला से होकर अपने गंतव्य को जाएंगे।

चार दिन बाद फिर भाव चढ़े सोने और चांदी के

विशेष संवाददाता, कानपुर

- 24 घंटे में पीली धातु के दाम कोई नौ हजार और सफेद धातु के 32 हजार रुपये बढ़ गए

अमृत विचार। चार दिन से बेहद तेज गति से नीचे जा रहे सोने और चांदी के भाव ने फिर एक बार ऊंची छलांग लगाई। मंगलवार को कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,59,500 का 10 ग्राम और चांदी 2,82,500 रुपये किलो रही।

चार दिन पहले 29 जनवरी को सोना 1,82,000 और चांदी 3,50,000 रुपये पर पहुंच गई थी, जो भाव की ऊंचाई का बिल्कुल नया रिकार्ड था। इसके पीछे ट्रेड वॉर, टैरिफ अनिश्चितता और सटोरियों का खेल बताया जा रहा था। इसके बाद दाम तेजी से गिरने लगे। बीते सोमवार को सोना 1,50,500 और चांदी 2,50,000 पर आ गई जो भाव की ऐतिहासिक गिरावट थी। निवेशकों को तगड़ा नुकसान हुआ। आम बजट भारत पर अमेरिकी टैरिफ घट कर 18% होने के बाद सराफा बाजार भी कुछ संभला।

अब मंगलवार को सोने और चांदी के भाव फिर तेजी से बढ़े। सोने में 9,500 और चांदी के भाव में 32,500 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भाव में चढ़ाव जारी है। काशी ज्वेलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर का कहना है कि भाव के उतार-चढ़ाव के इस नाजुक दौर में निवेशकों को सतर्क रहने और धैर्य रखने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि बड़े देशों के बीच तनातनी का असर इन धातुओं के भाव पर पड़ रहा है ।

डीआईओएस कार्यालय में हंगामा डीएम आफिस में भी की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मंगलवार को डीआईओएस कार्यालय में जमकर हंगामा हुआ। वहां इंसाफ नहीं मिलते देख कर्मचारी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गये और वहां भी नारेबाजी की और डीआईओएस पर अभद्रता, गाली गलौज का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा। कर्मियों ने काम रोका।

डीआईओएस कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक जितेंद्र कुमार का आरोप है कि मंगलवार को दोपहर में जब वह पत्रावली लेकर डीआईओएस के कक्ष में गए तो डीआईओएस संतोष राय ने उनसे गाली गलौज की व जाति सूचक शब्द का प्रयोग भी किया।

डीआईओएस आफिस में हंगामा करते कर्मचारी। अमृत विचार

घटना की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों ने डीआईओएस कार्यालय में नारेबाजी व प्रदर्शन शुरु कर दिया। फिर सभी कर्मचारी डीएम ऑफिस गए। डीएम को संबोधित शिकायती पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। इस संबंध में यूपी एजुकेशनल मिनिस्टीरियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के मंडलीय अध्यक्ष ललितेश तिवारी का आरोप है कि डीआईओएस इससे पहले भी इस तरह के कृत्य कर चुके हैं। विरोध करने वालों में शंकर लाल, संतोष तिवारी, नरेंद्र कटियार, ममता सोनकर, रजनीश प्रकाश श्रीवास्तव, सत्यवीर सचान, रंजीत सिंह आदि थे। उधर डीआईओएस संतोष राय ने आरोपों से इंकार किया है।

नई पहल | आयकर की नजर से कर बोझ से राहत की जगह निराशा मिली

टीडीएस एवं टीसीएस की दरों में सकारात्मक परिवर्तन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयकर की दृष्टि से नौकरीपेशा, कारोबारी एवं मध्यम वर्ग के आयकरदाताओं को कर बोझ से राहत की जगह बजट में निराशा हाथ लगी है। आयकर की करमुक्ति धनराशि सीमा, टैक्स की स्लैब दरें पूर्व की भांति यथावत लागू रहेंगी। अगले वित्तीय वर्ष में ओल्ड टैक्स रिजीम एवं नई टैक्स रिजीम दोनों ही लागू रहेंगी। करदाता को विकल्प चुनने की छूट मिली है।

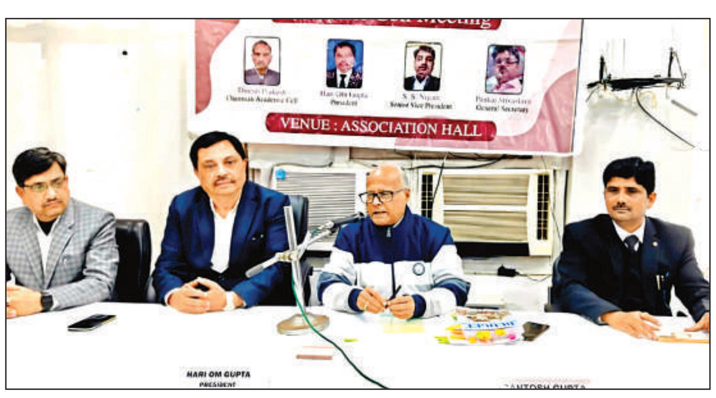

गोष्ठी को संबोधित करते टैक्स विशेषज्ञ संतोष कुमार गुप्ता। अमृत विचार

जेल की सजाओं से मुक्ति एवं उसकी अवधि कम की गयी है। इसके स्थान पर अर्थदण्ड एवं लेट फीस के रूप में अब धनराशि वसूली जाएगी। टीडीएस एवं टीसीएस की दरों में सकारात्मक परिवर्तन किये गये हैं। आयकर रिटर्न दाखिला उवं दाखिल रिटर्न में किये गये संशोधन अब वित्तीय वर्ष की समाप्ति से अगले वित्तीय वर्ष की 31 दिसम्बर से बढ़ाकर 31 मार्च तक कर दिया गया है। दिसम्बर के बाद मार्च तक दाखिले में अतिरिक्त लेट फीस भी आरोपित की जा सकती है। कम्पनियों के मैट में भी नियम व शर्तों के तहत राहत प्रदान की गयी है। अघोषित विदेशी सम्पत्ति एवं आमदनी को घोषित करने के मामले में छह माह की एक योजना सरकार द्वारा घोषित की जाएगी। अब विदेश में पढ़ाई व इलाज हेतु पैसा भेजना सस्ता होगा। विदेश यात्रा भी सस्ती होगी। इसके लिए पांच फीसदी के स्थान पर दो फीसदी टीसीएस काटा जाएगा। नये आयकर अधिनियम 2025 एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। नई आयकर नियमावली अभी अधिसूचित नहीं की गयी है। शीघ्र ही की जाएगी। यह जानकारी टैक्स बार एसोसिएशन लखनपुर द्वारा आयोजित टैक्स गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कर विशेषज्ञ एडवोकेट सन्तोष कुमार गुप्ता ने दी।

जीएसटी पर चर्चा में गोष्ठी में बताया गया कि निर्माता व्यापारियों को इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर का प्रॉविजनल रिफण्ड अब सात दिन के अन्दर नब्बे फीसदी धनराशि प्राप्त हो जाएगी। शेष जांच-पड़ताल के बाद दस फीसदी राशि भी जारी कर दी जाएगी। एक हजार से कम धनराशि निर्यातक व्यापारियों को अब अनुमन्य की जा रही है। कार्यशील पूंजी ब्लॉक नहीं होगी। निर्माताओं को तुरन्त धनराशि मिल सकेगी। जीएसटी की एडवान्स रूलिंग अथॉरिटी के तहत राज्य की पीठों द्वारा पारित आदेशों के विरूद्ध राष्ट्रीय अपील प्राधिकरण में अपील नहीं हो पा रही है।

करों के बोझ से प्रभावित होगा पान मसाला और तंबाकू कारोबार

- पान मसाला एवं तम्बाकू व्यवसाय में जीएसटी, एडीशनल एक्साइज ड्यूटी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर का बहुत अधिक बोझ एक फरवरी से कारोबारियों पर डाला गया है। इससे यह वस्तुएं अब काफी महंगी हो जाएंगी। यह कारोबार प्रभावित होगा। गोष्ठी में अधिवक्ताओं द्वारा उठायी गयी शंकाओं का समाधान किया गया। अध्यक्षता हरिओम गुप्ता तथा संचालन महामन्त्री पंकज श्रीवास्तव ने किया। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसएस निगम अशोक अग्रवाल, एस0एस0 निगम, राजेश कुरील, प्रमोद द्विवेदी, रत्नेश बेबरवाल, अवधेश श्रीवास्वत, सीलेश शुक्ला, विनोद द्विवेदी रहे।

डा. आनन्द प्रकाश सचान
M.B.B.S., M.D.
HARI VEDA CANCER CLINIC
भूतपूर्व चिकित्सक, बत्रा हॉस्पिटल, न्यू दिल्ली
मुख्यमंत्री राहतकोश द्वारा 5 लाख तक की मुफ्त इलाज की सुविधा
आयुष्मान, पंडित दीनदयाल कार्ड एवं समस्त टीपीए द्वारा मुफ्त इलाज
हरिवेदा कैंसर क्लीनिक
रामसनेही मेमोरियल हॉस्पिटल जी.टी. रोड, फतेहपुर
मिक्की हाउस के पास, किडजी स्कूल, के-ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर
: dr/AnandPrakashSachan
: dranandprakshsachan
: dr.anandprakashsachan
9807546262
7376004444
E-mail: anandsachan1978@gmail.com

बेरहमी से पीटकर पत्नी की गला दबाकर हत्या की थी, पति फरार

पनकी स्थित रामगंगा एन्क्लेव फ्लैट में मृत मिली थी, 10 से अधिक चोटें, विसरा सुरक्षित

पोस्टमार्टम पर मौजूद दीपिका के परिजन। अमृत विचार

एक दूसरे से लिपटकर रोतीं मां व बुआ। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। तीन डॉक्टरों के पैनल से मंगलवार 26 वर्षीय दीपिका सैनी का पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की बात सामने आई। उसके शरीर पर पिटाई के 10 से अधिक निशान मिले व विसरा सुरक्षित किया गया। मां चित्रा ने आरोप लगाया था कि पति सौरभ उर्फ शोएब ने बेटी की गला दबाकर हत्या की। उसने फेसबुक व इंस्टाग्राम से बेटी को चंगुल में फंसाया था। शोएब पहले से तीन शादियां कर चुका था। नशेबाजी में वह बेरहमी से पीटता था, जिससे तीनों उसे छोड़ गईं थीं।

पनकी स्थित रामगंगा एन्क्लेव के 54/9 फ्लैट में फर्श पर दीपिका सैनी का शव मिला मिला था। पनकी के कांशीराम कालोनी निवासी मां चित्रा व बर्रा की रहने वाली बुआ पुष्पा ने बताया कि हत्या के बाद सौरभ अपना व दीपिका का मोबाइल तोड़कर भागा था।

कहा कि दीपिका से शादी से पहले सौरभ की पत्नी नूरी थी। उसकी तीन बेटियां हैं। नूरी को वह बेल्ट से पीटता था। इसलिए वह बेटियों के लेकर चली गई। उसके बाद उसने फेसबुक व इंस्टाग्राम से बेटी दीपिका को फंसाया। दीपिका की पहली शादी खालिद से हुई थी। उसकी मुंबई में सड़क हादसे में जान गई। उसके दो बच्चे रुद्र व अनिरुद्ध हैं। बच्चों की परवरिश के लिए दीपिका दादानगर स्थित फैक्ट्री में काम करती थी। मां ने बताया कि 2025 अक्टूबर में चैटिंग से दोनों करीब आए। जब उन्होंने बेटी से शादी के लिए मना किया तो सौरभ ने कहा कि वह दोनों बच्चों को अपनी संतान की तरह रखेगा। दोनों ने शादी कर ली। दीपिका का बड़ा बेटा अनिरुद्ध ने उनके साथ रहने को मना कर दिया था। वह ननिहाल में रहने लगा था। मां ने बताया कि सोमवार को दीपिका के पिता प्रदीप कुमार उसके फ्लैट गए तो रुद्र को रोते पाया। सौरभ बाहर दुकान पर बैठा था। सौरभ ने उन्हें फोन पर बताया था कि दीपिका सांस नहीं ले रही है। आप जल्दी आओ। उन्होंने बेटी को जल्द अस्पताल ले जाने को कहा। इसके बाद वह जब पहुंची तो सौरभ फरार था।

उन्होंने बड़े बेटे कुलदीप को स्कूटी दिलाई थी तो सौरभ भी बाइक दिलाने का दबाव बना रहा था। आएदिन बेटी से पैसों की मांग करता। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

जरा-जरा सी बात पर पीटता था

- दीपिका की बुआ ने कहा कि सौरभ जरा-जरा सी बात पर मारपीट पर उतारु हो जाता था। वह पहले भी तीनों पत्नियां को निर्वस्त्र कर बेल्ट से पीटता। उसकी पिटाई के कारण ही उसकी तीन पत्नियां छोड़कर चली गईं थी। फिर उसने दीपिका से चौथी शादी की थी। पनकी पुलिस ने मां चित्रा की तहरीर पर शोएब उर्फ सौरभ के खिलाफ दहेज हत्या समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

160 करोड़ की सरकारी जमीन में फर्जीवाड़ा

कानपुर। भूमाफियाओं की सरकारी संपत्तियों पर किस कदर नजरें गड़ी रहती हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मकसूदाबाद में 110 बीघा ऊसर भूमि जिसकी कीमत 160 करोड़ रुपये आंकी गई है, इस सरकारी जमीन को कुछ लोगों ने अपनी निजी संपत्ति घोषित कर दी है। एसडीएम सदर कोर्ट ने सभी दावों को खारिज कर दिया है और अब ये सरकारी भूमि ही रहेगी। इस खेल में सरकारी कितने कर्मचारी शामिल हैं, उनका भी पता लगाया जा रहा है ताकि उनपर कार्रवाई की जा सके।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए इस फर्जीवाड़ा में शामिल कर्मियों (चाहे वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं) की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एसडीएम सदर की कोर्ट ने सभी फर्जी दावों को खारिज करते हुए जमीन को पुनः सरकारी खाते में दर्ज करने के आदेश दिये हैं। जिलाधिकारी ने जब खसरा, खतौनी और नामांतरण रजिस्टरों की जांच कराई तो ये तथ्य सामने आया कि जिन पट्टों का हवाला दिया गया, वे कभी विधिवत दर्ज ही नहीं थे। बाद में सरकारी रिकार्ड में की गई हेराफेरी के जरिए सरकारी भूमि को हड़पने का प्रयास किया गया। इस संबंध में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह का कहना है मकसूदाबाद में सरकारी भूमि खरीदने वाले बाबुओं और कर्मियों की रिपोर्ट एसडीएम सदर से मांगी गई है, रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कार्रवाई होगी।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददात, कानपुर

- परिजनों ने कहा, कोई ऑटो वाला छोड़कर भाग गया था, उसी ने उठाया फोन

अमृत विचार। सेन पश्चिम पारा में मंगलवार सुबह मजदूर का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। खबर पाकर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। युवक मजदूरी के लिए निकला था। वापस न लौटने पर परिजनों ने कॉल किया तो किसी अन्य ने उठाया। वहीं चौराहा के पास छोड़ गया था। रातभर तलाश के बाद मंगलवार सुबह शव मिला। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

घाटमपुर के रामपुर निवासी 40 वर्षीय मोहरअली उर्फ भूरा मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी रहीशन, एक बेटी व दो बेटे हैं। परिजनों ने बताया कि भूरा सोमवार सुबह काम की तलाश में निकला था। वह नौबस्ता के चतुर्वेदी बिल्डिंग के पास मजदूर मंडी में खड़ा होता था। देर शाम तक जब घर नहीं आया तो परिजनों को चिंता हुई। इस पर उसकी पत्नी ने उसे कॉल किया। किसी अन्य ने उसका मोबाइल उठाया और कहा कि उजियारी चौराहा के पास छोड़ दिया है। परिजन वहां पहुंचे, लेकिन उनके बारे में कुछ पता नहीं चला। घरवाले पूरी रात उसे तलाशते रहे। मंगलवार सुबह पुलिस ने न्यूरी फार्म के पास सड़क किनारे शव मिलने की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या कर शव सड़क किनारे फेंकने का आरोप लगाया। पुलिस ने जांच की और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। घरवालों के अनुसार पता चला कि कोई ऑटो से उसे छोड़ गया था। उस समय उसकी सांसे चल रही थीं। फोन पर बातचीत करने वाले गलत पता बताया, अगर अस्पताल ले जाते तो बचा सकते थे। उसके पैर में पट्टी बंधी थी और सीने पर चोट के निशान थे। आशंका जताई की कहीं काम के दौरान उसके साथ घटना हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होगी।

ट्रकों की भिड़ंत में केबिन में फंसा चालक

कानपुर। जाजमऊ में फ्लाईओवर पर मंगलवार तड़के दो ट्रकों में भिड़ंत हो गई। ट्रक में पीछे से दूसरा ट्रक घुसने से केबिन क्षतिग्रस्त हो गया। चालक व परिचालक केबिन में फंस गए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने केबिन काटकर दोनों को बाहर निकला और कांशीराम में भर्ती कराया गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर पुलिस ने यातायात सुचारु कराया।

घाटमपुर निवासी चालक कमलेश कुमार व परिचालक मंचू ने मंगलवार तड़के दाल लादकर लखनऊ जा रहे थे। चालक ने बताया कि जाजमऊ जेके कालोनी के पास फ्लाईओवर पर ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे मौरंग लदे ट्रक में घुस गया। ट्रक का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक व परिचालक अंदर ही फंस गए। फ्लाईओवर पर जाम लग गया। पुलिस व दकमल कर्मियों ने जाम हटवाया।

सिटी ब्रीफ

यूट्यूबर के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर। बाबूपुरवा कालोनी निवासी यूट्यूबर मेघना सिंह के अनुसार झारखंड के रांची निवासी यूट्यूबर रुचिका सिंह और उसका सहयोगी प्रशांत पाठक उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। आरोप है कि रुचिका व प्रशांत अपने यूट्यूब चैनल व अन्य डिजिटल माध्यमों से उन पर चैनल बंद करने के लिए भी दबाव बनाया। अभद्र टिप्पणी करते हैं। जिसकी कॉल रिकार्डिंग, आडियो-वीडियो, चैट और स्क्रीनशाट उनके पास हैं। पीड़िता का आरोप है कि 19 जनवरी को उन्होंने आइजीआरएस पर शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने बिना उनका पक्ष जाने शिकायत को निरस्त कर दिया। इसके बाद उसने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

फ्रेंचाइजी देने के नाम पर हड़पी रकम

कल्याणपुर। पनकी रतनपुर कालोनी निवासी मनी त्रिपाठी के अनुसार सहारनपुर के अभिनव गुप्ता से उनकी मुलाकात दिल्ली में हुई थी। अभिनव ने डीटीएच नेटवर्क की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर उससे विभिन्न खातों में सात लाख की रकम ट्रांसफर कराई। जिसके बाद आरोपी ने उनका फोन ही उठाना बंद कर दिया। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

पिता की डांट से क्षुब्ध युवती घर से भागी बरामद

कानपुर : जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि मंगलवार को प्लेटफार्म 10 पर एक युवती को वाराणसी में उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। उन्होंने बताया कि पिता की डांट से क्षुब्ध युवती घर से भाग खड़ी हुई थी।

ढाई सौ रुपये प्रति क्विंटल रिश्वत मांगने का आरोप

कानपुर। हनुमंत विहार स्थित गल्ला मंडी के राजकीय धान क्रय केंद्रों पर अव्यवस्था से नाराज़ किसानों ने हंगामा किया। किसानों का आरोप है कि केंद्र तय समय के बावजूद अक्सर बंद मिलता है और धान खरीद की स्पष्ट तारीख नहीं दी जाती, जिससे उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। चोरी चुपके टोकन व माल खरीदने बात कही। विवेक तिवारी का आरोप है कि बिना पैसे तौल नहीं हो रही और ढाईसौ रुपए प्रति कुंतल तक अवैध वसूली की जा रही है। सिद्धार्थ एस. त्रिपाठी ने बताया कि उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली कई दिनों से खड़ी है और बारिश से धान भीग गया। दिव्यांग किसान जगत बहादुर ने भी लेखपाल सत्यापन के बाद खरीद लंबित होने की बात डिप्टी आरएमओ अजय विक्रम का कहना है कि मौके का निरीक्षण कर समस्या का समाधान कराएंगे।

फर्जी कंपनी बना निवेशकों से हड़पी रकम

कल्याणपुर। कल्याणपुर निवासी सुभाष चंद्र दुबे के अनुसार वह निखिल इंडिया इन्वेस्टर्स सर्विसेज लिमिटेड में बतौर एजेंट काम करते थे। इस दौरान उन्होंने कई निवेशकों के रुपये फर्म की अलग-अलग स्कीमों में जमा कराए थे। आरोप है कि निवेश की अवधि पूरी हो जाने पर जब सुभाष ने फर्म संचालक जूही कला दामोदरनगर निवासी राजेश पांडे, विजयलक्ष्मी, सीसामऊ निवासी रामशुभ मिश्रा व आवास विकास तीन निवासी विशंभर नाथ उपाध्याय से निवेशकों का भुगतान करने के लिए कहा तो संचालकों ने टालमटोल की। भुगतान के लिए दबाव पड़ने पर जब वह कल्याणपुर पहुंचे तो संचालक उसे भी बंद कर फरार हो गए।

29 जगह स्मार्ट पार्किंग बनाने के लिए नगर निगम ने मांगे टेंडर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम ने स्मार्ट पार्किंग के संचालन के लिए टेंडर मांगे हैं। इसी माह कंपनी का चयन हो जाएगा और फिर पार्किंग के विकास की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। फिलहाल 29 जगहों पर पार्किंग का संचालन किया जाएगा। पहले 35 जगहों पर पार्किंग के लिए योजना तैयार की गई थी और स्थल का चयन किया गया था। दो जगहों पर पूर्व से ही पार्किंग संचालित हो रही है।

शहर में वाहनों की पार्किंग की समस्या बहुत ही बड़ी है। सड़कों किनारे और डिवाइडर किनारे वाहनों को पार्क किए जाने से जाम लगता है। मेस्टन रोड, नई सड़क, स्वरूप नगर, पी रोड, गुमटी, दर्शनपुरवा, गोविंद नगर, लालबंगला, चकेरी, कल्याणपुर आदि जगहों पर जाम बड़ी समस्या है। इस समस्या के समाधन के लिए ही स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्मार्ट पार्किंग की स्थापना की जानी है। 35 जगहों पर स्थल का चयन किया गया था लेकिन छह जगहों पर मामला कानूनी पचड़े में फंस गया है। ऐसे में फिलहाल 29 जगहों पर पार्किंग स्थापित हो गई है। स्थल का चयन हो गया है और नगर निगम ने टेंडर भी मांग लिए हैं। पार्किंग का संचालन हर हाल में माह के अंत तक शुरू हो जाएगा। इसकी पुष्टि अपर नगर आयुक्त मो. आवेश ने की है। इसके बाद न तो फुटपाथ पर वाहन खड़ा करने की मजबूरी होगी और न ही दुकानदारों और वाहन चालकों के बीच इस बात को लेकर कहासुनी होगी। दोपहिया वाहन के लिए न्यूनतम शुल्क सात रुपये प्रति घंटा होगा तो चार पहिया वाहन के लिए 15 रुपये प्रति घंटा की दर निर्धारित की गई है। 24 घंटे दो पहिया खड़ा करने 57 रुपये तो चार पहिया वाहन के लिए 120 देने होंगे।

कचहरी के पास वाहनों की अराजकता। अमृत विचार

यहां बनेंगी पार्किंग

- चैंबर ऑफ कमोडिटीज, भार्गव हॉस्पिटल, दूध मंडी, कल्पना प्लाजा
- मेगा मॉल, सागर मार्केट, आभा नर्सिंग होम, चौधरी मैरिज लॉन ई-ब्लॉक, सुघर सिंह स्कूल ई-ब्लॉक के सामने, केटीएल के सामने
- परिणय गेस्ट हाउस, मोतीझील परिसर नगर निगम, राजीव वाटिका मोतीझील, कारगिल पार्क मोतीझील, तुलसी उपवन मोतीझील, लाजपत भवन मोतीझील, कानपुर नगर निगम फ्रंट साइड, कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गैस्ट्रो इंस्टीट्यूट, गैस्ट्रो लीवर हॉस्पिटल स्वरूप नगर,
- मधुराज हॉस्पिटल, नसीमाबाद पार्किंग, आरएसपीएल पार्किंग एरिया
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रीजेंसी हॉस्पिटल सर्वोदय नगर, आकाश इंटीट्यूट काकादेव, कानपुर मेडिकल सेंटर, पॉलीवाल मेडीकेयर, रतनदीप हॉस्पिटल काकादेव के पास पार्किंग बनेगी।,

मुझे सुकून चाहिए, मैं दुनिया से जा रहा हूं...

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सब इंस्पेक्टर की तैयारी कर रहे छात्र ने फंदे से लटककर दे दी जान
- कोचिंग के लिए बुलाने पहुंचे दोस्त ने देखा, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

अमृत विचार। यह मेरा सौभाग्य था पापा कि आपके घर पैदा हुआ। मुझे सुकून चाहिए, मैं जा रहा हूं। राधा तुम मुझे छोड़कर न जातीं, मैं भी तुम्हारे साथ चलता। युवक ने दो पेज के सुसाइड नोट में यह लिखकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक तीन साल से बिठूर में रहकर सब इंस्पेक्टर (एसआई) परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने जांच-पड़ताल की और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

अजीत यादव उर्फ जीतू।

मूलरूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद कैंजरी घासी निवादा निवासी फौज से सेवानिवृत्त जयवीर सिंह मौजूदा समय में केसा में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में पत्नी मोना, दो बेटे पुष्पेंद्र और 25 वर्षीय अजीत कुमार उर्फ जीतू है। ताऊ रणवीर सिंह नारामऊ में एल्मिको टाऊनशिप के पीछे होरा बांगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि तीन साल साल से अजीत उनके साथ रहकर एसआई की तैयारी कर रहा था। दिल्ली व यूपी पुलिस में वह सब इंस्पेक्टर की परीक्षा दे चुका था। परिजनों के अनुसार सोमवार सुबह नौ बजे अजीत घर से लौटा था। रात में सोने से पहले मौसेरे भाई अंशू ने उसे कॉल किया था, लेकिन रिसीव नहीं हुई। मंगलवार सुबह कोचिंग जाने के लिए बर्रा विश्व बैंक निवासी उसके दोस्त आदर्श ने फोन किया। जब उसकी भी कॉल रिसीव नहीं हुई तो वह घर पहुंचा। मेनगेट बंद होने पर वह वह घर के पिछले रास्ते से कमरे में पहुंचा तो जीतू का शव फंदे से लटकता देखकर सन्न रह गया। आदर्श के जरिए परिजनों व पुलिस को सूचना मिली। खबर पाकर परिजन पहुंचे। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस की जांच में अजीत के पास दो पेज का सुसाइड नोट मिला। बिठूर थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि छात्र के कमरे में शराब की बोतलें मिलीं। छात्र ने सुसाइड नोट में अपनी महिला मित्र का भी जिक्र किया है। मामले की जांच की जा रही है।

अजीत ने सुसाइड नोट में लिखा

- पापा-भैया आप बहुत अच्छे हो। आपको देखकर मैं बड़ा हुआ। मैं अपनी बातें किसी को नहीं बता सकता था। जो लिख रहा हूं, वह बगैर नशे के नहीं लिख सकता था, इसलिए शराब पी है। दीदी, चाचा आप सब बहुत अच्छे हैं और मेरे बारे में कुछ जानना हो तो मेरे दोस्त आदर्श, अंशू, दीपक से पूछ लीजिए। मैं अब सुकून चाहता हूं, इसलिए आत्महत्या कर रहा हूं। सुसाइड नोट में लिखा कि राधा तुम मुझे छोड़कर न जातीं, मैं भी तुम्हारे साथ चलता।

हादसे में मृत मजदूर की हुई शिनाख्त

कानपुर। सचेंडी में चकरपुर मंडी के पास हाईवे पर सड़क हादसे में मृत अधेड़ की शिनाख्त सिद्धार्थनगर के पचशेडवा निवासी 50 वर्षीय राम मिलन के रूप में हुई। भाई रघवीर ने बताया कि गांव के कई लोग मंडी में काम करते हैं। उनके माध्मय से हादसे से पता चला। राममिलन करीब 10-12 साल से मंडी में काम करता था। उसकी पत्नी इंद्रावती गांव में ही रहती है।

झकरकटी बस अड्डा या झील, बसें सड़क पर खड़ीं, लगा भीषण जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा में बारिश का पानी भरने से झील में तब्दील हो गया जिससे सारी बसें खड़ी हो गईं और दिनभर भीषण जाम लगा। हजारों यात्री परेशान रहे और बस अड्डा के अंदर जाने से बजाय सड़क पर ही बस का इंतजार करते रहे। फजलगंज डिपो में भी भारी जलभराव हुआ।

मंगलवार को सुबह आंधी बारिश ने पूरे शहर को बेहाल कर दिया लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी झकरकटी बस अड्डे पर आई। यहां बड़े बड़े गड्ढों में जलभराव हो गया जिससे चालक बसों को अंदर ले जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके।झकरकटी बस अड्डा के अंदर जो बसें अड्डे के अंदर आ गईं, उन्हें भारी मुसीबत का सामना उठाना पड़ा क्योंकि बस अड्डा के बाहर निकलने का एक मात्र रास्ता पुल के नीचे से है लेकिन पुल के नीचे से ही रेलवे गेट तक घुटनों तक कीचड़ भरा है जिसमें बसें फंस रही हैं। यदि ये सर्विस लेन बन जाए तो बसों को निकलने की दिक्कत खत्म हो जाएगी।

पिछले 15 वर्षों से झकरकटी बस अड्डे को पीपीपी मॉडल के तहत संवारने की कवायद चल रही है लेकिन कोई न कोई ऐसा पेंच फंस जाता है कि निर्माण की शुरुआत नहीं हो पाती। अब फिर पीपीपी मॉडल का टेंडर हुआ है लेकिन फिर निर्माण रुकता नजर आ रहा है। जितनी बार बस अड्डे को दुरुस्त करने की कोशिश होती तो पीपीपी मॉडल का हवाला देकर बस अड्डे की दिक्कत ठीक नहीं कराई जाती।

बस अड्डे पर जलभराव से बीहड़ सा नजारा। अमृत विचार

सड़क पर बसें खड़ी होने से लगा भीषण जाम । अमृत विचार

झकरकटी का जाम अफीमकोठी तक

झकरकटी बस अड्डा के बाहर बसें सवारी उतार रही हैं और सवारी ले रही हैं। इसलिये सड़क पर ही सैकड़ों यात्री बस का इंतजार कर रहे हैं। नतीजा ये है कि टाटमिल चौराहे का जाम अफीमकोठी तक पहुंच रहा है। बस अड्डा के सामने वाली पट्टी में सड़क पर ही बसें खड़ी हैं, हालांकि यहां ट्रैफिक की टीम लगी है लेकिन उनकी कोई सुनने वाला नही है।

मेडिकल जोन

नाचते-गाते, खेलते-कूदते मर जा रहे हैं लोग

अचानक होने वाली मौतों में लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम भी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नाचते, गाते, खेलते, दौड़ते, बोलते व सोते समय लोगों की अचानक मौत होने की जानकारी कई बार मिल चुकी है और कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हैं। इन अचानक होने वाली मौतों की वजह लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम भी हो सकता है। दिल की धड़कन अनियमित होने से अचानक से बेहोशी, चक्कर आना, दिल की धड़कन महसूस होना व कमजोरी की समस्या सामने आ सकती है। वहीं, कभी-कभी कोई लक्षण तक सामने नहीं आते हैं।

एलपीएस कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ.राकेश कुमार वर्मा के मुताबिक जब ऐसे अचानक मौत वाले केस सामने आते हैं तो पहले उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है या नहीं, यह जानने का प्रयास किया जाता है। इसके बाद हार्ट अटैक किस वजह से आया, इसकी भी पहचान का प्रयास किया जाता है। कुछ मरीजों में लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम की जानकारी हुई है। यह दिल की विद्युत गतिविधि का एक विकार है, जिसमें दिल को धड़कनों के बीच फिर से चार्ज होने में सामान्य से अधिक समय लगाता है। यह स्थिति दिल के निचले कक्षों (वेंट्रिकल्स) को धड़कने के बाद वापस सेट होने में सामान्य से अधिक समय लेती है, जिससे घातक लय पैदा होती है। तब दिल की धड़कन अनियमित या तेज होने से बेहोशी, दौरे या अचानक हृदय गति रुक सकती है। यह समस्या जन्मजात (अनुवांशिक) या कुछ दवाओं (एंटीबायोटिक्स व मूत्रवर्धक) या इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन (पोटेशियम की कमी) के कारण भी अर्जित हो सकती है। कहा कि यदि परिवार में अचानक युवा मृत्यु का इतिहास हो तो ऐसे में परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच जरूर करनी चाहिए। वहीं, जिन लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखते, उनमे ईसीजी से पता चलता है।

इन गतिविधियों में बढ़ जाता अधिक खतरा

- शरीर के साथ न देने पर भी कसरत या अचानक से शारीरिक गतिविधि करना।
- किसी वजह से डरने, गुस्सा आने या तनाव जैसी तीव्र भावनाओं में अधिक खतरा
- अचानक तेज आवाजें जैसे अलार्म, डीजे, हार्न व आदि से ।
- रात को अचानक से बेचैनी, सीने में दर्द से नींद के दौरान

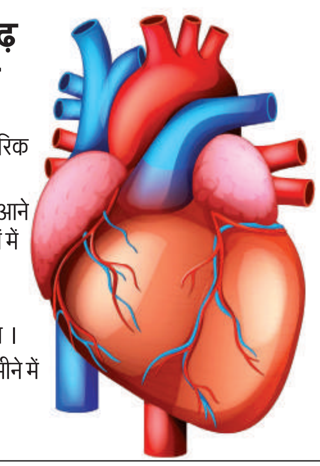

मुख्य लक्षण

- अचानक बेहोश होना, खासकर व्यायाम, डर, गुस्सा या तेज आवाज से चौंकने पर।
- दिल का बहुत तेज या अनियमित धड़कना महसूस होना।
- चक्कर आना व अधिक कमजोरी लगना।
- अचानक दर्द होना और हृदय गति रुकना

Since 1980
Goldiee
GROUP
KANPUR (UP)
जहाँ जाए रिश्ते बनाए
KITCHEN KING
MASALA
Since 1980
Goldiee
KITCHEN KING MASALA
FRESH LOCK
स्पेशल स्वाद
मसाले • अचार • चाय • पापड़ • गुलाब जामुन मिक्स • सेवईयाँ • वन-वन नूडल्स • अगरबत्ती • धूपबत्ती • पूजाकिट आदि
AVAILABLE ON
Flipkart amazon.in DMart LOTS elasticrun CITYMALL Jio Mart DealShare Flipkart Wholesale blinkit
bigbasket more MEGASTORE Reliance SMART SMART BAZAAR LuLu BOOKER WHOLESALE zepto Jumbotail udaan
www.goldiee.com /goldieegroup1980 /goldieegroup /goldieegroup /goldieegroup

सिटी ब्रीफ

मुकदमे में समझौते के लिए दबाव डाला

कानपुर। बांस मंडी निवासी मो. नावेद की पत्नी रहनुमा ने चमनगंज के हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू पर साथी शानू लफ्फाज, इरफान चूड़ी, गुफरान उर्फ पोपे, गुड्डू उर्फ मुड्डी के खिलाफ रंगदारी और अवैध वसूली का मुकदमा दर्ज कराया था। महिला का आरोप है कि मुकदमे में उन पर समझौते का दबाव बना रहे हैं। थाना प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि मुकदमा दर्जकर जांच की जा रही है।

लीज पर होटल दिलाने के नाम 19.50 लाख की ठगी

कानपुर। जाजमऊ तिवारीपुर निवासी सचिन पाल के अनुसार दोस्त सक्षम जायसवाल ने हिमांशु गुप्ता नाम के युवक से मिलाया था। सक्षम ने बताया कि हिमांशु वाराणसी के अस्सी घाट स्थित होटल प्रकाश पैलेस में मैनेजर है। हिमांशु ने होटल को लीज पर लेने की बात करते हुए एक लाख रुपये उनसे लिया। सचिन ने बताया कि वह बीती एक जनवरी को वाराणसी गए तो आरोपियों ने उस होटल के मालिक सौरभ सिंह से मिलाया। आरोपियों ने 25 लाख रुपये में तीन वर्ष के लिए होटल लीज पर देने और दो लाख रुपये महीना किराया देने की बात कही। 19 .50 लाख रुपये दे दिए। फिर हिमांशु गायब हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

अल्लाह को राजी करने को रात भर रोकर मांगीं दुआएं

शबे बरात पर कब्रिस्तानों में फातिहा पढ़ने के लिए उमड़े लोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शबे-बरात की रात में इबादत करने का महत्व कुछ अलग ही है। अल्लाह को राजी करने के लिए रातभर लाखों लोगों ने नमाज पढ़ी, दुआ पढ़ी ताकि उनका रब उनसे राजी हो जाए और किये गये गुनाह माफ हो जाएं।

मंगलवार को शाम होते ही मगरिब की नमाज अदा करने के बाद लाखों लोग इबादत में जुट गये। महिलाओं ने घरों में नमाज अदा की, कुरआन की तिलावत की तो पुरुषों ने मस्जिदों में नमाज पढ़ी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलसे हुए । सबसे बड़ा जलसा दावते इस्लामी की जानिब से हलीम ग्राउंड पर हुआ। इस दौरान शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी, शहरकाजी मुफ्ती डॉ. मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी, शहरकाजी साकिब अदीब, मौलाना हाशिम अशरफी, मौलाना अब्दुर रहीम बहराइची आदि ने जलसे को खिताब फरमाया। मंगलवार को सुबह से ही घरों में हलवा बनाया गया और हजरत उवैस करनी रजि. के नाम की फातिहा दिलाई गई। इसी के साथ ही रात में पकवान बना और गरीबों, बेसहारा, मिस्कीनों को खाना खिलाया गया और उनकी आर्थिक तंगी दूर की गई।

कब्रिस्तान में फातिहा पढ़ते लोग। अमृत विचार

बकरमंडी कब्रिस्तान में सबसे ज्यादा भीड़

- शाम को मगरिब की नमाज के बाद से ही लोगों के कब्रिस्तान पहुंचने का सिलसिला शुरु हो गया जो पूरी रात जारी रहा। अपने पूर्वजों की कब्र पर फातिहा पढ़ी। सबसे ज्यादा भीड़ बकरमंडी कब्रिस्तान में पहुंची जिससे ये रास्ता बंद करना पड़ा। बुधवार को रोजा रखा जाएगा इसके लिए बच्चे भी पूरी तरह खुश और तैयार नजर आए।

फार्मा एसोसिएशन के 50 वर्ष हुए

विशाल भार्गव।

निखिला चांडक।

कानपुर। फार्मा मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन की 50वीं वार्षिक आम सभा में नवनिर्वाचित पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। डा विशाल भार्गव को अध्यक्ष पद तथा निखिल चांडक को महासचिव पद के लिए मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी डा एमसी बिंदल ने चुनाव प्रकिया सम्पन्न करायी। चुनाव अधिकारी डा बिंदल ने डा विशाल भार्गव को अध्यक्ष, भारत भूषण गुलाटी को उपाध्यक्ष, निखिल चांडक को महासचिव, संकेत खेरिया को कोषाध्यक्ष, एनके गुप्ता को स्पीकर, हर्ष मिघलानी को सचिव-1, समीर भार्गव को सचिव-2, अनुप टण्डन को कानूनी सलाहकर व अजय मिश्रा को कार्यकारिणी सचिव के पद का कार्यभार सौंपा। कार्यकारिणी समिति में अरूण भाटिया, वीरेन्द्र कुमार, पवन गुप्ता, आनन्द गुप्ता, गौरव आग्रवाल, डा सौरभ भार्गव, जसकरन सिंह, सागर मिश्रा एवं डा दिवाकर तिवारी का मनोनयन किया गया।

सरसौल के बौसर गांव में बनेगा आधुनिक ग्रामीण स्टेडियम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

10 करोड़ की लागत से बनेगा मिनी स्टेडियम

- गांव के युवाओं को मिलेंगी शहर जैसी खेल सुविधाएं
- सरकार की बड़ी पहल, युवा कल्याण विभाग कराएगा निर्माण

अमृत विचार। योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में सरसौल ब्लॉक के ग्राम बौसर में एक आधुनिक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर कुल 9 करोड़ 88 लाख 61 हजार रुपये की लागत आएगी। यह धनराशि उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी और निर्माण कार्य युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत कराया जाएगा। इस स्टेडियम में इन्डोर गेम खेले जाएंगे।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्टेडियम निर्माण से संबंधित सभी दस्तावेज और प्रस्ताव उच्च स्तर पर भेज दिए हैं। कार्यदायी संस्था द्वारा 27 जनवरी को विस्तृत लागत अनुमान पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है। परियोजना को वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, अब जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यह स्टेडियम महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बौसर गांव में बनेगा, जिससे ग्रामीण युवाओं को खेल अभ्यास के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, उपनिदेशक युवा कल्याण एवं जिला युवा कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। इस संबंध में जिला युवा कल्याण अधिकारी आरती जायसवाल ने कहा कि बौसर में बनने वाला यह स्टेडियम गांव के युवाओं को प्रशिक्षण, अभ्यास और प्रतियोगिताओं का अवसर देगा। इससे जिले की खेल प्रतिभाएं आगे आएंगी।

इनडोर गेम होंगे

- मिनी स्टेडियम में ज्यादातर इनडोर खेलों का अभ्यास कराया जाएगा। कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, ताइक्वांडों, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वेट लिफ्टिंग, जिम्नास्टिक आदि खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए रहने व खाने की बेहतर व्यवस्था की जाएंगी। बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए सही डाइट के लिए सरकार द्वारा यह सुविधा खिलाड़ियों को दी जाएंगी।

यहां भी बनेंगे स्टेडियम

- भीतरगांव ब्लाक के साढ़, बिधनू के पिपौरी और पतारा ब्लाक मुख्यालय पर भी मिनी स्टेडियम बनाने की योजना है। कल्याणपुर के मकसूदाबाद गांव में स्टेडियम बनकर तैयार हो चुका है।

उत्पाद देखते अतिथि। अमृत विचार

एमएसएमई उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया

एमएसएमई एक्सपो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एमएसएमई विकास कार्यालय द्वारा दो दिवसीय वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम एवं एमएसएमई एक्सपो–2026 का मंगलवार को परिसर में शुभारंभ किया गया। एक्सपो में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, विभागों, बैंकों एवं एमएसएमई इकाइयों द्वारा 87 से अधिक स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन किया गया।

संयुक्त निदेशक विष्णु कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से एमएसएमई इकाइयों एवं सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बीच आपसी सहयोग बढ़ता है। पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी की जानकारी देते हुए कहा कि सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अपनी कुल खरीद का 25 प्रतिशत सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों से करना अनिवार्य है, ।

संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार ने प्रदेश सरकार की औद्योगिक योजनाओं की जानकारी देते हुए उद्यमियों से कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने का आह्वान किया। हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के उप महाप्रबंधक सुरेश चन्द्र मीणा ने सृजन पोर्टल के माध्यम से वेंडर पंजीकरण की जानकारी दी। एलिम्को के उप मुख्य सामग्री प्रबंधक रवि रंजन ने उद्यमियों से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाकर एलिम्को जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों को आपूर्ति करने को कहा। आयुध निर्माणी के वर्क्स मैनेजर संजय गुप्ता ने बताया कि संस्थान द्वारा लगभग 90 प्रतिशत खरीद एमएसएमई क्षेत्र से की जाती है। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर टी रजनीश, डीजीक्यूए ने उद्यमियों से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के अनुरूप कार्य करने पर बल दिया। एक्सपो में हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, एलिम्को, बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक सहित 82 से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों ने सहभागिता की। बुधवार को क्रेता–विक्रेता सम्मेलन, तकनीकी सत्रों के साथ शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएंगी।

चिड़ियाघर में आज 52 बच्चों को मिलेगी फ्री इंट्री

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बुधवार को 12 वर्ष तक के जो बच्चे पहले पहुंचेंगे, उन्हें मिलेगी फ्री इंट्री
- एक ऊदबिलाव से शुरू हुए सफर में अब 1240 वन्यजीवों का परिवार

अमृत विचार। एक ऊदबिलाव से शुरू हुए कानपुर चिड़ियाघर में अब 1240 वन्य जीवों का बड़ा कुनबा मौजूद है। ये चिड़ियाघर बुधवार 4 फरवरी को 52 वर्ष का होने जा रहा है। इससे उत्साहित चिड़ियाघर के स्थापना दिवस पर प्रबंधन ने बुधवार को पहले आने वाले 52 बच्चों को मुफ्त चिड़ियाघर में इंट्री देने की घोषणा की है। शर्त ये है कि 12 साल के जो बच्चे चिड़ियाघर सुबह जल्दी पहुंचेंगे, उन्हें ही ये फ्री इंट्री मिलेगी।

बुधवार को चिड़ियाघर प्रशासन 52वीं वर्षगांठ को बेहद धूमधाम से मनाएगा जिसको लेकर तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही है। 4 फरवरी 1974 को जब पहली बार इसके दरवाजे आम जनता के लिए खुले थे, तब किसी ने नहीं सोचा था कि एक ऊदबिलाव से शुरू हुआ यह सफर एक दिन 1240 वन्यजीवों के विशाल परिवार में बदल जाएगा।

क्षेत्रीय वन अधिकारी नावेद इकराम का कहना है कि 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए ये एक शानदार मौका है, उन्हें अपना आधार कार्ड या जन्म प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। कानपुर चिड़ियाघर में 18 हेक्टेयर की प्राकृति झील भी फैली हुई है। ये जगह कभी मिस्टर एलन की हुआ करती थी, इसीलिए इसे 'एलन फॉरेस्ट' कहा जाता है। आज यहां 30 से ज्यादा तेंदुए, सफेद बाघ, बब्बर शेर और जेब्रा जैसे जीव पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे हैं। चिड़ियाघर में वालाबी के दो नन्हे शावक, ढोल (जंगली कुत्ते) के तीन बच्चे और ग्रे वुल्फ के पांच शावकों ने जन्म लिया है। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रिच के घोंसलों में आए अंडों ने भी प्रशासन की उम्मीदें जगा दी हैं। जू के डायरेक्टर कन्हैया पटेल का विजन स्पष्ट है कि वे कानपुर के इस हरे-भरे फेफड़े को विश्वस्तरीय पहचान दिलाना चाहते हैं।

जू में तेंदुए। अमृत विचार

भालू भी हैं। अमृत विचार

स्कूली बच्चों ने सड़क पर दौड़ाया ई-ऑटो

कानपुर। चकेरी में पीएसी मोड़ स्कूली बच्चे चालक से ई-ऑटो लेकर सड़क पर दौड़ाने लगे। ई-ऑटो अनियंत्रित होने से बच्चों ने दो राहगीरों को टक्कर मार दी। इसके बाद ऑटो खंभे से टकरा दिया। राहगीरों ने पकड़ने का प्रयास किया तो मारपीट कर भाग निकले। घायलों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने चालक को पकड़कर पूछताछ की व ऑटो को कब्जे में लिया है। नवाबगंज निवासी ई-ऑटो चालक शिवम वर्मा ने बताया वह गंगागंज क्षेत्र में सवारी के इंतजार में खड़े थे। इस दौरान तीन स्कूली छात्र आए और घर जाने का किराया पूछा। इसी बीच शिवम किसी काम से ऑटो सड़क किनारे खड़ा कर एक दुकान में गए, तभी तीनों छात्र बिना बताए ई-ऑटो लेकर भागे। छात्रों ने जीटी रोड पर सड़क किनारे चल रहे काकोरी गांव निवासी सूर्यकुमार और अशोक कुमार को टक्कर मार दी। ऑटो को खंभे से टकरा दिया। घायल सूर्य कुमार व अशोक ने छात्रों को पकड़ने का प्रयास किया तो मारपीट कर भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कांशीराम में इलाज कराया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि घायलों का मेडिकल परीक्षण कराकर ऑटो चालक से पूछताछ की जा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई होगी।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

कलश यात्रा में भजनों पर झूमे भक्त

कानपुर। श्री शनि साईं मंदिर गांधीनगर गणेश पार्क पीरोड के 26वें वार्षिक महोत्सव के प्रथम दिन शोभायात्रा, साईं बाबा की पालकी व श्री खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा विभिन्न स्थानों से होती हुई शनि साईं मन्दिर वापस आई। भक्तों ने पुष्प वर्षा कर प्रभु का स्वागत किया। शोभायात्रा में 101 महिलाएं कलश लेकर चल रही थीं। साईं बाबा की पालकी व श्याम बाबा की निशान यात्रा के साथ चल रहे भक्तों की टोली ने जयकारों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कथाव्यास दीपक कृष्ण जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के महात्मय का वर्णन विस्तार से किया। उन्होंने बताया कि कलयुग में मनुष्य अपने भावों को सत्संग के जरिए ही स्थिर रख सकता है। सत्संग के बिना विवेक उत्पन्न नहीं हो सकता। बिना सौभाग्य के सत्संग सुलभ नहीं हो सकता। इस अवसर पर पूर्व पार्षद महेंद्र नाथ शुक्ला, राजेंद्र नाथ शुक्ला, रश्मि शुक्ला, श्रीश शुक्ला, गंगा शरण दीक्षित, विनोद अग्निहोत्री, शशांक शुक्ला, कुनाल तिवारी, मोनू शुक्ला, राहुल दुबे, आशीष सक्सेना, अभिषेक द्विवेदी, कमल तिवारी, अंशु शुक्ला, राजन तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अमेरिकी टैरिफ घटने पर बांटी मिठाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत टैरिफ किए जाने से प्रसन्न कारोबारियों ने जगह- जगह मिठाई बांटी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। होजरी बिजनेस सेंटर कोपरगंज भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिठाई बांटी गई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व का परिणाम है । भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ेगा जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

कहा कि अमरीका ने पिछले वर्ष 2025 में जुलाई में 25 प्रतिशत व अगस्त में 25 प्रतिशत कुल 50 प्रतिशत टैरिफ भारत पर लगाया था जिससे कानपुर सहित पूरे देश का अमेरिका को होने वाला निर्यात प्रभावित हुआ था।

कानपुर से चमड़ा व रेडीमेड सहित अन्य वस्तुओं का व्यापार प्रभावित हुआ था और भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात लगातार घट रहा था जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ रहा था । इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश आहूजा, जिला युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र, जिला उपाध्यक्ष महेश गंगवानी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल वहीद, जिला उपाध्यक्ष कुंदन शर्मा, जिला मन्त्री सुरेन्द्र जायसवाल, अनुराग जयसवाल, राकेश भाटिया, राजेश रोमानी, सोनू राजपाल, चिराग संतवानी, अंकुर चितवानी, युवा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्र, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश आहूजा व उपाध्यक्ष महेश गंगवानी, मंत्री सुरेन्द्र जायसवाल आदि मौजूद रहे।

मिठाई बांटते कारोबारी। अमृत विचार

आम सूचना

यह आम जनता की जानकारी के लिए है कि कानपुर के नौबस्ता जिले के बाबा नगर स्थित मकान संख्या एनबीटीबीएन/230, जो कि 100 वर्ग गज (83.61 वर्ग मीटर) के भूखंड पर बना है और जिसे अराजी संख्या 230 से अलग किया गया है, श्री पंकज कुमार तिवारी, स्वर्गीय श्री राम ललित तिवारी के स्वामित्व में है। उन्होंने श्रीमती सुमित्रा पांडे और श्री सुशील कुमार तिवारी द्वारा निष्पादित दिनांक 05.02.2025 के उपहार विलेख के माध्यम से उक्त प्राप्त किया था। अब श्री पंकज कुमार तिवारी ने अपने द्वारा ऋण के रूप में दी गई राशि को सुरक्षित करने के लिए उक्त संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखने का प्रस्ताव रखा है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति है, तो वे सात (7) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी संपर्क कर सकते हैं। अन्यथा किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

मृणाल लालचंदानी, वकील
कक्ष संख्या 14 (पहली मंजिल) मोती लाल अधिवक्ता भवन न्यायालय, कानपुर

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

विचार | नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने आईआईटी का दौरा किया

विकसित भारत के लिए योगदान दें : नौसेना प्रमुख

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी मंगलवार को आईआईटी कानपुर पहुंचे। उन्होंने यहां डीप-टेक नवाचार, अनुसंधान तथा रक्षा-संबंधी प्रौद्योगिकी विकास के सशक्त और गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र से संवाद किया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, यहां प्रदर्शित नवाचार की भावना वास्तव में प्रेरणादायक है। आईआईटी कानपुर जैसे संस्थानों में विकसित प्रौद्योगिकियां हमारे देश के सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य को आकार देने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मैं इन स्टार्टअप्स से आग्रह करता हूं कि वे नवाचार की सीमाओं को निरंतर आगे बढ़ाएं और 'विकसित भारत 2047' के विज़न में सार्थक योगदान दें, जहां भारत वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो।

आईआईटी के उप निदेशक प्रो. ब्रज भूषण ने कहा, आईआईटी कानपुर के लिए एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की मेजबानी करना तथा डीप-टेक नवाचार और रक्षा-उन्मुख अनुसंधान में संस्थान के बढ़ते योगदान को प्रदर्शित करना गर्व का विषय है। उनका यह दौरा स्वदेशी एवं मिशन-महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु शिक्षा जगत, स्टार्टअप्स और सशस्त्र बलों के बीच सशक्त सहयोग के महत्व को पुनः स्थापित करता है। भारत की रणनीतिक और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने वाले अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का दौरा किया, जहां सेंटर के मुख्य निवेश अधिकारी अनुराग सिंह, मुख्य परिचालन अधिकारी एवं मुख्य वित्त अधिकारी पीयूष मिश्रा ने उन्हें नवाचार आदि के बारे में बताया। प्रो. दीपु फिलिप ने इन्क्यूबेशन, नवाचार और स्टार्टअप त्वरक रूपरेखा का विस्तृत प्रस्तुतीकरण उनके समक्ष किया। प्रो. दीपु फिलिप ने कहा, सेंटर में हमारा उद्देश्य साहसिक विचारों को ऐसी उपयोग में लाई जा सकने वाली प्रौद्योगिकियों में परिवर्तित करना है, जो भारत की रणनीतिक तैयारी को सुदृढ़ करें।

इस अवसर पर आयोजित विशेष प्रदर्शनी में रक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों में कार्यरत 15 उच्च-प्रभावी डीप-टेक स्टार्टअप्स को प्रदर्शित किया गया। इनमें स्वायत्त प्रणालियां, साइबर सुरक्षा, सामग्री अभियांत्रिकी, ड्रोन तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्र शामिल थे। इस अवसर पर उप निदेशक प्रो. ब्रज भूषण, प्रो. तरुण गुप्ता, एयर मार्शल फिलिप थॉमस आदि रहे।

ड्रोन देखते नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी। अमृत विचार

बस को हरी झंडी दिखाते सीएमओ व अस्पताल के निदेशक व अन्य अधिकारी।

पारस अस्पताल ने मरीजों के लिए शुरू की मुफ्त बस सेवा

कानपुर : विश्व कैंसर दिवस पर पारस हेल्थ कानपुर ने अपनी कानपुर फैसिलिटी में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कैंसर जल्दी पता लगाने, समय पर डायग्नोसिस और समन्वित कैंसर इलाज के महत्व पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरि दत्त नेमी ने अस्पताल की पहल को सराहा। इस अवसर पर मरीजों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू की गई। पारस हेल्थ कानपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर रजत बजाज ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस एक ऐसा शक्तिशाली रिमाइंडर है जो हमें कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता, जल्दी डायग्नोसिस और हर एक मरीज को एक्सपर्ट देखभाल की सुलभता की आवश्यकता को दर्शाता है। पारस हेल्थ कानपुर में हम ऑकोलॉजी सर्विस को एडवांस्ड ट्रीटमेंट ऑप्शन और व्यापक पेशेंट सपोर्ट से मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पारस हेल्थ कानपुर ने अपनी फैसेलिटीज में मरीजों के लिए मुक्त बस सेवा शुरू करने का भी ऐलान किया है। यह सर्विस शुरू कर दी गई। सोमवार से शुक्रवार तक दिन दो ट्रिप्स में चलेगी। यह पूरे कानपुर से हॉस्पिटल तक जितने भी मरीज होंगे सभी को ले आएगी। पारस हेल्थ कानपुर में ऑन्कोलॉजी सेवाओं का नेतृत्व विशेषज्ञों की एक टीम करती है, जिसमें डॉ. एस. के. शर्मा, डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजीडॉ. अजय कुमार सिंह, कंसल्टेंट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी डॉ. कुश पाठक–एसोसिएट डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और डॉ. अलंकृता सिंह –कंसल्टेंट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी शामिल हैं।

Public Notice

I, hitherto know as Ram Lakhan Verma , S/o Chhitanii Ram, R/o at satnyava , Banda satnyoan U.P 210125 have changed my name and shall hereafter be know as L A X M I P R A S A D VERMA.Henceforth, I shall be known as Laxmi Prasad Verma for all purposes.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रोहित कुमार त्रिवेदी पुत्र ओम प्रकाश त्रिवेदी ग्रा.पो. भोजपुर, पर. व थाना सरेनी, तह. लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी पत्नी रश्मि देवी हैं। मेरा बड़ा पुत्र हर्षित त्रिवेदी और पुत्रवधू डाली का व्यवहार काफी खराब है। उसके गलत प्रवृत्ति के कारण दोनों को अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके किसी क्रिया कलाप से मेरा और मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कुछ सरकारी अभिलेखों/पासपोर्ट में भूलवश मेरा नाम राम लक्षमन दर्ज हो गया है। वास्तव में मेरा नाम लक्षमन पुत्र राम लोचन (Lakshmkan s/o Ram Lochan) है। अतः भविष्य में मुझे लक्षमन पुत्र राम लोचन के नाम से जाना व पहचाना जाए। लक्षमन पुत्र राम लोचन निवासी ग्राम–रानीपुर, पोस्ट–रामपुर ग्रांट, जिला–बलरामपुर।

सूचना

मेरा नाम आधार कार्ड नंबर (595678460657) में सकील मोहम्मद दर्ज है जबकि पासपोर्ट नंबर (L9568251) में केवल सकील दर्ज है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है। अतः मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाए। **सकील मोहम्मद उर्फ सकील पुत्र अकबर अली निवासी धुसाह जि. बलरामपुर।**

सूचना

मेरे द्वारा क्रय की गई संपत्ति मकान संख्या सी 3/23, विकासखंड–3, गोमती नगर लखनऊ, का आवंटन पत्र कहीं खो गया है जिसकी L.A.R No- 2026000134898 दिनांक 03.02.2026 है, जिसको कहीं बंधक आदि नहीं किया, इसका उपयोग शून्य होगा, **शिवेंद्र कुमार शुक्ला 9305855463**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम RAM ASARE DUPTA था से बदलकर RAM ASARE GUPTA रख लिया है अब मुझे RAM ASARE GUPTA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAM KETARE GUPTA ADD-VILLAGE-AND POST-VELIYA DIST-GONDA-271124(U.P.)

मौसम बदलने से सरसों व आलू किसानों के माथे पर आया बल

मंगलवार सुबह कोहरे व बारिश से बढ़ीं अन्नदाताओं की मुश्किलें

परियर उन्नाव

अमृत विचारः मंगलवार सुबह से फिर से मौसम में बदलाव का दौर शुरू हो गया। सुबह से आसमान में कोहरा व बादल छाए रहे। कुछ देर बाद बारिश होने लगी। मौसम के बदले मिजाज से अन्नदाता की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

किसानों ने बताया कि क्षेत्र में आलू की खुदाई कुछ दिनों में शुरू होने वाली है। सरसों में भी फलियां आ गई हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक सुबह से आसमान में बादल व कोहरा छाया रहा। मौसम में बदलाव के चलते गेहूं सरसों व आलू किसानों की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। नरेश, गनेश, राम खेलावन, छुन्नू, रमेश आदि किसानों का कहना है कि यदि अब तेज बारिश होती है तो सरसों, आलू व गेहूं की फसल बर्बाद हो जाएगी। तेज हवा से गेहूं व सरसों की फसल गिरने की सम्भवना है। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने बताया कि अगले कुछ दिन और मौसम ऐसे ही रहेगा। सामान्य बारिश से फसलों को कोई नुकसान नहीं होगा। यदि बारिश के साथ तेज हवा व ओलावृष्टि होती है तो सभी फसलों को नुकसान होगा।

तेज हवा व बारिश से गिरी गेहूं की फसल।

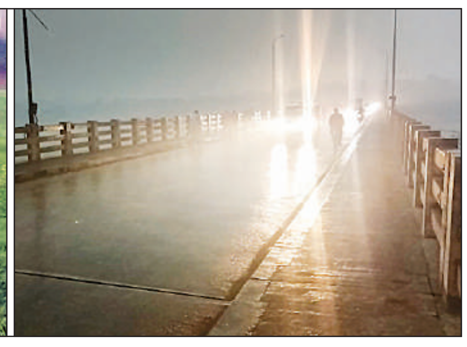

सुबह के समय छाये अंधेरे में लाइट जलाकर निकलते वाहन सवार। ● अमृत विचार

झमाझम बारिश से गेहूं किसानों के चेहरे खिले

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : मंगलवार सुबह अचानक बदले मौसम ने लोगों को चौंका दिया। सुबह से आसमान में घने बादल छाए रहे और करीब साढ़े आठ बजे आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। कुछ देर के लिए दिन में ही अंधेरा छा गया। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं की फसल बढ़वार पर है और बारिश का पानी अमृत के समान साबित हो रहा है। खेतों में नमी बढ़ने से फसल लहलहाने लगी है, जिससे गेहूं उत्पादकों के चेहरे खिल उठे हैं। वहीं दूसरी ओर आलू की फसल तैयार है और कई स्थानों पर खुदाई भी शुरू हो चुकी है। लगातार बारिश से आलू के सड़ने का खतरा बढ़ गया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से सरसों की पकी फसल भी खेतों में गिर गई है। ऐसे में कटाई के दौरान दाने झड़ने की आशंका है। हालांकि चना, अरहर, गोभी, मटर और टमाटर जैसी फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है। उधर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के निचले इलाकों में जलभराव से लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

आंधी-पानी से चरमराई नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) : मंगलवार सुबह आई आंधी-पानी ने नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवा व बारिश के चलते कई स्थानों पर फाल्ट हो गया। जिससे घंटों आपूर्ति बाधित रही। ब्रेकडाउन के कारण नगर के फीडर 2, 3 व मिश्रा कॉलोनी की बिजली सुबह साढ़े आठ बजे बंद हो गई। बारिश थमने के बाद विद्युत कर्मियों ने पेट्रोलिंग कर फाल्ट तलाशा और मरम्मत शुरू की। कुछ क्षेत्रों की आपूर्ति बहाल कर दी गई लेकिन पश्चिमी क्षेत्र में समस्या बनी रही। दोबारा जांच के दौरान गोताखोर मोहल्ले में एचटी केबल दगी मिली। इस पर ट्रांसफार्मर से फ्यूज हटाकर अन्य क्षेत्रों की आपूर्ति चालू की गई। गोताखोर क्षेत्र की बिजली शाम 5 बजे मरम्मत पूरी होने के बाद बहाल हो सकी। लगातार फाल्ट व ब्रेकडाउन से विद्युत कर्मियों को भी खासी मशक्कत करनी पड़ी। उधर ग्रामीण क्षेत्रों में भी आपूर्ति प्रभावित रही।

न्यूज ब्रीफ

मारपीट में मां-बेटे घायल, 4 पर रिपोर्ट

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मंशाखेड़ा निवासी दीदी पत्नी मैकू ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह सात बजे पड़ोसी मन्टानी, रोहित, छोटू पुत्र गयाप्रसाद व गया पुत्र हीरालाल पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इसके बाद महिला बेहोश हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा और आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

उन्नाव, अमृत विचार : माखी थाना व गांव निवासी वंश (18) पुत्र कालीशंकर मंगलवार दोपहर किसी काम से सोहरामऊ कस्बा आया था। तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सोहरामऊ थाना के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उसे नवाबगंज सीएचसी लाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया।

नाबालिग पौत्री पर जेवर ले जाने का आरोप

उन्नाव, अमृत विचार : आसीवन थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी वृद्ध महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वे नाबालिग पौत्री को घर में छोड़कर काम से कुरसठ गई थी। तभी मौका पाकर उसने घर में रखें छोटी बहू के सोने-चांदी के जेवर व बैंक पासबुक लेकर चली गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कल्लूपुरवा गोलीकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कल्लू पुरवा गांव में रविवार रात नशेबाजी का विरोध करने पर अधेड़ को गोली मारने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इधर एसएसपी के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गंगाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि 1 फरवरी को जानकी पत्नी ओमप्रकाश निवासी कल्लूपुरवा ने तहरीर देकर बताया था कि उनके पति ओमप्रकाश को आरोपियों ने गोली मारकर घायल कर दिया। इस संबंध में पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में शिवम, विशाल, विकास व बुद्धीलाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान सोमवार को पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त गुर्रीपुरवा निवासी शिवम पुत्र हेमनाथ, तथा कल्लूपुरवा निवासी विशाल पुत्र श्रीराम को चंदनघाट ढाल के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान शिवम के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस नाल में फंसा हुआ तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा बढ़ाई गई। जिसके बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुये जेल भेजा गया है।

पुलिस गिरफ्त में खड़े आरोपी। ● अमृत विचार

● तमंचा और कारतूस बरामद, अन्य आरोपियों की तलाश के लिये पुलिस दे रही दबिश

सूने घर से चोरों ने पार की नकदी और जेवर

उन्नाव, अमृत विचार : तिलक समारोह में शामिल होने गये किराना व्यवसायी के घर को चोरों ने निशाना बनाकर नगदी व जेवर पार कर दिए। माखी थानाक्षेत्र के कोरारी कलां गांव निवासी ब्रजेश पुत्र गिरजा शंकर गांव से दो किमी आगे चकलवंशी-संडीला मार्ग पर मेथीटीकुर गांव के पास किराना की दुकान किए है। सोमवार शाम वह पत्नी पुष्पा, बेटे आशीष व बहू कोमल के साथ गांव में अपने भतीजे अंकुश के तिलक में शामिल होने गए थे। इसका फायदा उठाकर चोरों ने सुनसान घर पाकर धावा बोल दिया। चोर मकान के पीछे से दीवार फांदकर अंदर दाखिल हुए और मुख्य द्वार की कुंडी अंदर से बंद कर दी। इसके बाद कमरे व बक्से का ताला तोड़कर नगदी व जेवर सहित तीन बोरी गुटखा उठा ले गए। एसओ योगेश सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले जांच की जा रही है।

डीसीएम ने युवक को रौंदा, मौके पर मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः बाबा के घर से लौटते समय सड़क पर लड़ रहे आवारा मवेशियों से बच कर भागे युवक को तेज रफ्तार डीसीएम ने रौंद दिया। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। बाबा की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

अचलगंज थानाक्षेत्र के बदरका गांव निवासी अनुराग दीक्षित का दूसरा मकान गांव के बाहर सड़क किनारे बना है। जहां उसके पिता श्यामसुंदर व छोटा भाई रहते हैं। अनुराग अपनी पत्नी निशी के साथ शिकोहाबाद एक शादी में शामिल होने गया थे। इससे सोमवार रात उसका बेटा दीपांशु (18) छोटे भाई गोलू के साथ बाबा के घर खाना खाने गया था। जहां से दोनों भाई गांव के अंदर वाले घर लौट रहे थे। तभी अचलगंज-बदरका मार्ग पर आवारा मवेशी लड़ रहे थे। जिनसे बचने के लिए गोलू पीछे भाग गया। लेकिन दीपांशु भागते समय सड़क पर गिर गया। तभी आजाद मार्ग चौराहा से आई डीसीएम उसे रौंदते हुए निकल गई। इससे उसकी मौत हो गई। लोगों ने डीसीएम को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन चालक वाहन सहित भाग निकला। कुछ लोगों ने उसका नंबर नोट कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। दीपांशु की मौत से माता-पिता व बाबा का रो-रोकर बुरा हाल रहा। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने परिजनों को ढांढस बंधाया।

दीपांशु का फाइल फोटो। ● अमृत विचार

● आवारा मवेशी से बच कर भागने पर हुआ हादसा

वीडीओ ने उच्चाधिकारियों के नाम पर प्रधान से मांगा चंदा

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचारः हसनगंज ब्लाक मैं तैनात ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान का ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान से उच्चाधिकारियों को देने के लिए प्रतिमाह चंदा मांग रही हैं। जिस पर ग्राम प्रधान ने नाराजगी भी जाहिर की है। हालांकि ऐसे किसी भी वायरल ऑडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

सोमवार को ब्लॉक हसनगंज में ग्राम पंचायत सचिव के पद पर तैनात शिल्पी यादव व ग्राम पंचायत बाराबुजुर्ग ग्राम प्रधान जसवंत सिंह राजपूत के बीच बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा था। इसमें ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान से एडीओ, सीडीओ, डीपीआरओ को चंदा बीडीओ के माध्यम से पहुंचाने की बात कर रही हैं। ग्राम प्रधान ने बताया कि हर दूसरे-तीसरे महीने प्रति ग्राम पंचायत 10 से 12 हजार रुपए उच्चाधिकारियों के नाम से लिए जा रहे हैं। लाखों रुपए इसी में चले जाते हैं तो वे गांव का विकास क्या करेंगे। इसे लेकर बीडीओ हसनगंज ने बताया कि इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मामले की जांच करवाई जाएगी।

● ऑडियो वायरल, बीडीओ ने जानकारी से किया इनकार

पुराने सिक्कों से बच्चों ने जाना उसका इतिहास

उन्नाव, अमृत विचार : कालेज के विद्यार्थियों के लिए पुरानी देश-विदेश की मुद्रा प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबों से निकालकर व्यावहारिक इतिहास, भूगोल व अर्थशास्त्र से रूबरू कराना है। यह बात इंटर कॉलेज थाना के सहायक शिक्षक डॉ. प्रभात सिन्हा ने बच्चों को पुरानी भारतीय व विदेशी मुद्रा कलेक्शन को प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यालय में जानकारी देते हुए बताई। कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्याम सिंह ने कहा कि मुद्राएं केवल पैसे नहीं, बल्कि इतिहास की गवाह होती हैं। इस प्रदर्शनी का लाभ यह है कि बच्चों में संग्रह की प्रवृत्ति विकसित होगी और वे वैश्विक संस्कृतियों के प्रति अधिक जागरूक बनेंगे। इस दौरान बच्चे शिक्षकों से सिक्कों पर अंकित चित्रों, लिपि व ऐतिहासिक इमारतों के बारे में जानते रहे। प्रदर्शनी के दौरान बच्चों के चेहरे पर खुशी थी।

बाढ़ आपदा से बचाव के सिखाए तरीके

परियर उन्नाव

अमृत विचारः सदर तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी के प्रयास से मंगलवार को लखनऊ से आई एनडीआरएफ टीम कमांडर निरीक्षक दीपक कमलिया, कानपुर से एसडीआरएफ टीम कमांडर निरीक्षक अमित भार्गव द्वारा सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित गावों माना बंगला, बाबू बंगला, चंडी बंगला, देवीपुरवा, बंदन पुरवा, ललतु पुरवा, पनपथा के ग्रामीणों को बलखंडेश्वर मंदिर प्रांगण में बाढ़ आपदा से संबंधित जानकारी दी। जिससे वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

राहत व बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपदाओं के दौरान जनहानि कम करना व प्रभावितों को त्वरित सहायता देना है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व राहत बचाव कार्य प्रशिक्षण जागरूकता अभियान योजना से प्राथमिक चिकित्सा (CPR/AED), खोज-बचाव, मलबे से सुरक्षित निकालने व रस्सा तकनीक जैसे कौशल सिखाए जाते हैं। इस दौरान प्राथमिक चिकित्सा जीवन रक्षक सहायता घायल व हताहतों को ले जाने की तकनीकी स्टेचर मलबे से बचाव, बाढ़ पानी में राहत स्विफ्टवाटर रेस्क्यू व आग बुझाने के तरीके सिखाए गए। यह प्रशिक्षण कानूनगो बृजेश दीक्षित, लेखपाल प्रदीप कुमार की मौजूदगी में हुआ।

ग्रामीणों को प्रशिक्षण देते जवान। ● अमृत विचार

● एनडीआरएफ टीम के कमांडर ने ग्रामीणों को बलखंडेश्वर मंदिर प्रांगण में किया जागरूक

माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल में संपन्न हुआ सायोनारा-2026

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : कानपुर-लखनऊ राजमार्ग स्थित ग्रेट गैंजेस एजुकेशन सोसाइटी के अंतर्गत संचालित माउंट लिट्रा जी स्कूल के प्रांगण में सायोनारा-2026 का भव्य आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्था चेयरमैन संतोष गुप्ता व ज्वाइंट सेक्रेटरी कुमार अक्षय ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया। सर्वप्रथम कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के माथे पर तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। 11वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने रैंप वॉक, नृत्य आदि प्रस्तुत कर अपने मन के भावों को प्रदर्शित किया। अंत में बच्चों को उनके द्वारा किये गए कार्यों व प्रस्तुतियों का एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। हर्षित सिंह को मिस्टर एमएलजेडएस व निहारिका वर्मा को मिस एमएलजेडएस घोषित कर उन्हें सम्मानित किया गया। अन्य छात्र-छात्राओं को भी सांत्वना पुरस्कार देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। ज्याइट सिमेट्री कुमार अक्षय ने छात्रों द्वारा संचालित कार्यक्रम की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या दीपमाला सिंह ने छात्र-छात्राओं को जीवन में सकारात्मक विचारों को अपनाने व आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ने का सन्देश दिया।

अतिथियों के साथ एमएलजेडएस मिस्टर एंड मिस हर्षित सिंह व निहारिका वर्मा।

पाक कला में सफीपुर की मालती प्रथम

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः निदेशक मध्याह्न भोजन प्राधिकरण के निर्देशानुसार बीएसए कार्यालय प्रांगण में जिला स्तर पर रसोइया पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें जिले के विभिन्न ब्लॉकों से परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत 30 रसोइयों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ सीडीओ कृति राज ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। डीआईओएस सुनील दत्त, बीएसए शैलेश पांडे सहित सभी निर्णायक मंडल टीम द्वारा रसोइयों द्वारा तैयार किए भोजन को चखा। जिसे रसोइयों ने चिट में निकले मेन्यू के अनुसार निर्धारित समय में तैयार किया था। सभी निर्णायकों ने प्रस्तुतीकरण, भोजन की गुणवत्ता, स्वाद के अनुसार सभी को अंक दिये। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता को 3500 रुपए व प्रमाणपत्र, द्वितीय विजेता को 2500 रुपए व प्रमाणपत्र और तृतीय विजेता को 1500 रुपए व सभी प्रतिभागियों को 300 रुपये व प्रमाणपत्र दिये गए। कार्यक्रम में सफीपुर से मालती ने प्रथम, बांगरमऊ से रानी देवी ने द्वितीय व सिकंदरपुर कर्ण से अनीता ने तृतीय पुरस्कार जीता।

भोजन का अवलोकन करतीं सीडीओ व भोजन चखती निर्णायक मंडल समिति।

● बीएसए कार्यालय में हुई रसोइया पाक कला प्रतियोगिता

सड़क हादसों में वृद्ध सहित चार लोग घायल

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार : अलग-अलग थानाक्षेत्रों में हुए 3 सड़क हादसों में 4 लोग घायल हो गए। माखी थानाक्षेत्र के रैनागढ़ी गांव निवासी खगेश्वर उर्फ जागे (35) मजदूरी करने जा रहा था। तभी शारदा नहर की पुलिया पर अज्ञात वाहन ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। वहीं, सफीपुर कस्बा के मंगल बाजार मोहल्ला निवासी रामबरन (35) बाइक से कस्बे के सराय सूबेदार मोहल्ला निवासी 85 वर्षीय गुरुप्रसाद के साथ आसीवन से लौट रहा था। मुंडा गांव के पास अचानक सामने कुत्ता आने से उसकी बाइक फिसल गई। इसमें दोनों बाइक सवार घायल हो गए। इसके अलावा सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के सकहन राजपूतान गांव निवासी अश्वनी अपने 5 वर्षीय बेटे आर्यन को लेकर गांव के बाहर दुकान जा रहा था। तभी उसकी बाइक फिसल गई। इसमें आर्यन घायल हो गया।

दो माह बाद पकड़ा गया महिला का हत्यारोपी

उन्नाव, अमृत विचार : अचलगंज थानाक्षेत्र के मन्नाखेड़ा गांव में 10 दिसंबर की रात 55 वर्षीय महिला की गोली व धारदार हथियार से हत्या हुई थी। अचलगंज पुलिस को हत्या में शामिल युवक को पकड़ने में करीब दो माह बाद सफलता मिली है। बता दें कि अचलगंज थानाक्षेत्र के मन्नाखेड़ा गांव निवासी राम खेलावन जल निगम में रायबरेली जिला के सलोंन तहसील के मियागंज रानीपारा में ट्यूबवेल आपरेटर है। उसके एक बेटा था जिसकी मौत हो गई थी। गांव के बाहर वह खेत के पास मकान बनाए था। वहां वह पत्नी नगीना (55) के साथ रहता था। 11 दिसंबर की सुबह गांव का एक युवक खेत में पानी लगाने के लिए जीन मांगने पहुंचा तो वहां नगीना का रक्तरंजित शव मिला था। साड़ी अलग पड़ी थी। उसमें भी रक्त के निशान थे। उसकी धारदार हथियार से हत्या किए जाने की आशंका जताई गई थी। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक नगीना की गोली मारकर हत्या की गई थी। इसके साथ ही किसी नुकीली वस्तु के प्रहार से 8 चोटें भी मिली थीं। पति ने ऐसे तो किसी से रंजिश से इंकार किया था लेकिन उसने लालता पुत्र बैजनाथ निवासी बरकोता थाना बंथरा लखनऊ पर शक जताया था। उसने पुलिस को बताया था कि लालता का गांव में कई लोगों के यहां आना जाना था। वह शराब का लती व आपराधिक प्रवृति का था। इससे राम खेलावन ने उसे अपने घर आने से रोका था। इसी से वह खुन्नस रखता था। पुलिस ने जांच की तो लालता घटना वाले दिन से लापता था। सोमवार को पुलिस ने उसे आगरा एक्सप्रेस-वे के अंडर पास से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। उसके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद हुआ है।

सेल्समैन के सूने घर से लाखों के जेवरात पार

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी चौकी अंतर्गत चंपापुरवा मनसुख खेड़ा निवासी जय कुमार ठाकुर सेल्समैन हैं। उनकी पत्नी ऊषा ने बताया कि सोमवार शाम पौने छह बजे वह मिश्रा कॉलोनी स्थित मायके गई थी और घर के मेनगेट पर ताला लगा दिया था। बेटी भी काम पर गई थी। जिससे घर खाली था। रात आठ बजे पति के आने के समय उन्होंने बहनोई कमलेश को चाबी देकर घर भेजा। वहां पहुंचने पर मेन गेट का ताला टूटा मिला। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तो आलमारी का लॉकर भी टूटा था। पीड़िता के अनुसार चोर दो सोने की अंगूठी, तीन नाक की कील, नथ, मांग बेंदी, सोने का लॉकेट, चांदी की चेन व लॉकेट व 24 चांदी के घुंघरू समेत करीब 5 लाख के जेवर ले गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ संदिग्ध कैद हुए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। कोतवाल अजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। दो टीमें लगाई गई हैं।

● आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए कुछ संदिग्ध

मादक पदार्थ के तस्कर को 14 साल की सजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : मादक पदार्थ के तस्कर को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए 14 साल की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 1 लाख जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने 9 अगस्त-2023 को चेकिंग के दौरान अजय पाठक पुत्र सुनील निवासी पठखौली लम्भुवा जिला सुलतानपुर को रोका था। इस दौरान उसका एक साथी भाग निकला था। तलाशी में पुलिस को उसके वाहन से 1 कुंतल 500 ग्राम गांजा मिला था। पूछताछ में उसने मादक पदार्थ की तस्करी करने की बात स्वीकारी थी। इस पर पुलिस ने उस पर एनडीपीएस एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा था। तत्कालीन एसआई गंगाघाट गया प्रसाद ने जांच के बाद साक्ष्य एकत्र कर 19 अगस्त-2023 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। इस दौरान आरोपी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत की अर्जी दी लेकिन कोर्ट ने उसे अस्वीकार कर दिया। मंगलवार को एडीजे-7 की कोर्ट में मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। इसमें शासकीय अधिवक्ता विनय प्रकाश शुक्ला की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर ने अजय पाठक को दोषी ठहराते हुए 14 साल की सजा सुनाई।

● न्यायालय ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

मोबाइल कोर्ट

विकास भवन सभागार में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए मोबाइल कोर्ट का आयोजन हुआ

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन ने सुनीं दिव्यांगों की शिकायतें

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः राज्य आयुक्त दिव्यांग जन हिमांशु झां की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण हेतु मोबाइल कोर्ट का आयोजन हुआ। इसमें राज्य आयुक्त ने कहा कि दिव्यांगजनों की शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण हो, दिव्यांगों को कहीं परेशान न होना पड़े इसलिए मौके पर पहुंचकर मोबाइल कोर्ट का अयोजन कर शिकायतों को सुना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को राशन कार्ड, आयुष्मान, अंत्योदय कार्ड व पेंशन में कोई भी दिक्कत न हो और उन्हें समय से सभी सुविधाएं मिल जाएं। उपकरण का वितरण भी प्राथमिकता से होता रहे। दिव्यांग के क्षेत्र में सरकार की जो योजनाएं चल रही हैं उनका लाभ दिव्यांगों को मिले यही मोबाइल कोर्ट के आयोजन का उद्देश्य है। दिव्यांग सुभाष तिवारी ने अंत्योदय राशन कार्ड व आवास, रेनू देवी ने जमीन संबंधी प्रकरण के बारे में बताया। इसी प्रकार सोनी ने राशन कार्ड व ट्राई साइकिल खराब होने, मिथिलेश कुमारी ने आवास, मदन ने आयुष्मान व राशन कार्ड, कुसुम कुमारी ने आवास व शौचालय, मनोज कुमार ने आवास की मांग की। जिसे आयुक्त ने संबंधित अधिकारी को समय से निस्तारण करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने सीएमओ को निर्देश दिये कि दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने में कोई भी दिक्कत न हो।

जिला पूर्ति अधिकारी से कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों के राशन व अंत्योदय कार्ड समय से बन जाएं। कहा कि सभी अधिकारी प्रार्थना पत्रों के साथ जरूरी कार्रवाई करें। अंत में आयुक्त ने दो दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर और प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड देकर आश्वासन दिया कि सभी शिकायतों पर गंभीरत से निर्णय लिया जाएगा।

इस मौके पर एडीएम सुशील कुमार गोंड, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, ज्योति जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी व अन्य अधिकारी व जिले की तहसीलों से आए बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे।

विकास भवन सभागार में संबोधित करते राज्य आयुक्त दिव्यांग जन हिमांशु झां।

सीओ ने दो थानाध्यक्षों के साथ देखी एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा, दिये निर्देश

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचारः सीओ संतोष सिंह ने मंगलवार को कोतवाली बांगरमऊ व बेहटा थाना प्रभारी के साथ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे व निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने प्रभारियों से दोनों एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के खड़े करने पर रोक लगाने व सुरक्षा हेतु सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय व बेहटा मुजावर थाना प्रभारी मुन्ना कुमार के साथ एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पीआरवी पुलिस को लगातार गश्त करने व संदिग्ध गतिविधियां भांपते ही कार्रवाई के आदेश दिए।

बस व ट्रक की भिड़ंत में 10 सुअरों की मौत

औरास उन्नाव, अमृत विचार : लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर इनायतपुर बर्रा गांव के सामने बस व ट्रक में भिड़ंत होने से ट्रक में सवार 10 सुअरों की मौत हो गई और बस में बैठी कुछ सवारियां घायल हो गईं। एसओ संजीव कुशवाहा ने बताया कि बस में सवार एक घायल को ट्रामा सेंटर भेजा गया है।

सूचना

मेरा नाम **रंजीत** पुत्र बेचे लाल निवासी ग्राम हसनापुर पोस्ट हसनगंज एवं थाना हसनगंज जनपद-उन्नाव को अब से रंजीत गौतम के नाम से जाना एवं पहचाना जायें।

अमृत विचार

बुधवार, 4 फरवरी 2026

व्यापार समझौता

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा से उत्साह लाजिमी है तो सवाल भी। इस डील को कुछ हलकों में 'भारत की कूटनीतिक जीत' और 'अमेरिका के झुकने' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, परंतु अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हर निर्णय ठोस सामरिक और आर्थिक गणनाओं का परिणाम होता है, न कि भावनात्मक। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाने के पीछे कई कारक हैं। भारत–यूरोपीय संघ के हालिया समझौते और उससे पहले ब्रिटेन के साथ एफटीए ने यह संकेत दिया कि भारत वैश्विक व्यापारिक मानचित्र पर सक्रिय है। हमारी सक्रिय कूटनीति ने वाशिंगटन को संदेश दिया कि नई दिल्ली बहुध्रुवीय संतुलन साधने में सक्षम है, तो अमेरिका के लिए चीन के विकल्प के रूप में उभरते विनिर्माण केंद्र के संदर्भ में भारत को साथ रखना रणनीतिक आवश्यकता बनी।

18 फीसदी टैरिफ से बाजार में अल्पकालिक उत्साह संभव है, पर दीर्घकालिक लाभ इस पर निर्भर करेगा कि गैर-टैरिफ बाधाएं कितनी कम होती हैं और सप्लाई चेन कितनी स्थिर रहती है। टेक्सटाइल, लेदर और मरीन उत्पाद जैसे श्रमप्रधान क्षेत्रों को कुछ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है, जीडीपी वृद्धि दर में बढ़ोतरी संभावित है पर वह तभी साकार होगा, जब निवेश, निर्यात और विनिर्माण क्षमता समानांतर रूप से बढ़ें। रूस से तेल आयात भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न है। भारत ने अब तक 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति अपनाई है- न तो पूर्ण निर्भरता, न पूर्ण परहेज़। इसे शून्य पर लाना न आर्थिक रूप से सरल है, न कूटनीतिक रूप से व्यावहारिक। इसी प्रकार अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए भारतीय बाजार खोलना एक संवेदनशील विषय है। भारत का कृषि क्षेत्र आजीविका से जुड़ा प्रश्न है; अतः किसी भी रियायत का घरेलू राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव गंभीर होगा। 500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद का दावा वर्तमान व्यापार आंकड़ों 2024 में मात्र 212 अरब डॉलर द्विपक्षीय व्यापार के संदर्भ में अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में अक्सर नेतृत्व घरेलू दर्शकों को ध्यान में रखकर बड़े आंकड़े प्रस्तुत करता है। इस समझौते के इर्द-गिर्द सबसे अधिक अस्पष्टता दोनों पक्षों यानी ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बयानों में अंतर को लेकर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा और अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य करेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी कोई सार्वजनिक प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं की। यह अंतर बताता है कि राजनीतिक बयान और औपचारिक समझौते में भेद होता है।

जब तक संयुक्त बयान और विस्तृत मसौदा सार्वजनिक न हो, तब तक इन दावों को अंतिम सत्य मानना जल्दबाजी होगी। हम अपने दीर्घकालिक हितों- रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू उद्योग संरक्षण को सुरक्षित रखना चाहते हैं, जबकि अमेरिका के लिए यह उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को सशक्त साझेदार बनाना चाहेगा। जब तक विस्तृत समझौता सार्वजनिक न हो, तब तक विवेकपूर्ण प्रतीक्षा ही सर्वोत्तम नीति है। राजनीतिक बयान सुर्खियां बना सकते हैं, पर राष्ट्रहित का मूल्यांकन तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

भारत में बढ़ रहा है कैंसर का दायरा

पिछले 20 सालों में दुनिया भर में कैंसर के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। लैंसेट की नवीनतम ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ रिपोर्ट के अनुसार, जहां वैश्विक स्तर पर कैंसर की घटनाएं और मृत्यु दर में कमी आ रही है, वहीं भारत में इन मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में भारत में अनुमानित 15 लाख नए कैंसर मामले और 12 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं।

वैश्विक स्तर पर कैंसर की घटनाओं की दर 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 220.6 से घटकर वर्ष 2023 में 205.1 हो गई और वर्ष 2025 तक यह आंकड़ा 192.9 तक पहुंचने का अनुमान है, हालांकि जनसंख्या वृद्धि और उम्र बढ़ने के कारण वर्ष 2050 तक कैंसर के कुल मामलों और मृत्यु की संख्या में तीव्र वृद्धि की संभावना है। भारत में कैंसर की घटनाओं की दर वर्ष 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 84.8 से बढ़कर वर्ष 2023 में 107.2 हो गई, जबकि इसी अवधि में मृत्यु दर 71.7 से बढ़कर 86.9 प्रति एक लाख तक पहुंच गई।

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों पर असमान रोग भारः अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि भारत जैसे निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में कैंसर के नए मामलों में से आधे से अधिक और दो तिहाई मृत्यु होने का अनुमान है। वैश्विक स्तर पर लगभग 42% कैंसर मृत्यु तंबाकू, शराब, अस्वस्थ आहार और संक्रमण जैसे परिवर्तनीय जोखिम कारकों से जुड़ी हैं। भारत में इन कारकों से संबंधित मृत्यु की हिस्सेदारी लगभग 70% तक हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक विश्वभर में लगभग 3.05 करोड़ नए कैंसर मामले सामने आ सकते हैं, जबकि कैंसर से होने वाली मृत्यु में 75% की वृद्धि होकर यह संख्या 1.86 करोड़ तक पहुंच सकती है। भारत में कैंसर से मृत्यु के प्रमुख कारण स्तन, फेफड़े, ग्रासनली/अन्ननली है। आईएआरसी के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में लगभग दो करोड़ कैंसर के नए मामले सामने आए और कैंसर की वजह से 97 लाख लोगों की मौत हुई। अकेले भारत में 1,413,316 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें महिला रोगियों का अनुपात अधिक है।

एक अनुमान के अनुसार साल 2025 तक दुनिया भर में किसी न किसी प्रकार के कैंसर से पीड़ित लोगों की संख्या दो करोड़ तक पहुंच सकती है। भारत में कैंसर के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं तथा आनुवंशिक, जीवनशैली, आहार, पर्यावरण और स्वास्थ्य देखभाल कारकों के जटिल अंतर्संबंध के कारण कुछ प्रकार के कैंसर अधिक प्रचलित हो रहे हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि युवा भारतीय भी उन कैंसरों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जो पारंपरिक रूप से वृद्ध आबादी को प्रभावित करते रहे हैं।

जागरूकता की कमी, देर से निदान और सामाजिक कलंक के कारण परिणाम और भी बदतर होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे औषधि विज्ञान ने वैक्सीन के ज़रिए कई बीमारियों को रोकने में सफलता पाई है, वैसे ही यह आशा भी जगी है कि इनके ज़रिए कैंसर का इलाज भी संभव हो पाएगा। इस दिशा में तरक्की की ख़बरें भी आ रही हैं। अप्रैल 2024 में ब्रिटेन में पहली बार ट्रायल के तौर पर मेलानोमा कैंसर वैक्सीन मरीज़ों को दी गई। फेफड़ों के कैंसर से लड़ने के लिए बनाई गई एक वैक्सीन का सात देशों में प्रयोग या ट्रायल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं फ़्लोरिडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी वैक्सीन बनाई है, जिससे सबसे सामान्य किस्म के ब्रेन कैंसर की रोकथाम हो सकती है।

मैं उस समाज में रहता हूं, जहां बड़े घरों में छोटे लोग रहते हैं और छोटे घरों में बड़े लोग।

–सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

भारत-अमेरिका टैरिफ डील और कुछ जरूरी सवाल

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

सोमवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भारत–अमेरिका रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने भारत पर लगाया टैरिफ घटाकर 18% कर दिया है और बदले में भारत रूस से तेल खरीद बंद करने, अमेरिका से ज़्यादा तेल खरीदने और 500 अरब डॉलर तक की 'बाय अमेरिकन' खरीद के लिए राज़ी हो गया है। कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर धन्यवाद संदेश लिखा।

पहली नज़र में यह बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत जैसी लगी। शेयर बाज़ारों ने राहत की सांस ली, रुपया संभला और उद्योग जगत में उम्मीद जगी, लेकिन जैसे-जैसे विवरण सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। यह समझौता कम, राजनीतिक संकेत ज़्यादा लगता है और शायद यही वजह है कि इस वक्त भारत को उत्सव से ज़्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25% रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। अगस्त में रूस से तेल खरीदने के कारण अतिरिक्त 25% 'पेनल्टी टैरिफ' जोड़ दिया गया- यानी कुल 50%। अब रूस वाला 25% हटाया जाएगा और कुल टैरिफ 18% रह जाएगा। सुनने में यह बड़ी राहत है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। कपड़ा, चमड़ा, जूते और आभूषण जैसे श्रम-प्रधान सेक्टर इस टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। अक्टूबर में निर्यात करीब 12% गिर चुका था और व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इस लिहाज़ से 18% टैरिफ भारतीय निर्यातकों के लिए ऑक्सीजन जैसा है। कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इससे 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.2–0.3 प्रतिशत अंक बढ़ सकती है।

> भारत–अमेरिका टैरिफ डील के विवरण जैसे–जैसे सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। भारत के लिए उत्सव से ज्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

सवाल यह भी है कि इसके बदले भारत ने वास्तव में क्या-क्या मान लिया? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर तीन बड़े दावे किए- भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा, भारत अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य तक ले जाएगा और भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर से ज़्यादा का सामान खरीदेगा, जिसमें ऊर्जा, टेक, कृषि और कोयला शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी के संदेश में इन तीनों में से किसी बात की पुष्टि नहीं है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर टैरिफ घटा है और साझेदारी नई ऊंचाइयों तक जाएगी। भारत द्वारा रूसी तेल पूरी तरह बंद करने के दावे पर संदेह है। दरअसल 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत सस्ते रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था। हाल के महीनों में आयात कुछ घटा ज़रूर है, लेकिन भारत–रूस रणनीतिक रिश्तों को देखते हुए इसे पूरी तरह खत्म करना बेहद मुश्किल है।

ट्रंप का दूसरा बड़ा दावा है- 500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद। ज़रा आंकड़े देखिए। 2024 में भारत–अमेरिका कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 212 अरब डॉलर था। उसी साल भारत ने अमेरिका से सिर्फ 41.5 अरब डॉलर का सामान खरीदा और सेवाओं का आयात करीब 41.8 अरब डॉलर रहा- यानी कुल मिलाकर लगभग 83 अरब डॉलर। अब सोचिए- 83 अरब से सीधे 500 अरब डॉलर। लगभग 500% की छलांग।

जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा सभी टैरिफ शून्य करना असंभव सा लगता है, खासकर कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। भारत का इतिहास बताता है कि वह दोहा दौर से लेकर अब तक कृषि बाज़ार खोलने में हमेशा बेहद सतर्क रहा है। संभावना यही है कि भारत कुछ चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाएगा, जिसे ट्रंप घरेलू राजनीति में 'जीरो टैरिफ' की बड़ी जीत की तरह पेश करेंगे।

यह समझौता सिर्फ व्यापार नहीं, भू-राजनीति से भी जुड़ा है। अगर भारत सचमुच रूसी तेल से दूरी बनाता है और अमेरिकी ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाता है, तो इसका सीधा असर उसकी रणनीतिक स्वायत्तता- वह नीति, जिसके तहत भारत किसी एक गुट में पूरी तरह नहीं बंधता, पर पड़ेगा। कांग्रेस ने भी इसी बिंदु पर सवाल उठाया है- क्या भारत धीरे-धीरे अमेरिकी खेमे की ओर झुक रहा है? यह भी याद रखना चाहिए कि हाल ही में भारत ने यूरोपीय संघ से ट्रेड डील की और उससे पहले ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया। माना जा रहा है कि इन्हीं समझौतों ने ट्रंप पर भारत के साथ जल्दी सौदा करने का दबाव बनाया।

इस घोषणा से रुपये, शेयर बाज़ार और बॉन्ड मार्केट पर लटकी अनिश्चितता की तलवार ज़रूर हटी है। निवेशकों को संकेत मिला है कि अमेरिका–भारत रिश्तों में ठंडापन कम होगा, लेकिन ज़मीनी स्तर पर सवाल बने हुए हैं। अगर भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए दरवाज़े खोलता है, तो इसका असर घरेलू किसानों पर पड़ेगा। सस्ती अमेरिकी दालें, मक्का या डेयरी उत्पाद भारतीय कृषि बाज़ार को झटका दे सकते हैं। अगर 'बाय अमेरिकन' नीति के तहत बड़े पैमाने पर आयात बढ़ता है, तो भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर पर दबाव आ सकता है।

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि यह डील ट्रंप और मोदी की 'मज़बूत दोस्ती' का नतीजा है और कुछ तकनीकी दस्तावेज़ों पर जल्द दस्तखत होंगे। यही सबसे अहम बात है। अभी तक कोई संयुक्त लिखित समझौता सार्वजनिक नहीं हुआ है, इसलिए जब तक यह साफ़ न हो जाए कि किन उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, समय-सीमा क्या होगी, कृषि जैसे संवेदनशील सेक्टर शामिल होंगे या नहीं और रूस से तेल पर भारत की वास्तविक प्रतिबद्धता क्या है, तब तक इसे अंतिम समझौता नहीं, बल्कि एक राजनीतिक घोषणा ही माना जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम को अगर एक वाक्य में समेटें, तो यही कहा जा सकता है- भारत को जश्न मनाने में जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए। 18% टैरिफ निश्चित रूप से राहत है। इससे निर्यात को सहारा मिलेगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, लेकिन 500 अरब डॉलर की खरीद, शून्य टैरिफ और रूसी तेल पर कथित प्रतिबद्धता- ये सब अभी दावों के स्तर पर हैं। असली पेंच डिटेल में छिपा है।

आमने सामने

माता–पिता अक्सर वही कफ सिरप बच्चों को दे देते हैं, जो वे खुद के लिए लाते हैं। इनमें कोडीन जैसे केमिकल होते हैं, जिनका ओवरडोज जानलेवा साबित हुआ। दवाई खराब होने से कोई डेथ नहीं हुई है। इस मामले में कोई बड़ी संख्या में मौतें नहीं हुई हैं।

–गजेंद्र सिंह खिमसर
स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान सरकार

जब मंत्री खुद मान रहे हैं कि मौतें हुई हैं, तो इसकी गंभीरता को समझना चाहिए। जिस कंपनी की दवा पर सवाल उठ रहे हैं, वह कई जगह ब्लैकलिस्ट भी हुई है। मुमकिन है कि दवा पहले ठीक हो और बाद में उसकी गुणवत्ता खराब हो गई हो।

–टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष
राजस्थान सरकार

टूरिज्म कंट्री का सरताज बनने की तरफ भारत

अजय दयाल
हल्द्वानी

जब हम टूरिस्ट की बात करते हैं, तो जेहन में उनका घूमना-फिरना और मौज-मस्ती ही आती है, जबकि पर्यटन या पर्यटक का अर्थ व्यापक है। इनमें देशी-विदेशी ऐसे लोग भी आ जाते हैं, जो अपने व्यवसाय को किसी अन्य देश या राज्य में स्थापित करने अथवा विकसित करने की मंशा से यात्रा करते हैं। स्वाभाविक है, यात्रा करेंगे तो होटल, खानपान, घूमना-फिरना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बनेंगे। जहां हम पर्यटन को चिकित्सा और धार्मिक पर्यटन की भी संज्ञा देने लगे हैं, वहीं बिजनेस टूरिज्म भी इसमें जोड़ लेना चाहिए। संभवतः टूरिस्ट शब्द की इसी व्यापकता को ध्यान में रखते हुए हुए ही केंद्रीय बजट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं।

ताजा घोषणाओं के अनुसार, देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाना है। साफ है कि इसके पीछे सरकार की मंशा इंडिया को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन और ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाना है। बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट में 2,438.40 करोड़ रुपये दिए गए हैं। लक्ष्य है कि 2047 तक 10 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आएं। 2034 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 43.25 लाख करोड़ रुपये तक हो सकता है। ऐसा हुआ तो हमारा देश 6.3 करोड़ लोगों को रोजगार देने में सक्षम बनेगा। पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म स्टैटिक्स रिपोर्ट देखें, तो पाएंगे कि इंडिया में हर साल करीब एक करोड़ विदेशी पर्यटक आते हैं, जिनमें से 6–7 फीसद बौद्ध पर्यटक होते हैं, इसीलिए बजट का फोकस अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट के विकास पर है।

> देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाना है।

वहीं धार्मिक पर्यटन को और गति देने के मद्देनजर टेंपल सिटी के तौर पर पहचाने जाने वाले शहरों में बुनियादी सुविधाएं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित की जानी है। इसमें उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा, जम्मू-कश्मीर का जम्मू, उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे शहरों पर फोकस होगा। वहीं दक्षिण में तमिलनाडु के मदुरै और कांचीपुरम, कर्नाटक का हम्पी, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, ओडिशा का भुवनेश्वर और पुरी को विकसित किया जाना है। इसी तरह पश्चिम बंगाल का बिश्नुपुर, मध्य प्रदेश का उज्जैन और खजुराहो, गुजरात का द्वारका और महाराष्ट्र का पंढरपुर शामिल रहेगा।

दिलचस्प तो यह है कि सरकार के थिंक टैंक ने पर्यटन उद्योग को इस बार गति देने को फुलप्रूफ योजना तैयार की है। बकायदा भारतीय पर्यटन स्थलों का डिजिटल डेटा तैयार होगा। इससे ऑनलाइन रिसर्च करने वाले विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे। उन पर्यटकों का भी योजना में ध्यान रखा जाएगा, जिनकी दिलचस्पी इतिहास जानने-समझने में होती है। ऐसे में पुरातात्विक स्थलों को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन स्थल बनाया जाएगा। इनमें लोथल, धोलावीरा, राखीगढ़ी, सारनाथ, लेह पैलेस, आदिचनल्लूर, हस्तिनापुर जैसे देश के 15 पुरातात्विक स्थल एक्स्पीरियंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन्स के रूप में विकसित होंगे।

स्पष्ट है कि टूरिज्म को लेकर ऐसी योजनाओं, व्यवस्थाओं से स्थानीय स्तर पर भी शोधार्थियों, इतिहासकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय हस्तशिल्प, होम-स्टे और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़ेंगे। टूरिज्म का एक और भाग महत्वपूर्ण है। वह है एडवेंचर टूरिज्म। केवल एडवेंचर के लिए ही दुनिया भर में अपना पसंदीदा स्थान तलाशने वाले भी कम नहीं। सरकार की सोच इसी को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में माउंटेन ट्रेल्स (ट्रैकिंग के रास्ते) विकसित किए जाने की है। स्वाभाविक है इसे एडवेंचर टूरिज्म के तौर पर प्रचारित किया जाएगा। पूर्वी घाट के अरकू वैली और पश्चिमी घाट के पोधीगई मलई जैसे दुर्गम क्षेत्र भी माउंटेन ट्रेल्स बनेंगे। वहीं, ओडिशा, कर्नाटक और केरल में टर्टल ट्रेल्स बनेंगे। इन दूरगामी विकास योजनाओं से पर्यावरण संरक्षण भी होता रहेगा।

बजट में विदेशी सैलानियों के लिए भी जिस तरह उनके टूअर पैकेज टैक्सेज में सुविधा दी गई है, उससे भी सरकार की दूरगामी टूरिज्म मॉडल की गंभीरता समझ में आती है। ट्रैकिंग पर्यटन की अपार संभावनाओं को विकसित कर विदेशी सैलानियों को आकर्षित किया जाना है। खासकर जो पर्यटको की पहुंच से बहुत दूर हैं, उन्हें विकसित करने की योजना बजट में है। इस तरह दूरस्थ ग्रामीण स्थान जो लोकल लोगों के लिए महज एक पिछड़ा गांव हैं, पर्यटक स्थल बन जाएंगे।

अगर यह योजना पूरी तरह से मूर्त रूप ले लेगी, तो इससे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जिससे तमाम शहरों और गांवों की भी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। फिर ग्रामीणों को भी घर बैठे रोजगार मिलेगा। अब सरकार की मंशा और बजट के उद्देश्यों को कितना जमीन पर उतारा जाएगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

सोशल फोरम

नन्हें मेहमान के लिए थम गया ट्रैफिक

थाईलैंड में सामने आया एक दृश्य केवल एक खबर नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया के दिलों को जोड़ देने वाला ऐसा पल बन गया, जिसने यह याद दिला दिया कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है। हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही, तेज़ ट्रैफिक के बीच एक चलती गाड़ी में जीवन ने जन्म ले लिया और कुछ ही सेकंड में वह सड़क एक साधारण रास्ता नहीं, बल्कि उम्मीद और संवेदना का मंच बन गई।

अंकित भारद्वाज
ब्लॉगर

जैसे ही गाड़ी में डिलीवरी होने की खबर फैली, ट्रैफिक थम सा गया, हॉर्न की आवाज़ें ख़ामोश हो गईं और हर दिशा से लोग मदद के लिए दौड़ पड़े, मानो सभी एक ही परिवार का हिस्सा हों। मां पहले घबराई हुई थीं, दर्द, डर और अनिश्चितता उनके चेहरे पर साफ़ झलक रही थी, लेकिन उसी पल जब उन्होंने अपने बच्चे की पहली आवाज़ सुनी, तो वही चेहरा खुशी के आंसुओं से भर उठा।

वह पल ऐसा था, जहां डर ने हार मान ली और ममता ने जीत हासिल कर ली, जहां आंसू तकलीफ के नहीं बल्कि जीवन की जीत के थे। सड़क पर खड़े अजनबी लोग अचानक अपने नहीं रहे, वे सब उस नवजीवन के स्वागत में शामिल हो गए, किसी ने पानी दिया, किसी ने कपड़ा, तो किसी ने बस दुआएं। ट्रैफिक जाम उस दिन बाधा नहीं बना, बल्कि वह एक ऐसी व्यवस्था बन गया, जिसने एक मां और बच्चे को सुरक्षा की चादर में लपेट लिया।

जब बच्चे की रोने की आवाज़ गूंजी, तो वह केवल एक शिशु की पुकार नहीं थी, वह इंसानियत की जीत की घोषणा थी। उस मां की घबराहट पल भर में गर्व और खुशी में बदल गई और उसकी मुस्कान ने वहां मौजूद हर आंख को नम कर दिया। आगे जो हुआ, वह दृश्य कैमरे में कैद ज़रूर हुआ, लेकिन उसका असर सीधे दिलों में उतरा, क्योंकि कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें शब्द नहीं, सिर्फ़ महसूस किया जा सकता है।

यह घटना हमें सिखाती है कि जीवन कभी भी, कहीं भी, किसी भी हालात में जन्म ले सकता है और इंसानियत अगर साथ हो तो हर रास्ता अस्पताल बन सकता है। दुनिया चाहे कितनी भी तेज़ क्यों न भाग रही हो, कुछ पल ऐसे होते हैं, जहां समय खुद रुककर जीवन को सलाम करता है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

समानता व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगी महिलाएं

किसी भी देश के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। महिलाएं न केवल परिवार की आधारशिला होती हैं, बल्कि वे समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय योगदान देती हैं। इसके बावजूद लंबे समय तक महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक अवसरों में समानता नहीं मिल पाई। इसी असमानता को दूर करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा बनाए जाने वाले बजट में महिलाओं की विशेष आवश्यकताओं और सशक्तिकरण पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 का यूनियन बजट इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

भारतीय समाज में आज भी महिलाओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा में असमानता, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार के सीमित अवसर, वेतन में भेदभाव, घरेलू हिंसा और सुरक्षा की समस्याएं आज भी गंभीर मुद्दे हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति और भी दयनीय है। ऐसे में महिला-अनुकूल बजट की आवश्यकता इसलिए महसूस होती है, ताकि महिलाओं को समान अवसर प्रदान किए जा सकें, उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हो, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा मिले, आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिले तथा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। भारत सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना', 'मुद्रा योजना', 'मिशन शक्ति' जैसी अनेक योजनाएं शुरू कीं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिलता है। ये योजनाएं महिला-अनुकूल बजट की भावना को मजबूत करती हैं।

प्रो . नीलिमा गुप्ता
पूर्व कुलपति

महिलाओं को स्थाई उद्यम, बेहतर फाइनेंसिंग और सीधे बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए शी (सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर) मार्ट स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिससे महिलाऐं टिकाऊ उद्यमिता की और अग्रसर हो सकेंगी और नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा। 'लखपति दीदी योजना' का विस्तार, महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिया के लिए प्रोत्साहन एक सार्थक पहल है। यह घोषणाएं समाज में अवश्य ही बदलाव लाएंगी। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों वर्गों की महिलाओं को सामान अवसर मिलेगा।

दूर-दराज से पढ़ने की लिए आने वाली छात्राओं और कामकाजी महिलाओं की लिए हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खुलने से बहुत रहत मिलेगी। छात्राओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए नए शहर में रुकने की बहुत बड़ी समस्या होती है, इस समस्या के निदान के लिए यूनियन बजट द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए हर जिले में (८००) गर्ल्स हॉस्टल खुलने से छात्रों के सपनों को पंख लगेंगे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें महिला-अनुकूल बजट की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वयं सहायता समूहों, मुद्रा ऋण, स्टार्ट-अप योजनाओं और महिला उद्यमिता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाएं घरेलू उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित व्यवसाय और सेवा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रही हैं। इससे स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और 'लोकल से ग्लोबल' की अवधारणा साकार होगी।

यह स्पष्ट है कि महिला-अनुकूल बजट आत्मनिर्भर भारत का सहायक नहीं, बल्कि उसका मूल स्तंभ है। महिलाओं के बिना आत्मनिर्भर भारत की कल्पना अधूरी है। सशक्त महिला ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखती है। महिला-अनुकूल बजट केवल एक आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

यह भी एक रोचक तथ्य है कि जिस प्रकार नगर कला पिछली सदियों में अनेक कला आंदोलनों एवं वैचारिक द्वंद्वों से गुजरती हुई अपने समकालीन रूप तक पहुंची है, इसी प्रकार लोक–आदिवासी कला भी अनेक धार्मिक–सामाजिक परिस्थितियों से गुजरती हुई अपने वर्तमान रूप तक पहुंची है। डब्ल्यूजी आर्चर, वेरीयर एल्विन एवं अन्य विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए पश्चिम बंगाल के पटुआ पटचित्र, ओडिशा के जात्री पटचित्र, महाराष्ट्र के चित्रकथी पोथी चित्र, सौंरा आदिवासियों के इडीतल भित्ति चित्र एवं बिहार के मधुबनी के भित्तिचित्र आदि के जो पुराने नमूने हैं, वे उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध अथवा बीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों के हैं। इनका स्वरूप वर्तमान में इन्हीं शैलियों के प्रचलित लोक चित्रों से बहुत भिन्न है।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

आदिवासी लोक चित्रकला को देखने का बदलना होगा नजरिया

आदिवासी लोक चित्रकला का व्यवसायीकरण- आदिवासी लोक चित्रों का एक रूप सन् 1960 के दशक में तब सामने आया, जब पारंपरिक लोक-आदिवासी चित्रकला के व्यवसायीकरण के प्रयास आरंभ हुए। उस समय पहली बार आदिवासी लोक चित्रकला में बाहरी विद्वानों द्वारा वैचारिक हस्तक्षेप आरंभ हुआ। पारंपरिक लोक चित्रकारों को यह समझाया गया कि उन्हें दीवार के बजाय कागज पर चित्रकारी करनी है तथा नए विषयों को सीमित आकार में चित्रित करने का प्रयास करना है। कुछ ही समय में सामग्री और तकनीक भी बदलवाई गई। इन प्रयासों के साथ ही पारंपरिक आदिवासी लोक चित्रकला के स्वरूप में बड़ी तेजी से परिवर्तन हुए। इससे पहले तक इसमें सामूहिकता एवं परंपरा के निर्वाह और उसकी पवित्रता तथा परिशुद्धता का महत्व सर्वोपरि था। लोक चित्रकार की व्यक्तिगत प्रतिभा और कल्पनाशीलता का स्थान गौण था। लोक चित्रकार की हेसियत पिंजरे में बंद पक्षी जैसी थी, परंतु अब उसे अपने पर खोलने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

सन 1960 के दशक तक की आदिवासी लोक चित्रकला को मैंने कुछ इस तरह समझा-अपने परंपरागत स्वरूप में आदिवासी लोक चित्रकला क्षेत्र विशेष या समुदाय विशेष के जन-सामान्य द्वारा किया गया वह कलाकर्म है, जिसके मूल में शुभ का विचार होता है और जो अवसर विशेष से जुड़े अनुष्ठान एवं मान्यताओं को संपन्न करने हेतु किया जाता है। मूलतः यह कलाकर्म आजीविका कमाने हेतु नहीं, बल्कि अपने जीवन को प्रचलित विश्वासों और मान्यताओं के अनुरूप सुख एवं शांतिमय बनाने हेतु पारलौकिक शक्तियों से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए किया जाता है। यह चित्र मानव का देवी-देवताओं को संबोधन है। यह चित्रित प्रार्थनाएं हैं, जिनके माध्यम से वे इस लोक एवं परलोक के मध्य संवाद स्थापित करते हैं। अपने इष्ट देवी-देवताओं का आह्वान करते हैं, उन्हें जाग्रत करते हैं, उन्हें शांत करते हैं, उनका धन्यवाद ज्ञापन करते हैं और उनकी आराधना करते हैं। यह चित्र मात्र प्रदर्शन की वस्तु नहीं, बल्कि आदिवासी-लोक जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं।

पारंपरिक परिभाषा पर उठते प्रश्न

वर्तमान में, इक्कीसवीं सदी के परिवेश में प्रचलित आदिवासी लोक चित्रकला को क्या उसकी इस परिभाषा अथवा उसके प्रति इस पारंपरिक सोच से व्याख्यायित किया जा सकता है? मेरे लिए यह एक विचारणीय प्रश्न है। क्या हमें अब प्रचलित आदिवासी लोक चित्रकला के समकालीन रूप को नए सिरे से समझने और परिभाषित करने की आवश्यकता नहीं है? आदिवासी लोक चित्रकला का एक बड़ा भाग जो वर्तमान में शहरी कला बाजारों अथवा प्रदर्शनियों तथा इंटरनेट पर दिखाई देता है, वह उपरोक्त पारंपरिक परिभाषा से बहुत आगे जा चुका है। अब इन्हें बनाने के लिए न तो किसी विशेष अवसर की आवश्यकता है, न अनुष्ठान, त्योहार की और न ही इनके द्वारा किसी देव का आह्वान किया जाता है और न ही शमन। यह चित्र अपने पारंपरिक सामाजिक संदर्भ अथवा उत्तरदायित्व से मुक्त होकर केवल सौंदर्य सृजन एवं अर्थोपार्जन का माध्यम बन चुके हैं। ऐसा भी नहीं है कि समूचा परिदृश्य बदल गया हो, आज भी आंतरिक ग्रामीण अंचलों में कहीं–न–कहीं यह चित्र अपनी पारंपरिक पहचान और कलेवर बनाए हुए हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि लोककला की स्थिति अब बदल चुकी है।

शहरी कला बाजार और चित्रों का नया स्वरूप

आदिवासी लोक चित्रों के इस समकालीन समूह में वे सभी चित्र सम्मिलित हैं, जिनका प्रचलन पारंपरिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु नहीं, बल्कि शहरी बाजारों में विक्रय हेतु बनाए जाने के साथ विकसित हुआ है। यह चित्र आदिवासी–लोक कलाकारों के परंपरा–सिंचित सौंदर्यबोध एवं उनकी व्यक्तिगत कला प्रतिभा की अभिव्यक्तियां हैं। इन चित्रों ने आदिवासी–लोक कलाकारों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं एवं आदिवासी–लोक कला को एक भिन्न धरातल पर प्रतिष्ठित कर दिया है। सामान्यत: आदिवासी–लोक चित्रकला को हम इनकी परंपरा के परिप्रेक्ष्य में ही देखते रहे हैं। रूपंकर कलाओं के संदर्भ में परंपरा का आशय केवल प्रचलित चित्रभाषा, अभिप्राय, प्रतीक, छवियां, रूपाकार, शैली आदि की पुनरावृत्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि इनमें सतत प्रवाहित जनचेतना का भी अपना महत्व है, जो इन्हें बदलते परिवेश में भी अपने मूल से जोड़े रखती है। इस समूचे परिदृश्य के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आदिवासी–लोक समाजों में कलाकारों का योगदान यही है कि वे इन परंपरागत कलाकृतियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा से समकालीन रूप तथा महत्व प्रदान करते हैं।

मौलिक कला प्रतिभा और शिल्प कौशल

आदिवासी लोक कला के व्यवसायीकरण की प्रक्रिया का एक परिणाम यह हुआ कि अब तक सामुदायिक अथवा सामूहिक समझी जाने वाली आदिवासी लोक कलाओं में कलाकारों के काम को व्यक्तिगत पहचान मिलना आरंभ हुआ। कलाकारों को अपनी सामुदायिक कला परंपरा के प्रतिनिधि के साथ–साथ एक निजी पहचान भी मिली। सामूहिक कलाकर्म में व्यक्ति का उदय हुआ। पारंपरिक ढर्रे पर कलाकर्म करते हुए कलाकार की व्यक्तिगत कला प्रतिभा को पहचान मिली, लेकिन आदिवासी लोक कलाकारों की यह यात्रा इतनी आसान नहीं रही। बदलते परिवेश में उनके कलाकर्म का उद्देश्य ही बदल रहा था। अब उन्हें अपने पारंपरिक चित्रों में धार्मिक–सामाजिक विश्वासों के अनुरूप पवित्रता नहीं बनाए रखनी थी, बल्कि उन्हें अपनी पारंपरिक शैलीगत पहचान बनाए रखते हुए निजी मौलिक कला प्रतिभा और शिल्प कौशल को व्यक्त करना था। अब वे समुदाय से निकलकर कला के बाज़ार में प्रवेश कर गए थे। उन्हें अब अपनी कल्पना को विस्तार देना था और नए–नए विषयों पर चित्रों का सृजन करना था। आदिवासी लोक कला को देखने का एक अलग नजरिया मिला सन् 1980 में, जब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत भवन की स्थापना के साथ एक नए कला आंदोलन ने जन्म लिया। प्रसिद्ध चित्रकार एवं कलाचिंतक जगदीश स्वामीनाथन के मार्गदर्शन में यह एक ऐसा कला आंदोलन था, जो शहरी समकालीन और ग्रामीण आदिवासी लोक कला को एक साथ भारतीय समकालीन कला के दो अभिन्न अंग मानता था। यहां आदिवासी लोककला भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी, जितनी शहरी आधुनिक कला। यहां परंपरा का अर्थ केवल पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि उसमें निजता और नवीनता का सहज स्वीकार था।

असीम संभावनाएं

परिणामस्वरूप पारंपरिक आदिवासी लोक कला पर पारंपरिक पवित्रता के आग्रह की जकड़ कम होने से आदिवासी लोक कलाकारों को चित्र सृजन में उसका कथ्य और रूप कल्पित करने में अपेक्षाकृत स्वतंत्रता मिलने लगी। परंतु उन पर यह जिम्मेदारी भी आ पड़ी कि वे अभिव्यक्ति की इस स्वतंत्रता को उसी सीमा तक ले जाएं, जहां तक उनकी पारंपरिक शैलीगत पहचान विलुप्त न होने पाए। भले ही आदिवासी लोक कलाकारों को अपनी–अपनी समुदायगत विरासत में मिली परंपरा ने उन्हें कृति सृजन के लिए समान विषयवस्तु प्रदान की है या उनका सौंदर्यबोध एक ही परंपरा द्वारा सिंचित है। परंतु उनकी व्यक्तिगत कल्पनाशीलता, रंग और रूप के प्रति सहज प्रतिक्रिया, कलाकार की निजी संवेदना आदि अनेक तत्व हैं, जो उनके कलाकर्म को न केवल प्रभावित करते हैं, बल्कि उसे विशिष्टता भी प्रदान करते हैं। तब एक पारंपरिक निश्चित दायरे में काम करते हुए भी असीम संभावनाएं उभरकर सामने आती हैं, जो इन कलाकृतियों में आदिवासी लोक कलाकारों की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को रेखांकित करती हैं। आज अनेक आदिवासी लोक चित्रकारों ने अपनी चित्रकला की परंपरागत पहचान बनाए रखते हुए भी, अपनी व्यक्तिगत सृजनशीलता से इस पारंपरिक कला में नए आयाम जोड़े हैं, अपनी पहचान बनाई है। अत: हमें भी समकालीन आदिवासी लोक कला को देखने और समझने के नजरिये में वांछित बदलाव की जरूरत है।

अनोखी परंपरा

नमक मांगना भी बन सकता है मुसीबत

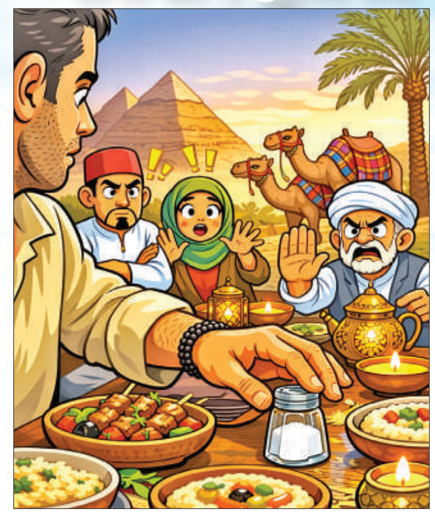

दुनिया के हर देश की अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान होती है, जो वहां के रीति–रिवाजों और सामाजिक व्यवहार में साफ झलकती है। ये परंपराएं पीढ़ी दर पीढ़ी चली आती हैं और स्थानीय लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बाहरी लोग अनजाने में इन परंपराओं का उल्लंघन कर बैठते हैं, जिससे वे असहज या मुश्किल स्थिति में फंस सकते हैं। ऐसा ही एक अनोखा सामाजिक नियम मिस्र में देखने को मिलता है, जहां भोजन करते समय अलग से नमक मांगना अपमान माना जाता है।

मिस्र की संस्कृति में भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, आतिथ्य और आपसी संबंधों का प्रतीक है। जब कोई मेजबान अपने अतिथि के लिए भोजन तैयार करता है, तो वह उसे पूरे मन और मेहनत से बनाता है। ऐसे में अगर अतिथि खाने के दौरान नमक मांग ले या पकवान में अतिरिक्त नमक डाल दे, तो इसे यह संकेत माना जाता है कि भोजन स्वादहीन है या मेजबान ने उसे ठीक से नहीं बनाया। यही कारण है कि नमक मांगना वहां मेजबान और भोजन—दोनों का अपमान समझा जाता है। अगर आप मिस्र में किसी के घर दावत पर जाते हैं, तो बेहतर यही होता है कि जो भोजन परोसा गया है, उसे उसी रूप में स्वीकार करें। चाहे स्वाद आपकी आदतों के अनुरूप न भी हो, फिर भी उसमें किसी तरह का बदलाव करना सामाजिक शिष्टाचार के विरुद्ध माना जाता है। वहां यह माना जाता है कि अतिथि का सम्मान इसी में है कि वह मेजबान के प्रयासों को बिना किसी टिप्पणी के स्वीकार करे।

यह परंपरा केवल घरों तक सीमित नहीं है। मिस्र के होटल और रेस्तरां में भी नमक मांगना लोगों को अटपटा लग सकता है। हालांकि कुछ जगहों पर टेबल पर सॉल्ट–स्प्रिंकलर रखा मिल जाता है, लेकिन स्थानीय लोग इसे शायद ही इस्तेमाल करते हैं। कई बार अगर कोई पर्यटक इसका उपयोग करता है, तो आसपास बैठे लोग हैरानी से उसे देखने लगते हैं। इसलिए मिस्र की यात्रा पर जाते समय वहां की इस सांस्कृतिक बारीकी को समझना बेहद ज़रूरी है। वहां भोजन के स्वाद से अधिक सम्मान, परंपरा और भावनाओं को महत्व दिया जाता है।

आर्ट गैलरी

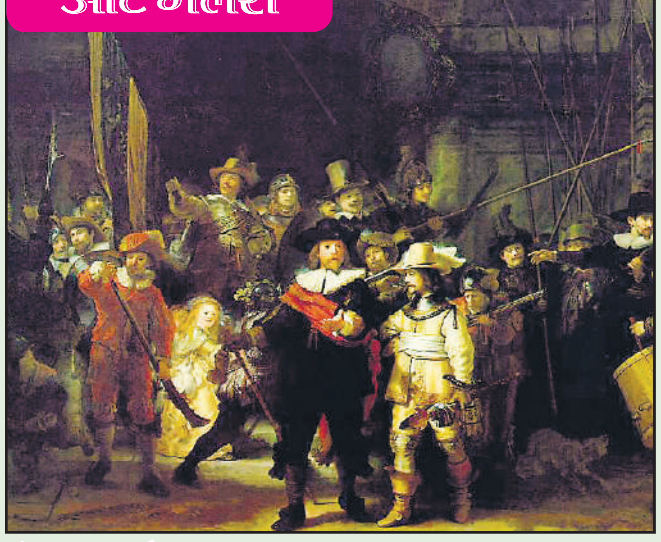

रेम्ब्रांट वैन रिजन की 'द नाइट वाच'

द नाइट वॉच रेम्ब्रांट वैन रिजन की सबसे मशहूर पेंटिंग्स में से एक है। इसे 1642 में डच गोल्डन एज के दौरान बनाया गया था। यह पेंटिंग कैप्टन फ्रांज बैनिंग कोक के नेतृत्व वाली एक कंपनी का ग्रुप पोर्ट्रेट है। यह पेंटिंग रोशनी और परछाई (टेनेब्रिज़्म) के नाटकीय इस्तेमाल और एक स्थिर सैन्य ग्रुप पोर्ट्रेट में गति के भ्रम के लिए जाना जाता है। 1808 में इस पेंटिंग को रिज्क्सम्यूजियम में ट्रांसफर कर दिया गया। वहां यह आज भी मौजूद है। इस पेंटिंग में 34 आकृतियां हैं, जिनमें वॉलंटियर गार्ड के सदस्य, एक झंडाबरदार, एक ड्रमर और एक छोटी लड़की शामिल हैं। चित्रित लोगों का मुख्य काम अपने शहरों में रक्षक के रूप में सेवा करना था। यह सत्रहवीं सदी की डच पेंटिंग का एक प्रतीक और खास उदाहरण बनी हुई है।

रिजन के बारे में

रेम्ब्रांट वैन रिजन एक डच चित्रकार थे। वह बारोक शैली में अपनी असाधारण कला के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में धार्मिक और पौराणिक विषयों पर ध्यान केंद्रित किया और ऐसी उत्कृष्ट कृतियां बनाईं जिन्हें आज भी सराहा जाता है। उनका जन्म 1606 में हुआ और निधन 1669 में। रेम्ब्रांट की सबसे प्रसिद्ध कलाकृतियों में से एक 'द नाइट वॉच' है, जो प्रकाश और छाया पर उनकी महारत को दिखाती है। बारोक काल के चित्रकार रेम्ब्रांट ने कैरावैगियो जैसे इतालवी मास्टर्स से प्रेरणा ली। चियारोस्क्यूरो का उपयोग नाटकीय दृश्य बनाने के लिए प्रकाश और अंधेरे का कंट्रास्ट उनके काम की एक खास विशेषता बन गई। यह तकनीक न केवल 'द नाइट वॉच' में, बल्कि 'द एनाटॉमी लेसन ऑफ डॉ. निकोलेस टल्प' जैसी अन्य उल्लेखनीय पेंटिंग्स में भी देखी जा सकती है। अपनी कलात्मक प्रतिभा के लिए सराहे जाने के अलावा, रेम्ब्रांट का डच सांस्कृतिक विरासत में भी एक महत्वपूर्ण स्थान है।

लोकायन

तमाशा : जीवंत लोक-नाट्य परंपरा

तमाशा लोक नृत्य और नाट्य प्रस्तुति का एक विशिष्ट रूप है, जिसकी उत्पत्ति 16वीं शताब्दी के आरंभ में महाराष्ट्र में मानी जाती है। अपने आरंभिक दौर से लेकर आज तक तमाशा न केवल महाराष्ट्र, बल्कि भारत के सबसे लोकप्रिय और जीवंत लोक कला रूपों में गिना जाता है। यह लोकनाट्य संगीत, नृत्य, अभिनय और कविता का ऐसा संगम है, जो जनसाधारण की भावनाओं को सीधे अभिव्यक्त करता है।

तमाशा की प्रस्तुति में गायन और नृत्य के साथ कई पारंपरिक वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जाता है। इनमें ढोलकी, तुनतुनी (एक तार वाला वाद्ययंत्र), मंजीरा, डफ, हल्गी, कड़े नामक धातु का त्रिकोण, लेजिम, हारमोनियम और गुंघरू प्रमुख हैं। ढोलकी और हल्गी की सशक्त ताल तमाशा की पहचान मानी जाती है, जो पूरी प्रस्तुति को ऊर्जा और लय प्रदान करती है।

तमाशा का गहरा संबंध महाराष्ट्र के कोल्हाटी और महार समुदायों से रहा है। इन समुदायों द्वारा पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस कला को जीवित रखा गया। तमाशा का इतिहास अन्य मराठी लोक कलाओं से भिन्न है, क्योंकि इसमें लोककथाओं, कविता और नाट्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में नृत्य और संगीत की परंपरा का प्रभाव तमाशा में स्पष्ट रूप से झलकता है।

मराठी लोक साहित्य पर संस्कृत साहित्य का गहरा प्रभाव भी इसकी रचनात्मकता को समृद्ध करता है।

राम जोशी (1762-1812) को तमाशा का जनक माना जाता है। वे संस्कृत पुराणों, कीर्तन और नाट्य गायन के लिए प्रसिद्ध थे। बाद में मराठी साहित्यकार मोरोपंत के साथ उनके जुड़ाव ने तमाशा को नई दिशा दी। 'शाहिर' कहलाने वाले कवि-गायक रवानी ने तमाशा के लिए अनेक प्रेम और लोकगीतों की रचना की, जिससे यह कला और अधिक लोकप्रिय हुई। तमाशा के दो अन्य रूपों-पारंपरिक पड़ा गायन और दशावतार नाट्य रूप का भी उल्लेख मिलता है। यह कला महाराष्ट्र के साथ-साथ कर्नाटक, गोवा और कोंकण क्षेत्रों में भी प्रचलित है। तमाशा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके लिए किसी विशेष मंच की आवश्यकता नहीं होती। गांव का चौक, घर का आंगन या खुला मैदान-हर स्थान इसका रंगमंच बन सकता है। संगीतकारों के प्रवेश से आरंभ होने वाला तमाशा आज भी लोक-संस्कृति की जीवंत धड़कन बना हुआ है।

भारतीय कला शिक्षा, लोक परंपरा और समकालीन कला

यह लगभग निर्विवाद तथ्य है कि भारत में आज भी जिस औपचारिक कला शिक्षा पद्धति का अनुसरण किया जा रहा है, उसकी जड़ें औपनिवेशिक काल में स्थापित ब्रिटिश मॉडल में निहित हैं। जबकि आज यह स्पष्ट हो चला है कि मद्रास, कलकत्ता, बॉम्बे और लाहौर जैसे कला विद्यालयों की स्थापना का मूल उद्देश्य भारतीय कलाकार तैयार करना नहीं, बल्कि यूरोपीय बाजारों के लिए डिजाइन, कारीगरी और दृश्य सामग्री का उत्पादन था। परिणामत: इस शिक्षा प्रणाली में भारतीय कला परंपराओं को या तो 'क्राफ्ट' कहकर हाशिये पर रखा गया या फिर उन्हें आधुनिकता–विरोधी मानते हुए पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

आश्चर्य की बात यह है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी कला शिक्षा के इस ढांचे में कोई बुनियादी वैचारिक पुनर्गठन नहीं हुआ। भारतीय कला इतिहास, जो सिंधु घाटी, मौर्य, गुप्त, मध्यकालीन, लोक, जनजातीय और शिल्प परंपराओं के माध्यम से हजारों वर्षों में विकसित हुआ। आज भी कला महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में केंद्रीय ज्ञान-स्रोत के रूप में स्थापित नहीं हो पाया है। लोक और पारंपरिक कलाएं अधिकतर वैकल्पिक, गौण या "फोक स्टडी" तक सीमित हैं, न कि समकालीन अभ्यास के सक्रिय स्रोत के रूप में।

इसी पृष्ठभूमि में समकालीन भारतीय कला जगत में एक विरोधाभासी स्थिति उभरती है। हाल के वर्षों में अनेक ख्यात और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय कलाकार अपनी कृतियों में भारतीय शिल्प, लोक कला, आदिवासी प्रतीकों और पारंपरिक तकनीकों का खुलकर उपयोग कर रहे हैं। विशेष रूप से विदेशी प्रदर्शनियों और बिएनाले संदर्भों में यह रुझान अधिक दिखाई देता है, जहां तथाकथित "इंडियननेस" (भारतीयता) एक सांस्कृतिक पूंजी के रूप में काम करती है। यहां भारतीय शैली के वस्त्र, कढ़ाई, गोंड, मिथिला, वारली या टेराकोटा जैसे दृश्य संकेत वैश्विक कला बाज़ार में विशेष पहचान और विशिष्टता प्रदान करते हैं।

ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि क्या इसे चोरी कहा जा सकता है? स्पष्ट है कि यदि चोरी से आशय शैली, प्रतीक और रूपों के उपयोग मात्र से है, तो कला इतिहास बताता है कि कोई भी कला परंपरा कभी भी पूर्णतः स्वायत्त नहीं होती। ऐसे में आधुनिक कला भी उधार, रूपांतरण और पुनर्संयोजन की प्रक्रिया से उत्पन्न अवधारणा या व्याख्या है। इस अर्थ में, केवल लोक रूपों के उपयोग को चोरी नहीं कहा जा सकता, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब यह उपयोग समान शक्ति-संबंधों के भीतर नहीं होता, बल्कि एक अभिजात्य, शहरी और संस्थागत कलाकार लोक या आदिवासी कला के दृश्य संसार को अपनाता है, लेकिन उन समुदायों को श्रेय नहीं देता, उनकी ऐतिहासिक, सामाजिक या आर्थिक स्थितियों से कोई संवाद नहीं करता और न ही उनके ज्ञान को समकालीन कला शिक्षा में स्थान दिलाने की कोशिश करता है, तो ऐसे में यह प्रक्रिया सांस्कृतिक उपभोग का रूप ले लेती है। इस हालात में लोक कला या प्रतीक प्रेरणा नहीं, बल्कि कच्चा माल बन जाती है।

इस संदर्भ में इस धारणा को आंशिक रूप से सही कहा जा सकता है, कि अभिजात्य कला समाज लोक कलाओं से चोरी कर रहा है, क्योंकि समस्या "उधार लेने" या प्रभावित होने में नहीं, बल्कि उस संस्थागत पाखंड में है। जहां एक ओर कला महाविद्यालयों और कला संकायों में लोक कलाओं को अकादमिक ज्ञान नहीं माना जाता, वहीं दूसरी ओर समाज में सदियों से प्रचलित लोक दृश्यता समकालीन कला की प्रतिष्ठा और कला बाजार का आधार बन जाती है। जाहिर है, ऐसे में यह असंतुलन लोक परंपराओं के प्रति एक संरचनात्मक अन्याय को उजागर करता है, जिसकी जड़ों में रचा बसा होता है अभिजात्य समाज का पाखंड।

वैसे यह कहना कि सभी अभिजात्य कलाकार "चोरी" कर रहे हैं या करते हैं, महज सरलीकरण होगा, किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक भारतीय कला शिक्षा अपने केंद्र में भारतीय कला परंपरा को पुनः स्थापित नहीं करती, तब तक लोक और शिल्प कलाओं का यह उपयोग नैतिक और वैचारिक सवालों से घिरा रहेगा। आवश्यकता है संरचनात्मक सुधार, न कि केवल शैलीगत समावेशन की। इस पूरे विमर्श का निष्पक्ष आकलन करते हुए यह स्वीकार करना आवश्यक है कि समकालीन भारतीय कला में लोक और पारंपरिक कलाओं का उपयोग न तो स्वभावतः गलत है और न ही स्वतः शोषणकारी। कला का इतिहास परस्पर ग्रहण, रूपांतरण और संवाद से ही निर्मित हुआ है। समस्या वहां उत्पन्न होती है, जहां यह ग्रहण असमान शक्ति-संरचना के भीतर होता है और संस्थागत स्तर पर लोक कलाओं को समान वैचारिक दर्जा नहीं मिलता। यदि कोई समकालीन कलाकार लोक या शिल्प परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए उनके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के साथ ईमानदार संवाद करता है, श्रेय और सहभागिता सुनिश्चित करता है, तो यह प्रक्रिया रचनात्मक और नैतिक कही जा सकती है। किंतु जब वही तत्व केवल वैश्विक दृश्यता या बाजार की मांग के लिए अपनाए जाते हैं, तब यह सांस्कृतिक उपभोग का रूप ले लेती है। ऐसे में आज सबसे आवश्यक कदम कला शिक्षा के पाठ्यक्रम मं संरचनात्मक सुधार होना चाहिए। साथ ही भारतीय लोक, जनजातीय और शिल्प परंपराओं को केवल सैद्धांतिक अध्ययन का विषय भर नहीं, बल्कि समकालीन अभ्यास के सक्रिय स्रोत के रूप में अपनाया जाना चाहिए। साथ ही कलाकारों और कला संस्थानों को भी लोक समुदायों के साथ दीर्घकालिक, समानतापूर्ण सहयोग की दिशा में बढ़ना होगा। तभी सदियों से जारी यह अंतर्विरोध रचनात्मक संवाद में बदल पाएगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,739.13	25,727.55
बढ़त	2,072.67	639.15
प्रतिशत में	2.54	2.55

सोना 1,57,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,84,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, बुधवार, 4 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

केईसी इंटरनेशनल को भारत, विदेश में 1,020 करोड़ के ऑर्डर मिले

नई दिल्ली। केईसी इंटरनेशनल ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के नए कार्य ऑर्डर हासिल किए हैं। कंपनी ने बताया कि इन सफलताओं के साथ चालू वित्त वर्ष में कंपनी का कुल ऑर्डर प्रवाह 20,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। आरपीजी ग्रुप की कंपनी केईसी इंटरनेशनल ने एक बयान में कहा कि ये ऑर्डर निर्माण, परिवहन, पारेषण और वितरण तथा केबल और कंडक्टर जैसे विभिन्न व्यवसायों में मिले हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ विमल केजरीवाल ने परियोजनाओं का विवरण साझा किया।

टेस्ला ने भारत में ईएमआई, प्रोत्साहन योजना शुरू की

नई दिल्ली। दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी टेस्ला ने भारत में बिक्री को तेज करने के लिए मासिक किस्त योजना (ईएमआई) समेत कई पहल शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। टेस्ला इंडिया ने बयान में कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की तरफ जाने वाले ग्राहकों को पेट्रोल और डीजल वाहनों की अदला-बदली पर तीन लाख रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक, ग्राहक अब टेस्ला के मॉडल वाई को 49,000 रुपये प्रति माह से शुरू होने वाली किस्त (ईएमआई) पर खरीद सकते हैं। इसके लिए केवल छह लाख रुपये का शुरुआती भुगतान करना होगा। टेस्ला इंडिया ने सितंबर, 2025 में इस मॉडल की आपूर्ति शुरू की थी।

आईएनएस ने अखबारी कागज की लगातार कमी पर चिंता जताई

नई दिल्ली। इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (आईएनएस) ने देश में अखबारी कागज की कमी पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि इस वजह से प्रकाशकों को आयात पर निर्भर रहना पड़ रहा है। आईएनएस ने एक बयान में कहा, भारत में अखबारी कागज की सालाना खपत लगभग 12 लाख टन है, जबकि इसका घरेलू उत्पादन पांच लाख टन से अधिक नहीं हो पाया है। नतीजतन, भारतीय मिलें कुल मांग का सिर्फ 40 प्रतिशत ही पूरा कर पा रही हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद

उद्योग जगत ने कहा- समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित महत्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय उद्योग जगत के शीर्ष प्रतिनिधियों ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को गति प्रदान देगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण एवं नवाचार केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल से लेकर आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला और महिंद्रा समूह के अनीश शाह तक भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश परिदृश्य को बदलने की इसकी क्षमता को रेखांकित करते हुए इस ऐतिहासिक समझौते पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने इसे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि पथ पर होने के साथ, यह सौदा भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को सार्थक गति प्रदान करता है।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो निवेश और वृद्धि के लिए अपार अवसर खोलता है। मित्तल ने कहा, मुक्त व्यापार समझौतों की श्रृंखला यह प्रमाण है कि भारत वैश्विक ढांचों के केंद्र में अपनी भूमिका निभा रहा है, जिसका उद्देश्य मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यापार रूपरेखा तैयार करना है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि कम शुल्क से इन दो महान देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और निवेश तथा सहयोग के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे।

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने भी कहा कि टैरिफ में कमी एक सकारात्मक कदम है, जो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में विश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में, व्यापार में खुलापन भारतीय उद्योग को विस्तार करने, नवाचार करने और नौकरियां पैदा करने में मदद करेगा। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 'एक्स' पोस्ट किया, इससे संभलकर आगे बढ़ने के लाभों का पता चलता है। जब शोर थम जाएगा, तो दो स्वाभाविक साझेदार साथ आएंगे।

बेहतर शर्तें अमेरिका में प्रतिस्पर्धा बढ़ाएंगीं : निर्यातक

नई दिल्ली। निर्यातकों ने उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका के बीच घोषित व्यापार समझौते से श्रमप्रधान और एमएसएमई क्षेत्रों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में यह सफलता ऐसे वक्त में मिली है, जब भारतीय उद्योग उच्च अमेरिकी शुल्क के कारण तनाव में थे। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारा सबसे बड़ा एकल निर्यात बाजार है और बेहतर व्यापारिक शर्तें अमेरिकी बाजार में भारतीय परिधान उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के पार्टनर रुद्र कुमार पांडेय ने कहा कि यह कदम भारत के निर्यात-प्रतिस्पर्धी रुख को पुख्ता करता है और ऐसे समय में आया है जब अमेरिका अपनी आपूर्ति श्रृंखला को चीन से दूर ले जा रहा है।

अपने-अपने दावे

भारत निर्यात होंगे अमेरिका के कृषि उत्पादः अमेरिकी सांसद

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ घोषित व्यापार समझौते से अमेरिका के कृषि उत्पादों का विशाल भारतीय बाजार में निर्यात होगा और यह समझौता रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने में भी मदद करेगा। अमेरिकी सांसदों ने यह बात कही।

सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष सीनेटर जिम रिश ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, भारत के साथ व्यापार समझौते की शानदार उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई। उन्होंने भारत को अमेरिका का एक करीबी साझेदार बताते हुए कहा, इस नए समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी सामान खरीदने का संकल्प लिया है। यह अमेरिका को रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने और रूसी ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत के समर्थन को कम करके यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को खत्म करने में मदद करेगा। अमेरिका की कृषि सचिव ब्रुक रॉलिन्स ने अमेरिकी किसानों के लिए एक बार फिर काम करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, नया अमेरिका-भारत समझौता भारत के विशाल बाजार में अधिक अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात करेगा, जिससे कीमतें बढ़ेंगी और ग्रामीण अमेरिका में नकदी का प्रवाह होगा।

कृषि और डेयरी क्षेत्रों के हितों से कोई समझौता नहीं: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि भारत की अमेरिका के साथ एक अच्छे करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है।

गोयल ने कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा। उन्होंने विशेष रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए हुए कहा कि उनकी सोच नकारात्मक है और वह भारत की प्रगति के विरोधी हैं। गोयल ने कहा कि वह संसद में इस समझौते के बारे में बोलना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस और विपक्षी दलों के हंगामे के कारण ऐसा नहीं कर सके। कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता पूरा कर लिया है और देश उन्हें बधाई दे रहा है। प्रधानमंत्री और ट्रंप के व्यक्तिगत संबंधों के कारण भारत को अमेरिका के साथ अच्छा समझौता हासिल हुआ है।

मौद्रिक नीति पर आज से होगी बैठक, स्थिर रह सकती है रेपो दर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। बैठक में रेपो दर को यथावत रखने की उम्मीद है।

रेपो वह दर होती है जिस पर केंद्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। इसमें कटौती बैंक ऋण सस्ता होता है, साथ ही बैंक जमा पर मिलने वाले ब्याज में भी कमी करते हैं। तीन दिन चलने वाली बैठक के बाद 6 फरवरी को समिति के फैसले की घोषणा की जाएगी। दिसंबर में हुई पिछली बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल चार बार में रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की थी। फरवरी 2025 में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत, अप्रैल में 0.25 प्रतिशत और जून में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी।

अदाणी समूह और लियोनार्डो भारत में स्थापित करेंगे हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र

नई दिल्ली। अदाणी समूह और इटली की प्रमुख कंपनी लियोनार्डो ने मंगलवार को भारत में एक एकीकृत हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम मेक इन इंडिया के प्रयासों को बढ़ावा देने दिशा में अहम बताया जा रहा है।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और लियोनार्डो ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में इस साझेदारी के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को लक्षित करेगी, विशेष रूप से लियोनार्डो के उन्नत एडब्ल्यू169एम और एडब्ल्यू109 ट्रेकर हेलीकॉप्टरों के लिए ऐसा किया जाएगा। एक बयान में कहा गया कि यह सहयोग चरणबद्ध स्वदेशीकरण, मजबूत रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं तथा व्यापक पायलट प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा। भारत में हेलीकॉप्टर की उपलब्धता काफी कम है, जहां देश की जनसंख्या के हिसाब से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर हैं। अनुमान है कि देश को अगले 10 वर्षों तक सालाना लगभग 100 हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता होगी।

मेक इन इंडिया की ओर कदम

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू कर दी है। यह कदम रविवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलुरु के बीच एक विमान में स्विच के खराब होने के बाद उठाया गया है। इस समय एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787 या ड्रीमलाइनर विमान हैं।

कंपनी के उड़ान संचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष उप्पल ने बोइंग 787 पायलटों को बताया कि विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच की बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी गई है। एयरलाइन की इंजीनियरिंग टीम ने प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकन के लिए मामले को बोइंग के पास भेजा है। उन्होंने एक ईमेल में कहा कि जब तक हम बोइंग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं, हमारे इंजीनियरों ने सामान्य संचालन को सत्यापित करने के लिए ईंधन नियंत्रण स्विच की एहतियाती बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी शुल्क कटौती श्रमप्रधान क्षेत्रों के लिए सकारात्मक: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- भारत के वस्तु निर्यात में जान फूंकेगा यह समझौता

मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में कटौती से रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों की ऋण चुकाने की क्षमता बेहतर होगी। इन क्षेत्रों का देश के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है।

मूडीज ने कहा कि यह व्यापार समझौता अमेरिका को भारत के वस्तु निर्यात में नई जान फूंकेगा। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा वस्तु निर्यात बाजार बना हुआ है, जो 2025 के पहले 11 महीनों में भारत के कुल वस्तु निर्यात का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा रहा। मूडीज ने कहा, कम शुल्क दर रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए भी ऋण चुकाने की क्षमता के लिहाज से सकारात्मक होगी, जो शीर्ष निर्यात क्षेत्रों में शामिल हैं।

रूस से तेल खरीद बंद की तो बढ़ेगी महंगाई

मूडीज ने कहा कि हाल के महीनों में भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम की है, लेकिन इसके पूरी तरह तुरंत बंद होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसा करना भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए बाधक हो सकता है। मूडीज ने कहा, रूसी तेल से पूरी तरह हटकर अन्य स्रोतों पर निर्भरता आपूर्ति को और कड़ा कर सकती है, कीमतें बढ़ा सकती है और इसके कारण महंगाई भी बढ़ सकती है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है।

विपक्ष ने राज्यसभा से किया बहिर्गमन

कहा- वाशिंगटन से क्यों मिल रही जानकारी, सत्ता पक्ष ने लगाया हताशा का आरोप

अमेरिका से व्यापार समझौते पर चर्चा की मांग को लेकर भारी हंगामा और नारेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में अमेरिका के साथ हुए समझौते पर बात रखते राजद सांसद मनोज झा।

विपक्षी दलों के सदस्यों ने मंगलवार को जोरदार ढंग से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मुद्दा उठाया और संसद को विश्वास में लेने, सदन के पटल पर इनके पूरे मसौदे रखे जाने के साथ इन पर व्यापक चर्चा की मांग करते हुए राज्यसभा से वाकआउट किया। इससे पहले विपक्ष ने सदन में हंगामा व नारेबाजी करते हुए सरकार पर देश के हितों से समझौता करने का भी आरोप लगाया। सत्ता पक्ष ने यह कहकर पलटवार किया कि विपक्ष की हताशा सामने आ रही है।

उच्च सदन में शून्यकाल समाप्त होने के तुरंत बाद जब सभापति सीपी राधाकृष्णन ने प्रश्नकाल शुरू करने को कहा, उसी समय कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि इस समझौते से जुड़ी जानकारी संसद के बजाय वाशिंगटन से मिल रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर संसद को विश्वास में लेने, सदन में पूरे मसौदे रखे जाने और उन पर व्यापक चर्चा की मांग की। विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने उनका समर्थन किया। सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार देर रात को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कटौती की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दी और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सच्चा दोस्त बताया।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच नड्डा ने आरोप लगाया कि विपक्ष की हताशा सामने आ रही है और वह अच्छी बातों में भी बुराई देखने लगा है। उन्होंने कहा, मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए तैयार है और समझौते का हर छोटा-बड़ा विवरण देने को भी तैयार है। सरकार इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य देगी। लेकिन यह तरीका लोकतंत्र के लिए घातक है और यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। विपक्षी सदस्यों के हंगामा और नारेबाजी के बीच सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जब सरकार वक्तव्य दे रही है तो सदस्यों को उसे सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष हंगामा कर रहा है। इसी बीच, विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए अपनी सीटों से उठकर आगे की ओर बढ़ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का उद्देश्य हर मुद्दे पर राजनीति करना है और सदन में इसका उदाहरण देखा गया।

तृणमूल सांसदों ने अलग से किया बहिर्गमन

हंगामे-नारेबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर सभी विपक्षी दलों के सदस्यों ने विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। टीएमसी सदस्य साकेत गोखले सदन में बैठे रहे और कुछ देर बाद बाहर चले गए। बाद में टीएमसी के सदस्यों ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के सोमवार को एसआईआर-प्रभावित परिवारों के साथ किए गए व्यवहार के विरोध में अलग से बहिर्गमन किया। सोमवार कोपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित 'बंग भवन' के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई थी। ममता ने गृहमंत्री के इशारे पर अपने राज्य में एसआईआर से प्रभावित परिवारों के उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

सीईसी के खिलाफ ला सकते हैं महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता बनर्जी ने कहा- हमारे पास संसद में बहुमत नहीं, पर रिकॉर्ड में दर्ज होगा प्रस्ताव

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर धमकी देने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद मंगलवार को सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की संभावना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उसके बाद हम इस चुनाव आयुक्त से किसी भी चीज की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार करने के सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा, हालांकि हमारे पास बहुमत नहीं है फिर भी प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। जनता के हित में हम पार्टी में इस विषय पर चर्चा करेंगे और इसका समर्थन करेंगे। कम से कम यह रिकॉर्ड में तो दर्ज हो जाएगा। मुख्यमंत्री यहां चुनाव आयोग के मुख्यालय में ज्ञानेश कुमार के साथ हुई अपनी मुलाकात का उल्लेख कर रही थीं, जहां उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर सीईसी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आयोग पर पक्षपातपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह प्रक्रिया राजनीतिक उद्देश्य से चलाई जा रही है। चुनाव आयोग मुख्यालय से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, हम आहत एवं व्यथित हैं। मैं कई वर्षों से राजनीति में हूं। मैं चार बार मंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हूं लेकिन मैंने कभी ऐसा सीईसी नहीं देखा जो इतना अहंकारी एवं झूठा हो।

प्रधानमंत्री ने भयंकर दबाव में अमेरिका के साथ किया व्यापार समझौता: राहुल

- कहा- छवि का गुब्बारा फूटने के डर से मोदी ने देश और किसानों को बेच दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भयंकर दबाव में हैं, इसलिए उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने इस समझौते के माध्यम से किसानों और देश को बेच दिया है और इस बात से डरे हुए हैं कि उनकी छवि का गुब्बारा कहीं फूट न जाए।

राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी घबराए हुए हैं। जो व्यापार समझौता चार महीने से रुका हुआ था, उसमें कुछ बदला नहीं और कल शाम उस पर हस्ताक्षर कर दिया गया। इसके पीछे क्या कारण हैं, वो मैं जानता हूं और मोदी जानते हैं। उन्होंने दावा किया, मोदी जी पर भयंकर दबाव है। उनकी छवि का जो गुब्बारा हजारों करोड़ खर्च कर बनाया गया था, वो फूट सकता है। बड़ी बात यह है कि भारत के प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हो चुके हैं। आरोप लगाया, हिंदुस्तान के किसानों को यह समझना चाहिए कि इस समझौते में आपकी मेहनत और खून-पसीने को मोदी ने बेच दिया है। उन्होंने सिर्फ आपको नहीं, देश को बेच दिया है।

एक तो अदाणी मामला, दूसरे एपस्टीन फाइलों में छिपा सच

राहुल गांधी ने दावा किया, प्रधानमंत्री पर दबाव के पीछे दो बाते हैं। पहला एप्सटीन फाइल हैं जिसमें अभी बहुत सामग्री है, जिसे जारी नहीं किया गया है। इनमें जो है, उसे पूरा देश जानना चाहता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री के दबाव में आने का दूसरा कारण अमेरिका में उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ दर्ज मामला है। इस मामले के बावजूद अमेरिका अदाणी को निशाना नहीं बना रहा है। यह निशाना मोदी के वित्तीय ढांचे पर है। जो अदाणी पर मामला है, वो दरअसल नरेंद्र मोदी पर मामला है।

कांग्रेस को बताना चाहिए वह भारत के पक्ष में है या उसके खिलाफः अनुराग

- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा- कांग्रेस नेताओं में साफ दिख रही है देश विरोधी भावना

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आरोप पर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के दबाव में आकर समझौता किया, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को पूछा कि कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दल बताएं कि वे भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ हैं।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि भारत पर अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद विपक्ष के कई लोग जश्न मना रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता किए जाने के बाद भी विपक्ष के लोगों ने सवाल उठाए थे। ठाकुर ने कहा, यहां सवाल यह उठता है कि विपक्ष और कांग्रेस भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ। उन्होंने कहा, यह भारत-विरोधी मानसिकता राहुल गांधी, कांग्रेस और दूसरे विपक्षी नेताओं में साफ दिख रही है, क्योंकि वे संसद को काम भी नहीं करने दे रहे हैं।

विकास की चिंता नहीं, देश को गुमराह कर रहे राहुल: गोयल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर देश को गुमराह कर रहे हैं, उन्हें देश के विकास की कोई चिंता नहीं है। मंत्री ने इस बात पर भी दुख जताया कि कांग्रेस और डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के हंगामे के कारण उन्हें संसद में बयान देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, उन्होंने संसद में बहुत अभद्र व्यवहार किया, माननीय स्पीकर की सीट तक पहुंच गए।

महाराष्ट्र : पंकजा मुंडे के उड़ान भरने से पहले हेलीकॉप्टर में खराबी

छत्रपति संभाजीनगर। जिला परिषद चुनाव के लिए प्रचार करने जा रही महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे को ले जाने वाले हेलीकॉप्टर में उनके प्रस्थान से कुछ घंटे पहले तकनीकी खराबी का पता चला तो खलबली मच गई। खराबी को ठीक करने के बाद वह दो घंटे की देरी से रवाना हो पाईं।

मुंडे सोमवार को एक विशेष विमान से छत्रपति संभाजीनगर पहुंचीं और बाद में दिन में चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना हुईं। हवाई अड्डे के एक अधिकारी के मुताबिक विमानन कंपनी ने जब उसी रात नियमित निरीक्षण किया तो हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। चिकलठाणा हवाई अड्डे के प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। मुंडे ने कहा कि हेलीकॉप्टर पुराना था, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे को नहीं उठाया और अपनी यात्रा जारी रखी। उन्होंने कहा कि 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार की दुखद मौत के बाद से ही हवाई यात्रा को लेकर पार्टी नेताओं में चिंता बढ़ गई है।

काफी सस्ते में चुनाव जीत गए बिहार के ज्यादातर विधायक

पटना, एजेंसी

- सभी विधायकों का चुनावी खर्च अधिकतम सीमा से 61 प्रतिशत
- चुनाव आयोग के समक्ष दाखिल ब्योरे पर एडीआर की रिपोर्ट

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच ने 243 में से 240 नवनिर्वाचित विधायकों के चुनाव खर्च का विश्लेषण किया, जिसमें यह पाया गया है कि बड़ी संख्या में विधायकों ने तय खर्च सीमा से काफी कम खर्च दिखाया है। एडीआर की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 240 विधायकों में से 100 विधायकों यानी करीब 42 प्रतिशत ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव खर्च सीमा के 61 प्रतिशत से भी कम खर्च घोषित किया है।

बिहार चुनाव में विधायकों के लिए चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा 40 लाख रुपये थी, जबकि सभी विधायकों का औसत घोषित खर्च 24.33 लाख रुपये रहा जो कुल खर्च सीमा का मात्र 61 प्रतिशत है। भाजपा के 88 विधायकों का औसत खर्च 27.36 लाख रुपये यानी 68.4 प्रतिशत रहा। जदयू के 84 विधायकों ने औसतन 25.53 लाख रुपये यानी 63.8 प्रतिशत खर्च घोषित किया। वहीं राजद के 24 विधायकों का औसत खर्च 19.57 लाख रुपये यानी 48.9 प्रतिशत और लोजपा रामविलास के 19 विधायकों का औसत खर्च 19.60 लाख रुपये यानी 49 प्रतिशत रहा। कांग्रेस के 6 विधायकों ने औसतन 13 लाख रुपये यानी 32.5 प्रतिशत खर्च दिखाया, जो सबसे कम है।

इसके अलावा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के 5 विधायकों का औसत खर्च 16.89 लाख रुपये, एआईएमआईएम के 5 विधायकों का 17.37 लाख रुपये, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 4 विधायकों का 24.84 लाख रुपये और भाकपा (माले) के 2 विधायकों का औसत खर्च 17.05 लाख रुपये दर्ज किया गया। एक-एक विधायक वाली पार्टियों में माकपा विधायक का खर्च 21.39 लाख रुपये, इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के विधायक का 23.74 लाख रुपये और बसपा विधायक का 18.34 लाख रुपये रहा।

देश में दवाओं के अंधाधुंध उपयोग से कम हो रहा एंटीबायोटिक का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी, कहा-नजर रख रहे

राज्यसभा में सरकार ने मंगलवार को बताया वह देश भर में एंटीबायोटिक के असर कम होने के बढ़ते रुझान पर नजर रख रही है तथा एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध और डॉक्टर के पर्चे के बिना इनके उपयोग को इसका एक प्रमुख कारण मान रही है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के माध्यम से औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 और इसके नियमों के प्रावधानों के तहत दवाओं की सुरक्षा, प्रभाव क्षमता और गुणवत्ता को नियंत्रित करती है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं को औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन नियमों की अनुसूची एच और एच1 में रखा गया है और केवल पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे पर ही खुदरा बेचा जा सकता है। सरकार देश में एंटीबायोटिक का असर कम होने के बढ़ते रुझान से अवगत है, जिसमें निमोनिया/मूत्र मार्ग जैसे संक्रमणों में देखा गया प्रतिरोध भी शामिल है।

प्रबंधन को उठाए गए हैं कई कदम

मंत्री ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन हेतु उठाए गए कई कदमों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री विकसित की गई है और तथा जन जागरूकता एवं प्रसार के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की वेबसाइट पर इसे अपलोड किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) जारी किए हैं, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

धरती के फेफड़ों को सहेजने का संकल्प

आर्द्रभूमियां, जिन्हें अक्सर पृथ्वी की किडनी और जैविक सुपरमार्केट कहा जाता है, हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का वह महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो जल चक्र को संतुलित करने से लेकर कार्बन सोखने तक की अद्वितीय क्षमता रखती हैं। जब हम रामसर टैग की बात करते हैं, तो यह केवल एक तकनीकी नामकरण नहीं है, बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी आर्द्रभूमि (वेटलैंड) की विशिष्टता और उसके वैश्विक महत्व की स्वीकृति है। रामसर कन्वेंशन एक अंतरसरकारी संधि है जो दुनिया भर में झीलों, नदियों, दलदलों और तटीय क्षेत्रों के संरक्षण के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। आधुनिक युग में जहां अंधाधुंध शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने प्राकृतिक जल स्रोतों को संकट में डाल दिया है, वहां रामसर टैग एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है।

रामसर टैग

आर्द्रभूमि जीवन का आधार

● भारत जैसे विशाल विविधता वाले देश के लिए यह टैग अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां की सभ्यताएं हमेशा से नदियों और तालाबों के इर्द-गिर्द पनपी हैं। वर्तमान में, भारत ने अपनी आजादी के अमृत काल के बाद से आर्द्रभूमियों के संरक्षण में एक लंबी छलांग लगाई है। 2 फरवरी 2026 तक, भारत में रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 98 हो गई है, जो इस क्षेत्र में सरकार और समाज की सक्रियता को दर्शाता है। रामसर टैग मिलने का अर्थ केवल पहचान मिलना नहीं है, बल्कि यह उस देश के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है कि वह उस क्षेत्र के पारिस्थितिक चरित्र को बनाए रखेगा और उसका विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करेगा।

टैग का वैश्विक महत्व

● अंतर्राष्ट्रीय मान्यता : रामसर टैग एक अंतर्राष्ट्रीय मान्यता है जो किसी आर्द्रभूमि को 'वैश्विक महत्व' की श्रेणी में रखती है।

● संरक्षण का दायित्व : इस टैग का मुख्य कार्य संबंधित देश को उस आर्द्रभूमि के वैज्ञानिक प्रबंधन और सुरक्षा के लिए कानूनी और नैतिक रूप से उत्तरदायी बनाना है।

● अंतर्राष्ट्रीय सहयोग : यह सदस्य देशों के बीच जल संसाधनों और प्रवासी पक्षियों के प्रबंधन में आपसी सहयोग को बढ़ावा देता है।

● जागरूकता और पर्यटन : टैग मिलने से संबंधित क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर जगह मिलती है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होता है।

सदस्य देश

● ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : यह समझौता 2 फरवरी 1971 को ईरान के रामसर शहर में हुआ था। इसी कारण 2 फरवरी को 'विश्व आर्द्रभूमि दिवस' मनाया जाता है।

● वैश्विक भागीदारी : वर्तमान में दुनिया के 172 देश इस संधि के हस्ताक्षरकर्ता हैं।

किसे मिलता है यह टैग

● नौ विशिष्ट मानदंड : किसी क्षेत्र को रामसर स्थल घोषित करने के लिए नौ विशिष्ट मानदंड बनाए गए हैं जिसमें कम से कम एक को पूरा करना अनिवार्य होता है।

● अद्वितीय आर्द्रभूमि : जो अपने आप में दुर्लभ या प्राकृतिक प्रकार की हो।

● संकटग्रस्त प्रजातियां : जहां विलुप्त होने की कगार पर खड़ी प्रजातियाँ पाई जाती हों।

● जैव विविधता : जो किसी विशेष क्षेत्र की जैविक विविधता बनाए रखने में सहायक हो।

● प्रवासी पक्षी : जहां नियमित रूप से 20,000 या उससे अधिक जल-पक्षी निवास करते हों।

● आजीविका देय : स्थानीय समुदायों की आजीविका बनाए रखने में भूमिका निभाते हों।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में खनिज पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

वॉशिंगटन। अमेरिका बुधवार को अपने पहले महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। इस बैठक में तकनीकी नवाचार, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखला की कमजोरियों से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को एक मंच प्रदान किया जाएगा। विदेश मंत्री मार्को रुबियो विदेश विभाग में इस बैठक की मेजबानी करेंगे, जो महत्वपूर्ण खनिजों पर केंद्रित पहला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन होगा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर इसमें शामिल होंगे।

महिंदा राजपक्षे की पत्नी-बेटे से पूछताछ

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी और बेटे से मंगलवार को दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने पूछताछ की। पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे से 2015 में उनके नेतृत्व वाली एक संस्था से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पूछताछ की गई। अधिकारियों ने बताया कि विपक्षी सांसद नमल राजपक्षे से अंडरवर्ल्ड डॉन केहलबद्दारा पद्मे से कथित संबंधों के बारे में पूछताछ की गई। पद्मे को 2025 के मध्य में प्रत्यर्पण के तहत दुबई से लाया गया था। पुलिस ने बताया कि मां-बेटे से आपराधिक अन्वेषण विभाग ने चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की।

फर्नांडीज होंगी कोस्टा रिका के राष्ट्रपति

सैन जोस। कोस्टा रिका में रूढ़िवादी जनवादी नेता लौरा फर्नांडीज ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया है। उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस द्वारा शुरू किए गए देश की राजनीति के आक्रामक पुनर्गठन को आगे बढ़ाने का वादा किया है। प्रारंभिक और आंशिक नतीजों के अनुसार, फर्नांडीज ने पहले ही दौर में निर्णायक जीत हासिल की, जिससे दूसरे चरण की जरूरत नहीं पड़ी।

द. अफ्रीका का जंगी पोत भारत रवाना

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी नौसेना का जंगी जहाज एसएएस अमाटोला भारत के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तैनाती पर रवाना हो गया है, जहां यह भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित 2026 अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा अभ्यास मिलन में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करेगा। रविवार को जहाज के रवाना होने के बाद दक्षिण अफ्रीकी नौसेना ने कहा कि एसएएस अमाटोला की भारत यात्रा कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। यह द. अफ्रीका की समुद्री रणनीति के लिए एक अहम पड़ाव है।

ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया

क्रेमलिन ने कहा, हमें इस मामले में नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला

● रूस हर तरीके से भारत से संबंध मजबूत रखने का इच्छुक

मॉस्को, एजेंसी

रूस को भारत से रूसी तेल खरीद रोकने के संबंध में कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को यह बात कही। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका और संभवतः वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा कि हमें इस मामले पर नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूस हर संभव तरीके से भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखने का इरादा रखता है। रूस के ऊर्जा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि उन्हें भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से अनुबंध रद्द करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। सोमवार को मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत अमेरिका जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। पिछले साल ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए थे, जो दुनिया में किसी भी देश पर सबसे ज्यादा शुल्क था। इनमें रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल था। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, इराक अब रूस के लगभग बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जो दिसंबर 2025 में औसतन 9,04,000 बैरल प्रति दिन से ज्यादा है। सऊदी अरब से भी तेल का उत्पादन जनवरी में बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रतिदिन हो गया, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रतिदिन था।

88 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देशों से लेता है भारत

भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदता है, जिसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है। वर्ष 2021 तक भारत द्वारा आयात किए गए कुल कच्चे तेल में रूसी तेल का हिस्सा मुश्किल से 0.2 प्रतिशत था। भारत फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, जनवरी के पहले तीन हफ्तों में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पिछले महीने यह औसतन 12.1 लाख बैरल रोज था और 20 लाख बैरल रोज से अधिक होने का अनुमान था।

रूस से तेल खरीद रोकेगा भारत : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साथ टेलीफोन वार्ता के बाद कहा था कि भारत अमेरिका से आयात में भारी वृद्धि करने, अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क शून्य करने तथा रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर तत्काल प्रभाव से आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए लिखा है कि मोदी रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका, तथा संभवतः वेनेजुएला, से खरीद बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं जिससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी।

अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत करेगा ईरान

● राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने दिया अपने विदेश मंत्री को निर्देश

दुबई, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह तेहरान की ओर से अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि वह वाशिंगटन के साथ बातचीत की कोशिश करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पिछले महीने देशभर में हुए प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार की हिंसक कार्रवाई के बाद अमेरिका के साथ तनाव काफी बढ़ गया है। यह घोषणा सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के रुख में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

बीते कुछ हफ्तों से वह ईरानी जनता को चेतावनी दे रहे थे कि देश में हालात उनके नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। यह बयान इस बात का भी संकेत देता है कि उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई का समर्थन मिला है, जिन्होंने पहले ऐसे किसी भी संवाद को खारिज कर दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान और अमेरिका किसी समझौते तक पहुंच पाएंगे या नहीं, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत की किसी भी प्रक्रिया में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी प्रमुख मांगों में शामिल कर रखा है। ट्रंप ने जून में इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के आदेश दिए थे।

पेजेशकियान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अंग्रेजी और फ़ारसी में लिखा कि यह फैसला क्षेत्र के मित्र देशों की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति के बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध पर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि यदि उपयुक्त माहौल हो यानी धमकियों और अनुचित अपेक्षाओं से मुक्त वातावरण, तो वह गरिमा, विवेक और दूरदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ने अभी यह स्वीकार नहीं किया है कि इस तरह की कोई बातचीत होने जा रही है।

ईरान के गृहमंत्री सहित 10 पर नए प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन ने ईरान के गृह मंत्री सहित 10 लोगों और एक संगठन पर प्रतिबंधों का एक नया पैकेज लगा दिया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, ईरान में हालिया प्रदर्शनों में मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल लोगों के खिलाफ ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें ईरान के गृह मंत्री इस्कंदर मोमेनी, लोरिस्तान प्रांत के पुलिस प्रमुख मोहम्मद रजा हाशिमीफ़र, सार्वजनिक सुरक्षा पुलिस प्रमुख सैयद माजिद फ़ैज़ जाफ़री, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर में फ़ार्स प्रांत के कमांडर यादोल्लाह बौअली, कई अन्य सैन्य और न्यायिक कर्मी शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि ब्रिटेन पहले ही ईरानी व्यक्तियों और संगठनों पर 550 से अधिक संबंधित प्रतिबंध लगा चुका है, जिसमें पूरे आईआरजीसी पर भी प्रतिबंध शामिल है। इससे पहले अमेरिका और यूरोपीय संघ भी हाल के दिनों में ईरान पर सामान्य प्रतिबंध लगा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि ईरानी रियाल के तेज़ी से गिरने के कारण प्रशासन के खिलाफ दिसंबर के आखिर में शुरू हुए प्रदर्शन हफ़्तों तक चले थे। शुरू में शांतिपूर्ण रहे ये प्रदर्शन झड़पों में बदल गये, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ और मस्जिदों, सरकारी इमारतों और बैंकों सहित सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। तेहरान ने इस अशांति के लिए अमेरिका और इज़राइल को दोषी ठहराया है।

संसद में पेश होंगे क्लिंटन दंपती

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने दोषी यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन से जुड़े एक मामले में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में गवाही देने पर सोमवार देर रात सहमति जताई। हालांकि, इस जांच का नेतृत्व कर रहे रिपब्लिकन सांसद ने कहा कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है। सदन की निगरानी समिति के अध्यक्ष एवं रिपब्लिकन सांसद जेम्स कॉमर सोमवार शाम तक क्लिंटन दंपति के खिलाफ कांग्रेस की अवमानना की कार्यवाही आगे बढ़ा रहे थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने कांग्रेस के समन की अवहेलना की। इसी दौरान क्लिंटन दंपति के वकीलों ने समिति को ईमेल भेजकर कहा कि दोनों कॉमर की मांगें स्वीकार करेंगे और तय तारीखों पर बयान दर्ज कराने के लिए पेश होंगे।

ईंधन में हुआ रिसाव, नासा ने टाला चंद्र रॉकेट का प्रक्षेपण

केप केनरवल, एजेंसी

● स्पेस एजेंसी ने अब मार्च में रॉकेट के प्रक्षेपण का लिया निर्णय

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले किए गए निर्णायक परीक्षण के दौरान ईंधन के रिसाव की समस्या आने के कारण अब वह अपने नए चंद्र रॉकेट को मार्च में प्रक्षेपित करेगी। नासा ने कहा कि प्रक्षेपण में देरी होने से अब उड़ान परीक्षण से पहले डेटा की समीक्षा करने और दूसरा पूर्वाभ्यास करने का मौका मिलेगा। ये रिसाव सोमवार को कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में ईंधन भरने की प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर हुए।

नासा ने कहा कि इस उड़ान के लिए चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग दो सप्ताह के पृथकवास से बाहर निकाल लिया जाएगा। नासा ने कहा कि चंद्रमा की परिक्रमा के लिए अगली उड़ान के समय से लगभग दो सप्ताह पहले उन्हें फिर से पृथकवास में रखा जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसी ने मार्च में आधिकारिक प्रक्षेपण लक्ष्य के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। इसने कहा कि जांच से प्राप्त डेटा की पूरी तरह से समीक्षा करने प्रत्येक समस्या का समाधान करने और परीक्षण पर लौटने की आवश्यकता है। सोमवार को दोपहर के समय प्रक्षेपण नियंत्रकों ने 322 फुट लंबे रॉकेट में अत्यधिक शीतल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन भरना शुरू किया। टंकियों में 7 लाख गैलन से अधिक ईंधन भरा जाना था।

रूस ने यूक्रेन पर तेज किए हमले

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस ने देर रात एक बड़े हमले में यूक्रेन पर लंबी दूरी के लगभग 450 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 70 मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में अमेरिका की मध्यस्थता से होने वाली वार्ता में भाग लेने वाले हैं, जिसका उद्देश्य लगभग चार साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करना है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के कम से कम पांच क्षेत्रों पर बमबारी का निशाना विशेष रूप से बिजली ग्रिड था। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के लिए कूटनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है लोगों को आतंकित करना है।

एक्स के फ्रांस में स्थित कार्यालयों में छापेमारी

पेरिस, एजेंसी

● चाइल्ड पोर्नोग्राफी व डीपफेक सहित कई अपराधों में जांच

पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी।

यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित मिलीभगत की जांच कर रही है। अभियोजकों ने एलन मस्क और एक्स की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है। इस संबंध में एक्स के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एक्स पर छापेमारी की पुष्टि की। कहा कि वह इस मंच को छोड़ रहा है और फॉलोअर्स से भी कहा कि वे किसी दूसरे सोशल मीडिया मंच से जुड़ें।

आर्मेनिया से भारत सुदृढ़ करेगा संबंध

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने आर्मेनिया के रक्षा मंत्री सुरेन पापक्यान से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। जनरल चौहान के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस समय आर्मेनिया की यात्रा पर है। एकीकृत रक्षा मुख्यालय ने एक्स पर सीडीएस की यात्रा की जानकारियां साझा की हैं। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, आर्मेनिया के रक्षा मंत्री सुरेन पापक्यान से मुलाकात के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों से संबंधित विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सीडीएस ने आर्मेनिया की राजधानी येरेवन में राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान विवि का दौरा किया।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 4 फरवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 5 फरवरी 12.09 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

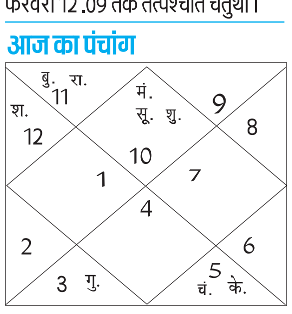

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 10.12 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आपकी क्षमताओं में विस्तार होगा। वकालत के पेशे से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों के विचारों पर अवश्य ध्यान दें। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद दूर होंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। आक्रामक व्यवहार से आपको बचना चाहिए। सरकारी कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। आपसी सूझबूझ से विवादों का समाधान कर पायेंगे। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन — आज आप लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो रहे हैं। घर में प्रियजनों का आगमन हो सकता है। प्रत्येक परिस्थिति में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आर्थिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। धार्मिक क्रियाकलापों में आप अत्यधिक रुचि लेंगे।

कर्क — आज आपके नेतृत्व कौशल की लोग प्रशंसा करेंगे। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यापार से उत्तम धन लाभ होगा। काम के प्रति उत्साह भाव बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रखें।

सिंह — आज व्यापार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में तय लक्ष्यों को समय पर पूर्ण कर लेंगे। दोपहर के बाद आपकी परिस्थितियां काफी अच्छी रहने वाली हैं। परिजन आपसे मिलने घर आ सकते हैं। मित्रों की सलाह आपके काम आयेगी।

कन्या — आज परिवार में लोगों के बीच कलह की भावना हो सकती है। महंगी वस्तुओं की खरीदारी में धन का अपव्यय हो सकता है। गर्दन में दर्द उभरने की आशंका है। रहन-सहन में दिखावा न करें। बच्चे गलत कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

तुला — आज अविवाहित लोगों के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। कारोबार की गुणवत्ता में सुधार होगा। व्यायाम और ध्यान को अपनी जीवनशैली में अवश्य सम्मिलित करें। अटके हुए काम को दोबारा शुरू करने में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज यदि किसी को कर्ज दे रहे हैं तो परिजनों से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। घर के नवीनीकरण को लेकर योजना बनायेंगे। संकीर्ण विचारों के कारण आप लोगों के निशाने पर आ सकते हैं।

धनु — आज व्यापार को लेकर आप प्रयोग कर सकते हैं। काम को लेकर दबाव धीरे-धीरे कम होगा। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आप अपने मन की करने को स्वतंत्र रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती हैं।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में सभी कार्य आपके अनुसार होते जायेंगे। आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। विलासिता के साधनों में आप धन खर्च करेंगे। धन की कमी दूर होगी। अपने खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — आज नया काम शुरू कर सकते हैं। आपके स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। दूसरों के भरोसे रहना उचित नहीं है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतरीन रहेगा। भूमि संपत्ति को लेकर अनुबंध कर सकते हैं। विदेश में व्यापार करने वाले लोगों की आय में वृद्धि होगी।

मीन — आज अपने कार्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। रिश्तेदारों से मदद मिलेगी। बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता रहेगी। पार्टी व पिकनिक के लिए जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। दोपहर के बाद अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है।

सुडोकू-51

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3		9			4			2
				1			3	
5			9			6		
					6		9	
	3	2				5	1	
	8		7					3
		4			5		2	
	7			8				
6			1			3		4

सुडोकू - 50 का हल

2	8	5	4	9	7	6	1	3
4	6	7	2	3	1	8	9	5
3	1	9	6	8	5	4	7	2
5	7	6	8	4	9	2	3	1
9	2	4	3	1	6	5	8	7
8	3	1	7	5	2	9	6	4
7	9	8	1	2	4	3	5	6
1	5	2	9	6	3	7	4	8
6	4	3	5	7	8	1	2	9

हम विश्व कप में सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। हम विश्व कप जीतने की कोशिश करने जा रहे हैं और हमारा पूरा ध्यान इसी पर केंद्रित है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के रूप में हमें वहां के लोगों पर भरोसा है कि वे हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा।

मिचेल मार्श, कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा भारत

हरारे, एजेंसी

- प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम, पांच बार खिताब जीते

अब तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम बुधवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। उसने पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018, 2022) खिताब जीते हैं। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। इस तरह से भारत छठी बार खिताब जीतने की दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

भारत ने अब तक टूर्नामेंट में अपने सभी पांच मैच जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 58 रन की जीत भी है। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान को कम आंकने की गलती नहीं करेगी। अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। उसने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एकमात्र हार श्रीलंका से मिली थी। लेकिन खिलाड़ियों की फॉर्म और खेल के हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने से अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी है। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (पांच मैचों में दो अर्धशतकों सहित 196 रन) भी अच्छे फॉर्म में हैं, लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह अर्धशतकों को शतकों में तब्दील करें। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा (पांच मैचों में 172 रन) एक और भारतीय बल्लेबाज हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक (109 नाबाद) लगाया था। कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाज़ी में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से छह विकेट लिए हैं, लेकिन बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश है। सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज की फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि दाएं हाथ का बल्लेबाज तीन पारियों में 46 रन ही बना सका है। भारतीय गेंदबाजी की कमान हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथ में है। इन दोनों तेज गेंदबाजों को स्पिनर खिलन पटेल का भी अच्छा सहयोग मिला है, जिन्होंने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। म्हात्रे और मल्होत्रा गेंदबाजी में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। मल्होत्रा ने अभी तक टूर्नामेंट में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से पांच विकेट लेने के अलावा भारत की तरफ से एकमात्र शतक भी लगाया है।

भारत अंडर-19 : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19 : महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन।

मैच दोपहर 1:00 बजे।

हाईलाइट

साई की परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे खेल मंत्री मांडविया

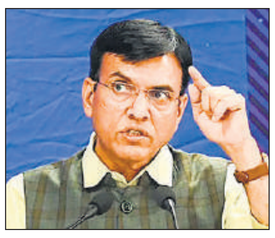

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 120 करोड़ की लागत वाली परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तहत चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में जवाबदेही, समय पर पूरा होने और उचित रखरखाव को सुनिश्चित करने को वह तिमाही समीक्षा करेंगे। संतुलित और समावेशी खेल अवसंरचना विकास सुनिश्चित करने को नई परियोजनाएं देश भर में साइ केंद्रों में फैली हुई हैं। इसमें पूर्वोत्तर और पूर्वी क्षेत्र भी शामिल हैं। इनमें बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में एक नये सिंथेटिक हॉकी टर्फ का निर्माण शामिल है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में खेलेंगे डी गुकेश

ओस्लो। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है। पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। गुकेश ने कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। हमेशा की तरह बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करूंगा और सभी रोमांचक बाजियों का इंतजार कर रहा हूं।

ईएफआई ने बिना ट्रायल राइडर्स को दी एनओसी

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए चार घुड़सवारों को बिना किसी चयन ट्रायल्स के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने से जांच के दायरे में आ गया है और इससे हितों के टकराव से जुड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं। ईएफआई ने दो जनवरी 2026 को एनओसी जारी की थी, जिसमें 61 कैवलरी के चार अधिकारियों को सक्रिय घुड़सवारी खिलाड़ी के रूप में प्रमाणित किया गया है और उन्हें एफईआई की तरफ से यूरोप में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई है। जिन राइडर्स को विदेश में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई है।

भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच को लेकर विवाद

कटघरे में पीसीबी, मैच के बहिष्कार पर अदालत जा सकता है जियोस्टार

कराची/नई दिल्ली, एजेंसी

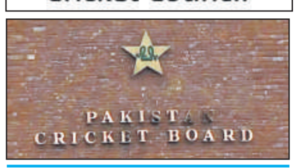

- आईसीसी ने दी चेतावनी, कहा- टूर्नामेंट का आधिकारिक प्रसारक कर सकता है कानूनी कार्रवाई
- पीसीबी ने सरकार के निर्देश पर कोलंबो में होने वाले मुकावले के बहिष्कार का फैसला कर रखा है

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के कारण उसे टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार की ओर से कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी पीसीबी के एक सूत्र ने मंगलवार को दी।

पाकिस्तान ने अपनी सरकार के निर्देश पर 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है, लेकिन अभी तक उसने इस फैसले के कारणों को औपचारिक रूप से आईसीसी को नहीं बताया है। पहले ही सूत्रों के हवाले से खबर दी जा चुकी है कि आईसीसी पाकिस्तान का सालाना राजस्व हिस्सा (लगभग 3.5 करोड़ डॉलर) रोक सकता है और उसी रकम से प्रसारकों को भुगतान कर सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को जानकारी देने से पहले बोर्ड के कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली थी, लेकिन इसके बावजूद बोर्ड गंभीर नतीजों के लिए तैयार है।

पीसीबी के सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर अड़ा रहा तो उसे वित्तीय जुर्माने के साथ प्रसारकों की ओर से मुकदमा भी झेलना पड़ सकता है। इसके अलावा आईसीसी की विवाद निपटान समिति (डीआरसी) में जाने की कोशिश भी शायद नाकाम रहे। आईसीसी की डीआरसी एक आंतरिक समिति है, जो आईसीसी के फैसलों के खिलाफ अपील नहीं सुनती।

अनुबंध के उल्लंघन पर पीसीबी को अदालत में ले जाने का प्रसारक के पास पूरा अधिकार

सूत्र ने बताया कि आईसीसी ने जब अपने सभी आयोजनों के लिए प्रसारक के साथ चार साल का करार किया था, तब उसमें भारत-पाकिस्तान मैच भी शामिल थे, जिसके आधार पर प्रसारक ने आईसीसी को भुगतान किया। इसलिए प्रसारक को अनुबंध के उल्लंघन के आधार पर पीसीबी और आईसीसी को अदालत में ले जाने का पूरा अधिकार होगा। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि पीसीबी ने इस मामले में अन्य सदस्य बोर्डों से समर्थन मांगा था, लेकिन उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिला। कई लोगों का मानना है कि पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी 12 फरवरी को बांग्लादेश में आम चुनाव होने और मौजूदा मोहम्मद यूनुस सरकार की जगह लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद अपना फैसला बदल सकते हैं।

नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता

एक सूत्र ने कहा कि नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम के हितों की खास चिंता नहीं है। वह राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं और चुनाव के बाद यू-टर्न ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ मैच से पहले दो दिन का वक्त रहेगा और हालात बदल सकते हैं। वरना वह जानते हैं कि पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग किया जा सकता है।

पीसीबी ने अब तक आईसीसी को नहीं दी है लिखित सूचना

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अन्य सूत्र ने बताया कि सरकार के निर्देश के बावजूद पीसीबी को परेशानी हो सकती है, क्योंकि पाकिस्तान अपनी इच्छा के अनुसार भारत में नहीं बल्कि तटस्थ स्थल श्रीलंका में अपने सभी मैच खेल रहा है। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि भारत सरकार ने अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है, लेकिन मई में हुए टकराव के बाद भी एशिया कप या आईसीसी के टूर्नामेंटों में तटस्थ स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से भी नहीं रोका है। पीसीबी ने अभी तक लिखित रूप में आईसीसी को कोई सूचना नहीं दी है, लेकिन इस बहिष्कार के फैसले को बांग्लादेश को विश्व कप से हटाए जाने के बाद उसके समर्थन में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

सभी टेस्ट खेलने की इच्छा से टी20 विश्व कप से बाहर हुआ : कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने से टी20 विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए फिट होने की इच्छा से प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे के कप्तान कमिंस पीठ की चोट से नहीं उबर पाने से टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है।

कमिंस ने कहा कि यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा। एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन अभी-अभी एक स्कैन करवाया है और चिकित्सकों का मानना है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे। इसलिए समय की थोड़ी कमी पड़ गई। ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, जब वह डार्विन और मैकाय में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा।

फॉर्म में चल रहे भारत को हराना मुश्किल होगा : क्लिंगर

वडोदरा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और अब कोच माइकल क्लिंगर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन से पता चलता है कि सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में आखिर क्यों गत चैंपियन को हराना बहुत मुश्किल होगा। डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात जाइंट्स के मुख्य कोच क्लिंगर के अनुसार भारत का आक्रामक शीर्ष क्रम उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत टीम बनाता है। क्लिंगर ने कहा कि जिस फॉर्म में वे हैं और मैंने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ जो देखा उससे भारत को हराना बहुत मुश्किल होगा।

टी20 विश्व कप के तीसरे चरण के टिकटों की बिक्री शुरू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप की टिकटों की बिक्री के तीसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की। इससे पहले 11 दिसंबर 2025 और 14 जनवरी 2026 को शुरुआती दो चरण में टिकटों की बिक्री हुई जो सफल रही। बीसीसीआई ने कहा कि नवीनतम चरण प्रशंसकों को दुनिया की शीर्ष टीमों की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट के दौरान होने वाले मुकाबलों के लिए सीट सुरक्षित का एक और मौका देता है। शनिवार से शुरू होने वाला टी20 विश्व कप भारत के कुछ सबसे जाने-पहचाने क्रिकेट स्थलों पर खेला जाएगा, जिससे ऐसा माहौल बनेगा जहां प्रशंसक पूरे टूर्नामेंट के दौरान शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और टी20 प्रारूप से जुड़े जज्बे को देख सकेंगे। जैसे-जैसे मेजबान शहरों में तैयारियां आखिरी चरण में पहुंच रही हैं तो बीसीसीआई संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर आयोजन स्थलों की तैयारी, संचालन योजना और मैच के दिन के अनुभव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

गुजरात ने दिल्ली को दिया 169 रनों का लक्ष्य

वडोदरा, एजेंसी

डब्ल्यूपीएल एलिमिनेटर

- बेथ मूनी ने खेली 51 गेंद पर नाबाद 62 रनों की शानदार पारी

सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी की नाबाद 62 रनों की शानदार पारी के दम पर गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 7 विकेट पर 168 रन बनाए। मूनी ने 51 गेंदों में छह चौकों के साथ पांचवें विकेट के लिए जॉर्जिया वेयरहम के साथ 46 गेंद में 61 जबकि आखिरी ओवरों में काश्वी गौतम के साथ 19 गेंद में 39 रनों की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

वेयरहम में 25 गेंद में तीन चौके और एक छक्का लगाका 35 रन बनाए जबकि काश्वी ने 18 रनों की परी में तीन चौके जड़ें। कैपिटल्स के लिए शिनेल हेनरी ने 35 रन देकर दो जबकि नंदिनी शर्मा ने 44 देकर दो विकेट लिये। मिन्नू मणि को एक सफलता मिली।

दिल्ली ने 25 अतिरिक्त रन दिये जिसमें तेज गेंदबाजों के खिलाफ विकेटकीपर लिजेल ली के विकेट के करीब से कीपिंग करने से कई बार बाई में चार रन चले गए। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शिनेल हेनरी की गेंद पर सोफी डिवाइन (6) विकेटकीपर को कैच दे बैठी। मूनी और अनुष्का शर्मा (16) ने मारिजेन कैप के खिलाफ चौके जड़ ओवर से 17 रन बटोर कर दबाव कम करने की कोशिश की। छठे ओवर में नंदिनी ने दो गेंदों पर दो विकेट झटकें। हेनरी ने कमाल का कैच लपककर अनुष्का को चलता किया जबकि कप्तान एशलीघ गार्डनर ने खाता खोले बगैर स्नेह राणा को कैच थमा दिया। कनिका आहुजा (6) ने चौका जड़ उन्हें हैट्रिक से रोक दिया। पावरप्ले के बाद गुजरात का स्कोर 3 विकेट पर 48 रन था। दिल्ली के गेंदबाजों ने शिकंजा कस दिया जिसका फायदा मिन्नू को मिला। कनिका शॉट के लिए बाहर निकली और ली ने उनके स्टंप बिखेर दिये। मूनी ने श्री चरण की गेंद को बाउंड्री पार भेज कर चौके के सूखे को खत्म किया। वेयरहम ने कैप और नंदिनी की गेंद पर चौका जड़ा जिससे टीम ने 14 ओवर में रनों का शतक पूरा किया। वेयरहम ने मूनी के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। हेनरी ने अगले ओवर में वेयरहेम को चलता करने के एक गेंद बाद भारती फुलमाली को आउट किया। मूनी ने हेनरी के खिलाफ दो चौके जड़ने के दौरान 47 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

बेथ मूनी

एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे
- एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने एनआरएआई के अध्यक्ष को लिखे पत्र में की पुष्टि

भारत अगले साल दिल्ली में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है।

एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इसका आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। एएससी ने पत्र में कहा कि हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।

टेनिस रैंकिंग

एरीना सबालेंका

अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग रखी बरकरार

सबालेंका शीर्ष पर बरकरार, जोकोविच तीसरे स्थान पर पहुंचे

मेलबर्न, एजेंसी

कार्लोस अल्काराज से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में हारने वाले 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में सिनर को हराने वाले जोकोविच एक पायदान ऊपर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। 38 वर्षीय जोकोविच अगस्त 2024 के बाद पहली बार शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं।

डब्ल्यूटीए टूर पर एरीना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रिबाकिना से हारने के बावजूद अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है। रिबाकिना रैंकिंग में दो स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर काबिज हैं। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान पर तीन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला हैं। सेमीफाइनल में हारने वाली एलिना स्वितोलिना दो पायदान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

कार्लोस अल्काराज

- रिबाकिना की दो पायदान की छलांग, इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर काबिज

अल्काराज ने रॉटरडैम से नाम वापस लिया

रॉटरडैम। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने रॉटरडैम में होने वाले एबीएन एमरो ओपन से नाम वापस ले लिया है, टूर्नामेंट ने यह घोषणा की है। पिछले सीजन में एटीपी 500 इनडोर हार्ड-कोर्ट टाइटल जीतने वाले स्पेन के अल्काराज, एटीपी वेबसाइट के अनुसार, 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस इवेंट में अपना खिताब बचाने के लिए वापस नहीं आएंगे। अल्काराज की गैरमौजूदगी के बावजूद, रॉटरडैम के मैदान में दुनिया के नंबर 2 अलेक्जेंडर ज्वेरेव, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और एलेक्स डी मिनौर सहित कई टॉप खिलाड़ी खेलेंगे। अल्काराज ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के एक दिन बाद अपना नाम वापस लिया है। अल्काराज ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जोकोविच को हराकर मेलबर्न में पहला टाइटल जीता था।

भांबरी एटीपी युगल टॉप 20 में शामिल

युकी भांबरी

चंडीगढ़। राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के एथलीट युकी भांबरी एटीपी रैंकिंग में नंबर 20 पर पहुंच गए हैं, जिससे वह रोहन बोपन्ना के बाद टॉप 20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष डबल्स खिलाड़ी बन गए हैं और भारत के टॉप रैंक वाले डबल्स खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है। युकी ने कई एटीपी टूर फाइनल में हिस्सा लिया है और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्वीडन के आंद्रे गोरान्सन के साथ जोड़ी बनाकर, युकी ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम, मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शानदार प्रदर्शन किया, तीसरे राउंड में पहुंचकर रैंकिंग पॉइंट्स हासिल किए जो उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए ज़रूरी थे।